@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/ qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
शनिवार, 14 मार्च 2026

VISIT: www.qaumi-patrika.in Email: qpatri-

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 19 अंक 128 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

प्राकृतिक आपदाओं से प्रभावित राज्यों को केंद्र की बड़ी राहत

• 1,912.99 करोड़ रुपए की मंजूरी

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने प्राकृतिक आपदाओं से प्रभावित राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को राहत देने के लिए बड़ी आर्थिक सहायता की घोषणा की है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में हुई एक उच्च स्तरीय समिति (एचएलसी) की बैठक में कुल 1,912.99 करोड़ रुपए की अतिरिक्त केंद्रीय सहायता को मंजूरी दी गई है। यह सहायता आंध्र प्रदेश, छत्तीसगढ़, गुजरात, हिमाचल प्रदेश, नागालैंड और केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर को दी जाएगी। सरकार के अनुसार यह मदद वर्ष 2025 के दौरान आई प्राकृतिक आपदाओं, जैसे बाढ़, फ्लैश फ्लड, क्लाउडबर्स्ट, भूस्खलन और चक्रवाती तूफान चक्रवात मोंथा से प्रभावित क्षेत्रों के पुनर्वास और राहत कार्यों के लिए दी जा रही है। उच्च स्तरीय समिति के फैसले के मुताबिक राज्यों को

अलग-अलग राशि स्वीकृत की गई है। इसमें आंध्र प्रदेश को 341.48 करोड़ रुपए, छत्तीसगढ़ को 15.70 करोड़ रुपए, गुजरात को 778.67 करोड़ रुपए, हिमाचल प्रदेश को 288.39 करोड़ रुपए, नागालैंड को 158.41 करोड़ रुपए और जम्मू-कश्मीर को 330.34 करोड़ रुपए की अतिरिक्त सहायता प्रदान की जाएगी।

यह पूरी राशि राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया कोष (एनडीआरएफ) से दी जा रही है। हालांकि इसमें संबंधित राज्यों के राज्य आपदा प्रतिक्रिया कोष (एसडीआरएफ) में मौजूद शुरुआती बैलेंस के 50 प्रतिशत को समायोजित किया जाएगा। केंद्र सरकार ने स्पष्ट किया है कि यह अतिरिक्त सहायता पहले से जारी फंड के अलावा है। यानी राज्यों को पहले से जो राशि एसडीआरएफ के तहत उपलब्ध कराई गई थी, उसके ऊपर यह नई आर्थिक मदद दी जा रही है। केंद्र सरकार प्राकृतिक आपदाओं के समय राज्य सरकारों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी रहती है और हर संभव सहायता प्रदान करती है।वित्तीय वर्ष 2025-26 के दौरान केंद्र सरकार ने राज्यों को राहत और आपदा प्रबंधन के लिए बड़ी राशि जारी की है। सरकार के मुताबिक इस अवधि में 28 राज्यों को एसडीआरएफ के तहत 20,735.20 करोड़ रुपए जारी किए गए हैं, जबकि 21 राज्यों को एनडीआरएफ के तहत 3,628.18 करोड़ रुपए की सहायता दी गई है। इसके अलावा आपदा से बचाव और जोखिम कम करने के लिए भी फंड जारी किए गए हैं। केंद्र सरकार ने 23 राज्यों को राज्य आपदा शमन कोष से 5,373.20 करोड़ रुपए और 21 राज्यों को राष्ट्रीय आपदा शमन कोष से 1,189.56 करोड़ रुपए प्रदान किए हैं।

मासिक धर्म पर विशेष अवकाश की मांग वाली याचिका खारिज

सुप्रीम कोर्ट ने नीति बनाने का दिया सुझाव

एजेंसी

नई दिल्ली। देशभर में कामकाजी महिलाओं और छात्राओं को मासिक धर्म के दौरान होने वाली तकलीफों के मद्देनजर विशेष अवकाश की मांग को लेकर दायर याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई से इनकार कर दिया। अदालत ने याचिका का निस्तारण करते हुए कहा कि इस मुद्दे पर नीति बनाने का निर्णय सरकार को करना चाहिए और इसके लिए सभी पक्षों से विचार-विमर्श जरूरी है। सुनवाई के दौरान भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने कहा कि इस तरह की याचिकाएं कई बार अनावश्यक भय पैदा करती हैं। उन्होंने टिप्पणी करते हुए कहा कि ऐसा प्रतीत होता है मानो यह साबित करने की कोशिश की जा रही हो कि महिलाएं कमजोर हैं और मासिक धर्म की वजह से उनके साथ कुछ गलत हो रहा है। कोर्ट ने कहा कि याचिकाकर्ता पहले ही इस विषय पर अपनी बात केंद्रीय महिला एवं बाल

विकास मंत्रालय के समक्ष रख चुके हैं। ऐसे में मंत्रालय को इस मुद्दे पर सभी संबंधित पक्षों से चर्चा करके उचित नीति बनाने पर विचार करना चाहिए। सुनवाई के दौरान पीठ में शामिल जस्टिस बागची ने एक महत्वपूर्ण पहलू उठाया। उन्होंने कहा कि यदि इस तरह का अधिकार कानून के रूप में लागू किया जाता है, तो नियोक्ताओं पर इसका क्या प्रभाव पड़ेगा। इस पर भी विचार करना जरूरी है। यह भी सोचना होगा कि वे नियोक्ता, जिन्हें महिला कर्मचारियों को अतिरिक्त भुगतान सहित अवकाश देना होगा, इस स्थिति को कैसे देखेंगे।

याचिकाकर्ता की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता एमआर शमशाद ने अदालत को बताया कि केरल में स्कूलों में छात्राओं को ऐसी छूट दी गई है। देश की कुछ निजी कंपनियां भी स्वेच्छा से मासिक धर्म अवकाश दे रही हैं। इस पर मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि यदि कंपनियां स्वेच्छा से ऐसी छुट्टी दे रही हैं तो यह अच्छी बात है। हालांकि, उन्होंने यह भी आशंका जताई कि यदि इसे कानूनी बाध्यता बना दिया गया, तो कुछ नियोक्ता महिलाओं को नौकरी देने से ही बच सकते हैं, जिससे उनके करियर पर नकारात्मक असर पड़ सकता है।

याचिका में तर्क दिया गया था कि गर्भावस्था के लिए अवकाश की व्यवस्था है लेकिन मासिक धर्म के लिए ऐसा कोई प्रावधान नहीं है। साथ ही यह भी कहा गया कि कुछ राज्यों और कंपनियों में महीने में दो दिन की छुट्टी दी जा रही है, इसलिए सभी राज्यों को इस तरह के नियम बनाने का निर्देश दिया जाए।

जयपुर। अपने नेता के साथ कांग्रेस के सदस्यों का भी आचरण बिगड़ा- किरेन रिजिजू

• 'अपने आप में सुधार लाना चाहिए, वरना जनता फिर से सजा देगी।'

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने लोकसभा में कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों के हंगामे पर तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस समेत विपक्ष के सदस्यों ने ऐसा नकारात्मक कारनामा किया है, इसके लिए जनता माफ नहीं करेगी। इस दौरान किरेन रिजिजू ने नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर भी कटाक्ष किया। लोकसभा में कांग्रेस सदस्यों ने एलपीजी की किल्लत को लेकर हंगामा किया और इस विषय पर चर्चा की मांग की। इस पर संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने जवाब देते हुए कहा, 'बिजनेस एडवाइजरी कमेटी की बैठक में कांग्रेस समेत अन्य विपक्षी दलों के सदस्यों ने हिस्सा लिया। बैठक में तय हुआ कि वित्त मंत्री अपना जवाब देंगी और इसके अलावा, निजी विधेयक को लेकर चर्चा होगी। लेकिन कांग्रेस हंगामा करके अपने सदस्यों के निजी विधेयक के समय को भी समाप्त करना चाहती है।' राहुल गांधी का नाम लिए बिना किरेन रिजिजू ने कहा, 'इनके नेता (राहुल गांधी) नहीं सुधरते हैं तो कांग्रेस के अन्य सदस्य भी नहीं सुधर रहे हैं। आज खुद लोकसभा स्पीकर ने बार-बार

कहा कि दो दिन अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा के बाद स्थिति सुधरनी चाहिए। लेकिन कांग्रेस के सदस्य सुधरने के बजाय संसद परिषद में खाने-पीने का सामान लेकर अनुशासनहीनता का काम करते हैं। कांग्रेस के नेता (राहुल गांधी) ही ग्लास-थाली लेकर नाटक कर रहे हैं। कांग्रेस के नेता सोचते हैं कि नाटकीय कामों से वे जनता का ध्यान आकर्षित कर सकते हैं, लेकिन जनता विपक्षी सदस्यों की ऐसी हरकतों से नाराज है और इसीलिए ये लोग सत्ता में नहीं आ सकते हैं।' रिजिजू ने आगे कहा, 'कांग्रेस पार्टी में अब कोई ऐसा नहीं बचा है, जो अपने नेता (राहुल गांधी) को समझा सके। क्योंकि उनके नेता के साथ-साथ सारे कांग्रेसी सदस्यों का भी आचरण बिगड़ गया है।' उन्होंने कहा कि विपक्ष के सदस्यों के पास अभी भी समय है। उन्हें अपने आप में सुधार लाना चाहिए, वरना जनता फिर से सजा देगी। इस दौरान, सदन में पीठासीन संध्या राय ने भी विपक्ष के हंगामे पर नाराजगी जाहिर की। उन्होंने हंगामे पर कहा कि विपक्ष के सदस्यों का ये व्यवहार ठीक नहीं है। यह लोकतंत्र की मर्यादा के लिए भी ठीक नहीं है। जनता उन्हें देख रही है। संध्या राय ने कहा, 'हम देश के युवाओं को क्या सीख दे रहे हैं?' इसके बाद उन्होंने सदन की कार्यवाही को दोपहर 2 बजे तक के लिए स्थगित कर दिया।

गिरिराज सिंह ने राहुल गांधी पर साधा निशाना

कहा-हर महीने विदेश जाने से कोई विशेषज्ञ नहीं बन जाता

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि राहुल गांधी अक्सर देश की विदेश नीति पर सवाल उठाकर भ्रम फैलाने का काम करते हैं और यह देश के लिए दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति है। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा कि राहुल गांधी को लगता है कि हर महीने विदेश यात्रा करने से वे विदेश नीति के विशेषज्ञ बन गए हैं। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि वे पर्यटक की तरह 'मकर द्वार' जैसे स्थानों पर चाय-कॉफी पीते हैं और फिर देश की आलोचना करते हैं। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी का यह रवैया नया नहीं है। कोविड-19 महामारी के दौरान भी राहुल गांधी ने इसी तरह लोगों के बीच भ्रम फैलाने की कोशिश की थी। उस समय राहुल गांधी कभी कहते थे कि बच्चों को वैक्सीन क्यों नहीं दी जा रही है, तो कभी किसी और मुद्दे

को उठाकर सरकार पर सवाल खड़े करते थे। उन्होंने कहा कि उस कठिन दौर में सरकार ने न केवल देश के लोगों की सेवा की बल्कि भारत ने अपनी विदेश नीति के जरिए दुनिया के कई देशों को भी वैक्सीन उपलब्ध कराई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने वैश्विक स्तर पर भी जिम्मेदारी निभाई। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी का काम अब सिर्फ भ्रम फैलाने तक सीमित रह गया है और उनके बयानों में गंभीरता की कमी दिखाई देती है। राहुल गांधी को शायद यह भी ठीक से पता नहीं है कि लोकसभा में विपक्ष के नेता की भूमिका क्या होती है। यह स्थिति कांग्रेस पार्टी के लिए भी दुर्भाग्यपूर्ण है। बता दें कि विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने गुरुवार को पश्चिम एशिया संकट के चलते होटल उद्योग पर पड़ रहे एलपीजी की कमी के असर को लेकर चिंता जताई थी।

• लोकसभा में राहुल गांधी ने दावा किया कि यह मुद्दा 'तकलीफ की शुरुआत' है जो आने वाले दिनों में और भी बदतर हो सकती है।
उन्होंने केंद्र सरकार की आलोचना भी की और सवाल उठाया कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप यह कैसे तय कर सकते हैं कि भारत को अपना तेल कहां से और किससे खरीदना चाहिए।

वाराणसी स्टेशन पर 3.54 करोड़ का सोना बरामद, दो गिरफ्तार, अफ्रीका से बांग्लादेश होते हुए पहुंचा था भारत

वाराणसी। वाराणसी कैंट रेलवे स्टेशन पर राजधानी एक्सप्रेस से जीआरपी थाना के पुलिसकर्मियों ने दो किलो से अधिक सोना बरामद किया है। यह सोना अफ्रीका से बांग्लादेश होते हुए भारत पहुंचा था। इस मामले में जीआरपी ने दो लोगों को गिरफ्तार किया है।उनसे पूछताछ की जा रही है। जीआरपी कैंट थाना के निरीक्षक राजोल नागर ने बताया कि महाराष्ट्र के सातार के निवासी बालासो व पूना निवासी तेजस को कैंट रेलवे स्टेशन से जीआरपी पुलिस ने राजधानी एक्सप्रेस से पकड़ा है। यह दोनों शातिर किस्म के हैं और अक्सर इस तरह की घटनाओं में लिप्त पाए जाते हैं। उन्होंने बताया कि दोनों युवकों के पास से दो किलो से अधिक सोने के बिस्किट बरामद किये गए। बरामद सोने की कीमत करीब 3.54 करोड़ के करीब बताई जा रही है।

राजस्व सेवा अधिकारी देश की वित्तीय शक्ति के संरक्षक : उपराष्ट्रपति

एजेंसी

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन ने कहा कि राजस्व सेवा के अधिकारी देश की वित्तीय शक्ति के संरक्षक होते हैं और देश के विकास कार्यों की आधारशिला कर राजस्व से ही मजबूत होती है। भारतीय राजस्व सेवा (आयकर) के 79वें बैच के अधिकारी प्रशिक्षुओं ने उपराष्ट्रपति से उपराष्ट्रपति भवन में भेंट की। इस अवसर पर उपराष्ट्रपति ने प्रशिक्षु अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि देश में होने वाले विकास कार्य चाहे वह बुनियादी ढांचे का निर्माण हो, ग्रामीण और शहरी विकास हो या सामाजिक कल्याण की योजनाएं सभी कर राजस्व से संभव होते हैं, इसलिए कर प्रशासन की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि वे यह सुनिश्चित करें कि कर चोरी न हो, लेकिन साथ ही ईमानदार करदाताओं को अनावश्यक परेशानी का सामना

भी न करना पड़े। उन्होंने कहा कि अवैध आय की पहचान करना और उस पर उचित कार्रवाई करना राजस्व अधिकारियों का दायित्व है, लेकिन जो लोग ईमानदारी से कर अदा करते हैं, उन्हें सम्मान और सहयोग मिलना चाहिए। उपराष्ट्रपति ने कहा कि ईमानदार करदाता देश के सबसे बड़े देशभक्तों में से होते हैं और उन्हें हमेशा सम्मानजनक व्यवहार मिलना चाहिए। उपराष्ट्रपति ने कहा कि भारत तेजी से प्रगति कर रहा है और देश में व्यापक स्तर पर संपत्ति का सृजन हो रहा है। बुनियादी ढांचे का विस्तार हो रहा है तथा ग्रामीण और शहरी विकास भी तेजी से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि आर्थिक विकास के साथ-साथ राजस्व में भी वृद्धि होती है, ऐसे में राजस्व अधिकारियों की भूमिका और जिम्मेदारी और अधिक महत्वपूर्ण हो जाती है। कर प्रशासन में प्रौद्योगिकी के बढ़ते उपयोग का उल्लेख करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि डिजिटल भुगतान और तकनीकी प्रणालियों के विस्तार के बावजूद कुछ लोग अभी भी व्यवस्था का दुरुपयोग कर कर चोरी करने का प्रयास करते हैं।

वोटर लिस्ट मामले में सोनिया गांधी के खिलाफ रिवीजन पिटीशन की सुनवाई टली

एजेंसी

नई दिल्ली। नई दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट में शुक्रवार को एक महत्वपूर्ण मामले की सुनवाई टल गई। यह मामला कांग्रेस नेता सोनिया गांधी से जुड़ा है, जिन पर बिना नागरिकता हासिल किए वोटर सूची में नाम शामिल कराने का आरोप है। अब अगली सुनवाई 30 मार्च को होगी। इस मामले में अधिवक्ता विकास त्रिपाठी ने रिवीजन पिटीशन दाखिल की थी। याचिकाकर्ता की तरफ से सुनवाई टालने की मांग के कारण फिलहाल आगे बढ़ाया नहीं गया। अगली सुनवाई अब 30 मार्च को होगी। पिछली सुनवाई में सोनिया गांधी की तरफ से जवाब दाखिल किया गया था। इसमें याचिका को तथ्यहीन, राजनीतिक रूप से प्रेरित और कानूनी प्रक्रिया का दुरुपयोग बताया गया। बताया गया कि यह मामला केवल राजनीतिक उद्देश्यों के तहत हवा में उड़ा दिया गया है और किसी ठोस साक्ष्य पर आधारित नहीं है। वहीं, याचिका में दावा किया गया है कि सोनिया गांधी ने 30 अप्रैल 1983 को भारतीय नागरिकता प्राप्त की थी जबकि उनका नाम 1980 की नई दिल्ली की वोटर लिस्ट में शामिल था। याचिकाकर्ता ने सवाल उठाया कि 1980 में उनका नाम वोटर लिस्ट में कैसे शामिल किया गया और क्या इसके लिए किसी फर्जी दस्तावेज का सहारा लिया गया। इसके अलावा, यह भी पूछा गया कि 1982 में उनका नाम वोटर लिस्ट से क्यों हटाया गया और जब 1983 में नागरिकता हासिल की गई, तब किस दस्तावेज के आधार पर उनका नाम सूची में शामिल किया गया। सोनिया गांधी के खिलाफ दाखिल याचिका में आरोप लगाए गए थे।

अमेरिका और भारत जरूरी खनिज समझौते को आखिरी रूप देने के करीब- राजदूत सर्जियो गोर

इस समझौते से दोनों देशों के बीच रणनीतिक सहयोग और सप्लाई चेन काफी मजबूत हो सकती हैं।

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत में अमेरिका के सर्जियो गोर ने शुक्रवार को कहा कि अमेरिका और भारत जरूरी खनिजों पर एक अहम समझौते पर हस्ताक्षर करने के करीब पहुंच रहे हैं। इस समझौते से दोनों देशों के बीच रणनीतिक सहयोग और सप्लाई चेन काफी मजबूत हो सकती हैं। एक कार्यक्रम में अमेरिकी राजदूत गोर ने कहा कि दोनों देशों के बीच बढ़ता जुड़ाव एक गहरी साझेदारी को दिखाता है जो पारंपरिक व्यापार संबंधों से कहीं आगे है। उनकी यह बात दोनों देशों के आर्थिक सहयोग को बढ़ाने के मकसद से एक द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) के फ्रेमवर्क पर सहमत होने के कुछ ही दिनों बाद आई है। गोर ने कहा, 'अमेरिका और भारत एक-दूसरे पर पूरा ध्यान दे रहे हैं, जो कुछ गहरी बात दिखाता है, एक ऐसी साझेदारी

जो लगातार मजबूत होती जा रही है।' उन्होंने कहा कि यह संबंध रणनीतिक सहयोग के एक नए दौर में जा रहा है। उन्होंने आगे कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के तहत, दोनों देशों के बीच संबंधों में 'वैश्विक ऊंचाइयों' तक पहुंचने की क्षमता है। अमेरिकी राजदूत ने कहा, 'जिस चीज की जरूरत थी वह थी मोमेंटम और अवसर, और अब हम उन मौकों और उस क्षमता को अनलॉक करने की ओर बढ़ रहे हैं।' गोर ने जोर देकर कहा कि भारत और अमेरिका के बीच साझेदारी सिर्फ टैरिफ या मार्केट एक्सेस तक ही सीमित नहीं है, बल्कि यह रिसोर्स सुरक्षित करने और सप्लाई चेन को मजबूत करने पर भी केंद्रित है जो आने वाले दशकों में वैश्विक अर्थव्यवस्था को आकार देंगे। उन्होंने कहा, 'यह साझेदारी सिर्फ टैरिफ या मार्केट एक्सेस के बारे में नहीं है, बल्कि उन रिसोर्स और सप्लाई चेन को सुरक्षित करने के बारे में भी है जो भविष्य की वैश्विक अर्थव्यवस्था को तय करेंगे। सहयोग के एक खास क्षेत्र पर जोर देते हुए, गोर ने कहा कि जरूरी मिनरल साझेदारी के सबसे जरूरी पहलुओं में से एक बनकर उभरे हैं।

केजरीवाल की उद्योग को गारंटी, चीन से मुकाबला करने के लिए पंजाब में सभी सुविधाएं देगी 'आप' सरकार

कौमी पत्रिका

मोहाली (साहिबजादा अजीत सिंह नगर), 13 मार्च। मोहाली में तीन दिन चलने वाले प्रगतिशील पंजाब निवेशक सम्मेलन-2026 की आज धमाकेदार शुरुआत हुई। सम्मेलन के पहले दिन दिग्गज उद्योगपतियों ने 10,000 करोड़ रुपए का निवेश के वादे करते हुए राज्य में कारोबार और बढ़ाने का ऐलान भी किया। निवेशकों और उद्योगपतियों को संबोधित करते हुए आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा कि चीन से मुकाबला करने के लिए पंजाब सरकार उद्योग को हर तरह की सुविधा देगी। उन्होंने कहा कि कारोबार-अनुकूल माहौल के कारण महज चार सालों में पंजाब में एक लाख 50 हजार करोड़ रुपए का निवेश आ चुका है। औद्योगिक क्षेत्र के लिए बड़े सुधारों का विस्तार से जिक्र करते हुए %आप% सुप्रीमो ने बताया कि कैसे भगवंत सिंह मान सरकार ने 45 दिनों की सिंगल-विंडो क्लीयरेंस प्रणाली शुरू की है और मानव संसाधन, औद्योगिक विकास तथा युवाओं के लिए बड़े पैमाने पर रोजगार के मौके पैदा करने पर केंद्रित कारोबार-अनुकूल ईको-सिस्टम सृजित कर रही है। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि यह सम्मेलन आर्थिक विकास, रोजगार तथा औद्योगिक विस्तार के नए पड़ाव की शुरुआत है, क्योंकि राज्य खुद को तेजी से मंजूरियों, उद्योग-अनुकूल नीतियों तथा शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और हुनरमंद मानव शक्ति पर केंद्रित करके सबसे प्राथमिक निवेश स्थान के रूप में पेश कर रहा है। प्रगतिशील पंजाब निवेशक सम्मेलन को संबोधित करते हुए, पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, राज्य के औद्योगिक विकास को बड़ा ब ?ावा देते हुए पंजाब सरकार ने पंजाब में निवेश करने के लिए मोहरी उद्योगों को लाया है। यह बहुत गर्व और तसल्ली वाली बात है कि प्रगतिशील पंजाब निवेशक सम्मेलन-2026 के पहले दिन ही पंजाब ने 10,000 करोड़ रुपए से अधिक के निवेश प्राप्त किए हैं। एच.एम.ई.एल., टाटा स्टील, जे.एस.डब्ल्यू, ट्राइडेंट ग्रुप, हीरो इंडस्ट्रीज और उद्योग जगत के कई अन्य उद्योपतियों ने राज्य में पहले से चल रहे कारोबार का विस्तार करने और नए प्रोजेक्ट लगाने की योजनाओं का

ऐलान किया है। उन्होंने आगे कहा, पंजाबी अपने उद्यमी स्वभाव, नई सोच और हर समस्या का हल निकाल लेने वाली भावना के लिए जाने जाते हैं। आपको शायद ही कोई पंजाबी भीख मांगता मिलेगा क्योंकि हमारे लोग सख्त मेहनत में विश्वास रखते हैं और वे ऐसे स्वभाव के मालिक हैं कि सबसे मुश्किल समय में भी हार मानने की बजाय सफल होते हैं। पंजाबी समर्पण भावना, वचनबद्धता और सख्त मेहनत से दिन में 20 घंटे काम कर सकते हैं। दुनिया भर में यह निराला गुण पंजाबियों में ही है। पंजाबियों की विश्वव्यापी पहचान का विशेष तौर पर जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, पंजाबी एक जुझारू कौम है जो दलेर और उद्यमी हैं। उन्होंने दुनिया के हर क्षेत्र में शानदार प्रदर्शन किया है। जब भी दुनिया में कहीं कोई दुखांत आता है, तो उस वक्त जरूरतमंदों तक लंगर पहुंचाने के लिए पंजाबी सबसे पहले पहुंचता है और पहले पातशाह श्री गुरु नानक देव जी की सेवा और मानवता की शिक्षाओं के संदेश की पालना करता है। पंजाब को अमीर संस्कृति, उपजाऊ धरती और भाईचारे की साझेदारी की बख्शिश प्राप्त है। पंजाब की उपजाऊ धरती पर सब कुछ उग सकता है, लेकिन नफरत का बीज यहां कभी जड़ नहीं पकड़ सकता। श्री गुरु नानक देव जी और महान सिख गुरुओं के संदेश की पालना करते हुए हर पंजाबी सरबत दे भले और चढ़दी कला के लिए अरदास करता है। साल 2022 से जब हमारी सरकार ने सत्ता संभाली है, पंजाब ने बिजली, स्वास्थ्य, रियल एस्टेट, बुनियादी ढांचा और शिक्षा जैसे क्षेत्रों में शानदार तरक्की देखी है। शिक्षा सुधारों पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने आगे कहा, आज पंजाब के युवा यूपीएससी, जेईई, नीट और आईआईटी जैसी प्रवेश परीक्षाओं में शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं क्योंकि राज्य सरकार ने शिक्षा क्षेत्र को काफी मजबूत किया है। पंजाब के 30 स्कूल प्रिंसिपल इस समय सिंगापुर में विश्व स्तरीय प्रशिक्षण ले रहे हैं ताकि उनकी विशेषज्ञता राज्य भर के अध्यापकों और विद्यार्थियों को और लाभ पहुंचा सके। पंजाब में इस समय मोहाली, हलवारा, अमृतसर, बठिंडा, पठानकोट और आदमपुर में हवाई अड्डे कार्यशील हैं। इसके साथ ही राज्य में सड़की बुनियादी ढांचा भी तेजी से विकसित हो रहा है। मैं उद्योगों को पंजाब में आने, निवेश करने और काम करने का सादा देता हूं ताकि हम एकजुट होकर प्रगतिशील और खुशहाल राज्य बना सकें।

शेष पृष्ठ 3 पर

इजराइल में हैं यूपी के 6004 श्रमिक, सभी के सुरक्षित होने का दावा

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश सरकार ने कहा है कि इजराइल में कार्यरत राज्य के निर्माण श्रमिकों की कुशलक्षेम पर लगातार नजर रखी जा रही है और वर्तमान में किसी प्रकार की चिंता की स्थिति नहीं है। प्रमुख सचिव, श्रम एवं सेवायोजन डॉ. एमके शनुगा सुन्दरम् ने बताया कि उत्तर प्रदेश के कुल 6004 निर्माण श्रमिक इजराइल में विभिन्न निर्माण कंपनियों में कार्यरत हैं। इन श्रमिकों का चयन राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (एनएसडीसी) और इजराइल की सरकारी संस्था पीबा (पापुलेशन, इमीग्रेशन एंड बार्डर अथारिटी) के माध्यम से किया गया था और वर्ष 2024 के दौरान उन्हें इजराइल भेजा गया था। उन्होंने बताया कि ये सभी श्रमिक इजराइल की अलग-अलग निर्माण परियोजनाओं में नियमित रूप से कार्य कर रहे हैं। राज्य सरकार उनके कुशलक्षेम पर लगातार निगरानी बनाए हुए है और इस संबंध में भारत सरकार तथा भारतीय दूतावास से निरंतर संपर्क रखा जा रहा है। इजराइल में भारत के राजदूत जेपी सिंह ने भी राज्य सरकार को अवगत कराया है कि स्थिति नियंत्रण में है और दूतावास लगातार श्रमिकों के संपर्क में है। फिलहाल किसी श्रमिक ने भारत लौटने को लेकर चिंता व्यक्त नहीं की है। दूतावास ने आपात स्थिति के लिए 24 घंटे की हेल्पलाइन और ईमेल सुविधा भी जारी की है, जिसके माध्यम से भारतीय नागरिक सहायता प्राप्त कर सकते हैं।

ड्रोन से गिराया गया संदिग्ध पैकेट, इलाके में हड़कंप

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू के आर.एस. पुरा सेक्टर में भारत-पाकिस्तान अंतर्राष्ट्रीय सीमा के पास सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) को एक संदिग्ध खेप बरामद हुई है। गुरुवार को देर रात लगभग 11:00 बजे, आर.एस. पुरा सेक्टर में भारत-पाकिस्तान अंतर्राष्ट्रीय सीमा के पास बीएसएफ द्वारा एक संदिग्ध पैकेट बरामद की गई है। माना जा रहा है कि खेप को एक पाकिस्तानी ड्रोन द्वारा गिराया गया था। शुरुआती जानकारी के अनुसार, यह खेप सीमावर्ती इलाके में एक लिपटे हुए पैकेट के रूप में मिली, इसका वजन करीब 1500 ग्राम था। सूचना मिलते ही, बीएसएफ और जम्मू-कश्मीर पुलिस की टीमें तुरंत मौके पर पहुंचीं और इलाके को सुरक्षित किया। बरामद किए गए पैकेट को अभी तक खोला नहीं गया है। बताया जा रहा हैं कि पैकेट को केवल मेटल डिटेक्टर से उचित जांच के बाद ही खोला जाएगा, ताकि इसके अंदर किसी भी विस्फोटक सामग्री की संभावना को पूरी तरह से खत्म हो सके। बरामद की गई खेप की आगे की जांच और तकनीकी परीक्षण जारी है। गौरतलब है कि बदादुरपुर गांव के बाहरी इलाके में खेतों से एक जॉइंट ऑपरेशन में 12 करोड़ कीमत के हाई ग्रेड नारकोटिक्स (संदिग्ध ड्रोन ड्रॉपिंग) की भारी मात्रा बरामद की गई। यह इलाका भारत-पाकिस्तान इंटरनेशनल बॉर्डर से बस कुछ किलोमीटर दूर है।

13 साल से कम उम्र के यूजर्स के लिए नए पेरेंट मैनेज्ड अकाउंट ला रहा व्हाट्सएप

नई दिल्ली (एजेंसी)। व्हाट्सएप ने बड़ा ऐलान किया है कि 13 साल से कम उम्र के यूजर्स के लिए नए पेरेंट मैनेज्ड अकाउंट नाम की शुरुआत कर रहा है। यह सिर्फ कॉलिंग और मैसेजिंग तक सिमट कर रह जाएंगे। पेरेंट मैनेज्ड अकाउंट की मदद से माता-पिता अपने बच्चों की कम्युनिकेशन गतिविधियों को कंट्रोल कर सकते है। कंपनी ने बताया है कि आने वाले दिनों में इस रोलआउट करेगी। हालांकि किसी टाइम लाइन का जिक्र नहीं किया है। नए पेरेंट कंट्रोल के तहत माता-पिता ये तय कर सकते हैं कि उनका बच्चा किन लोगों से बातचीत कर सकता है और किन लोगों से नहीं। व्हाट्सएप के पेरेंट्स मैनेज्ड अकाउंट के तहत छोटे बच्चों को मेटा एआई, जैसे फीचर्स का एक्सेस नहीं मिलेगा। साथ ही कंपनी इन अकाउंट्स से मिलने वाले डेटा का यूज विज्ञापन के लिए नहीं करेगी। पेरेंट मैनेज्ड अकाउंट को सक्रिय करने के लिए माता-पिता को अपने और अपने बच्चे का डिवाइस एक साथ रखना होगा। इसके बाद क्विक रिस्पोंस कोड के जरिए दोनों हैंडसेट को लिंक करना होगा। पेरेंट मैनेज्ड अकाउंट के तहत यूजर्स को सख्त डिफॉल्ट सेटिंग्स, पेरेंट कंट्रोल को और बेहतर किया गया है। कंपनी ने बताया है कि 13 साल से कम उम्र वाले यूजर्स के लिए ये अकाउंट खासतौर से बनाए गए हैं। पैरेंट्स अनजान लोगों से आने वाले मैसेज रिक्वेस्ट का भी रिव्यू कर सकते हैं। व्हाट्सएप ने बताया है कि इन सेटिंग्स को सिर्फ पेरेंट्स ही बदल सकते हैं। जिसके लिए पहले पिन नंबर से वेरिफाई करना होगा।

आगरा में युवती ने वीडियो वायरल कर दी जान, आरोपी पुलिस कांस्टेबल गिरफ्तार

आगरा (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के आगरा से खाकी को शर्मसार करने वाला एक बेहद दुखद और गंभीर मामला सामने आया है। ताजगंज थाना क्षेत्र में एक युवती ने कथित तौर पर मानसिक और शारीरिक प्रताड़ना से तंग आकर आत्महत्या कर ली। मौत को गले लगाने से पहले युवती ने सोशल मीडिया पर एक भावुक वीडियो साझा किया, जिसमें उसने अपनी आपबीती बताते हुए एक पुलिस कांस्टेबल पर गंभीर आरोप लगाए। इस घटना के बाद स्थानीय पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया है और न्याय प्रणाली पर सवाल खड़े हो रहे हैं। जानकारी के अनुसार, पीड़िता आगरा के ताजगंज थाने में ही तैनात कांस्टेबल जेबी गौतम के साथ पिछले काफी समय से लिव-इन रिलेशनशिप में रह रही थी। युवती का आरोप था कि सिपाही ने उसे शादी का झांसा दिया और लंबे समय तक उसका शारीरिक शोषण करता रहा। दोनों के बीच रिश्ते की शुरुआत भरोसे के साथ हुई थी, लेकिन वक्त के साथ यह भरोसा उत्पीड़न और धोखे में बदल गया। युवती ने अपने अंतिम वीडियो में स्पष्ट रूप से कहा कि कांस्टेबल ने उसे चार साल तक पत्नी की तरह साथ रखा, लेकिन जब शादी की बात आई, तो उसने अपने परिवार का बहाना बनाकर हाथ पीछे खींच लिए। सोशल मीडिया पर वायरल हुए वीडियो में युवती का दर्द साफ छलक रहा था। उसने रोते हुए कहा, जेबी गौतम ने मुझे चार साल बीवी बनाकर रखा और अब छोड़ दिया। जब भी शादी के लिए कहती हूं, तो वह कहता है कि परिवार नहीं मानेगा। युवती ने सिस्टम पर सवाल उठाते हुए यह भी कहा कि क्या वह पुलिसवाला है, इसलिए उस पर कोई कार्रवाई नहीं होगी? उसने वीडियो में आरोपी कांस्टेबल और उसके परिवार को अपनी मौत का जिम्मेदार ठहराते हुए मांग की कि उसे जीते जी न्याय नहीं मिला, लेकिन मरने के बाद जरूर मिलना चाहिए।घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों ने मामले का संज्ञान लिया। परिजनों की तहरीर और वायरल वीडियो को आधार मानकर आरोपी कांस्टेबल के खिलाफ तत्काल मुकदमा दर्ज किया गया।

दो दशक पुराने वामपंथ को हराकर सीएम बनी ममता... क्या 2026 में दोहरा पाएंगी 2021 की सफलता

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल का राजनीतिक परिदृश्य 2016 के विधानसभा चुनावों से लेकर 2021 और 2026 के चुनावों की तैयारी तक काफी बदल चुका है। ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के प्रभुत्व वाली 294 सीटों वाली विधानसभा में वाम-कांग्रेस गठबंधन, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की बढ़ती लोकप्रियता और टीएमसी के सुदृढ़ीकरण के बीच उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा हैं, जो क्षेत्रीय गतिशीलता, जनसांख्यिकी और मतदाता सूची में बदलाव से प्रभावित हैं।

2016 में टीएमसी ने 2011 की वाम-विरोधी लहर को और मजबूत कर 211 सीटों के साथ भारी बहुमत हासिल किया। वाम मोर्चा-कांग्रेस गठबंधन को केवल 32 सीटें मिलीं (गठबंधन के हिसाब से सीपीएम को 26 और कांग्रेस को 0), जिनमें कोलकाता, मुर्शिदाबाद और घाटाल जैसे औद्योगिक क्षेत्रों की कुछ सीटें शामिल थीं। भारतीय जनता पार्टी को केवल 3 सीटें मिलीं, जो मुख्य रूप से दार्जिलिंग और शहरी बाहरी इलाकों में थीं, जो राज्य में भगवा पार्टी की शुरुआती उपस्थिति का संकेत देती हैं। टीएमसी ने दक्षिण बंगाल (उदाहरण के लिए दक्षिण 24 परगना में 31/31) और शहरी कोलकाता (11 में से अधिकांश सीटें) में शानदार जीत हासिल की, जबकि मुर्शिदाबाद जैसे मुस्लिम बहुल जिलों और ग्रामीण हुगली में वामपंथियों की ताकत बनी रही। 2011 के परिसीमन के बाद 23 जिलों में 294 निर्वाचन क्षेत्रों को स्थिर किया गया, जिससे टीएमसी के ग्रामीण आधार को मजबूती मिली।

इसके बाद 2021 के चुनावों ने एक बड़ा बदलाव ला दिया, इसमें भाजपा ने हिंदुत्व-एनआरसी के मंच पर 77 सीटें जीतकर जबरदस्त बढ़त हासिल की। बीजेपी ने जंगलमहल (पश्चिम मेदिनीपुर, झाड़ग्राम, पुरुलिया, बांकुरा-30 सीटें) और उत्तर बंगाल (दार्जिलिंग, जलपाईगुड़ी) में भी बढ़त बनाई। संदेशखाली जैसे मुद्दों और कोविड प्रबंधन में हुई गड़बड़ियों को लेकर सत्ता विरोधी लहर के बावजूद टीएमसी ने वापसी कर 213 सीटें जीतीं। टीएमसी ने अल्पसंख्यक बहुल क्षेत्रों (मालदा, मुर्शिदाबाद, दो 24 परगना- बड़ी बढ़त) में दबदबा बनाए रखा और दक्षिण 24 परगना (31 सीटें), हावड़ा (16) और हुगली (18) में अपनी सीटें बरकरार रखीं। भाजपा ने सीमावर्ती और आदिवासी क्षेत्रों में जीत हासिल की, लेकिन मुस्लिम बहुल क्षेत्रों में बीजेपी को हार का सामना करना पड़ा, जहां टीएमसी की कल्याणकारी योजनाओं ने 30 प्रतिशत से अधिक वोट शेयर दिलाए।

अब मार्च 2026 तक, अप्रैल-मई में चुनाव होने वाले हैं, और 15वीं विधानसभा का कार्यकाल 7 मई को समाप्त हो रहा है। विशेष गहन संशोधन (एसआईआर) के बाद मतदाता सूचियों से 63.66 लाख नाम (मतदाताओं के 10 प्रतिशत से अधिक) हटा दिए गए हैं, जिससे सीमावर्ती क्षेत्रों, मतुआ (नमशूद्र) क्षेत्र और अल्पसंख्यक जिलों की 125 से अधिक सीटों पर जनसांख्यिकी में बदलाव आया है। इसके प्रभावों में मतुआ और उत्तरी बंगाल के उन क्षेत्रों में बीजेपी की संभावित बढ़त शामिल है, जहां नाम हटाए गए हैं, और यह टीएमसी के अल्पसंख्यक गढ़ों जैसे मुर्शिदाबाद और मालदा को चुनौती दे सकता है, जहां नाम हटाए जाने से भारी नुकसान हुआ है। उत्तर और दक्षिण 24 परगना (कुल 64 सीटें), पुरबा बर्धमान (16) और पुरबा मेदिनीपुर (16) जैसे जिलों में उथल-पुथल का सामना करना पड़ रहा है, जहां राजकोषीय तनाव (अनुमानित 62,000 करोड़ रुपये का घाटा) विपक्षी चर्चाओं को बल दे रहा है।

भाजपा ने सीमावर्ती और जंगलमहल क्षेत्रों में हिंदुओं के बीच नागरिकता संशोधन अधिनियम, 2019 और राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (सीएए-एनआरसी) के भय का फायदा उठाते हुए अपनी सीटें 3 से बढ़ाकर 77 कर लीं, जबकि टीएमसी ने मुस्लिम वोट बैंक (30-40 प्रतिशत वोट बैंक) को एकजुट करके इसका मुकाबला किया। 2011 के बाद परिसीमन ने सीमाएँ तय कर दीं, लेकिन 2026 के एसआईआर मतदाता सूची ने नरम पुनर्निर्धारण का काम किया, जिससे मतुआ (नागरिकता के बाद) में भाजपा को मजबूती मिली और टीएमसी के कल्याणकारी प्रभुत्व की

परीक्षा हुई। आर्थिक संकट - बढ़ता घाटा (2022-23 में 49,000 करोड़ रुपये से बढ़कर 2026-27 में 1,05,000 करोड़ रुपये का ऋण) - और अंतरिम बजट में किए गए तुष्टीकरण (उत्तरी बंगाल के विकास के बजाय मदरसा निधि का उपयोग) ने विभाजन को और गहरा कर दिया। उत्तर-दक्षिणी बंगाल का विभाजन और गहरा गया है, टीएमसी 200 से अधिक सीटों पर नजर गड़ाए हुए है, जबकि भाजपा गठबंधन के माध्यम से 100 से अधिक सीटों का लक्ष्य बना रही है। यह बदलाव पश्चिम बंगाल में वामपंथ के पतन से लेकर टीएमसी-भाजपा के द्विध्रुवीय चुनावी मुकाबले तक के परिवर्तन को दर्शाता है, जिसमें 2026 के चुनाव सीमित सीटों और सीमावर्ती क्षेत्रों की जनसांख्यिकी पर निर्भर करेगा।

बिहार विधानसभा को बम से उड़ाने की धमकी, विधानसभा अध्यक्ष ने ली अधिकारियों की बैठक

पटना (एजेंसी)। बिहार विधानसभा को बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद राजधानी पटना में प्रशासन और सुरक्षा एजेंसियों में हड़कंप मच गया। धमकी एक ईमेल के जरिए भेजी गई थी, जिसमें विधानमंडल भवन को विस्फोट से उड़ाने की बात कही गई। सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासन तुरंत सक्रिय हो गए और पूरे विधानसभा परिसर में सुरक्षा व्यवस्था को हाई अलर्ट पर कर दिया गया। मामले की गंभीरता को देखकर विधानसभा अध्यक्ष प्रेम कुमार ने सचिवालय के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ आपात बैठक बुलाई। बैठक में सुरक्षा से जुड़े सभी पहलुओं की समीक्षा की गई और विधानसभा परिसर की व्यापक जांच कराने के निर्देश दिए गए। अधिकारियों को यह भी कहा गया कि किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए और सुरक्षा व्यवस्था को पूरी तरह मजबूत रखा जाए। निर्देश मिलने के बाद सुरक्षा बलों ने विधानमंडल परिसर और आसपास के क्षेत्रों में सघन तलाशी अभियान शुरू कर दिया। प्रवेश द्वारों पर निगरानी बढ़ा दी गई है और आने-जाने वाले लोगों की कड़ी जांच की जा रही है। सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत करने के लिए बम निरोधक दस्ता और डॉग स्क्वॉड की भी मदद ली जा रही है, ताकि किसी भी संदिग्ध वस्तु या संभावित खतरे का समय रहते पता लगाया जा सके। फिलहाल जांच एजेंसियां उस ईमेल की पड़ताल कर रही हैं जिसके माध्यम से धमकी दी गई थी। अधिकारी यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि यह मेल किस स्थान से भेजा गया और इसके पीछे कौन लोग शामिल हो सकते हैं। प्रशासन ने लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की है और आश्वासन दिया है कि सुरक्षा के सभी जरूरी कदम उठाए जा रहे हैं।

सोनिया गांधी से जुड़े मामले में सुनवाई टली... अब मामले की 30 मार्च को सुनवाई

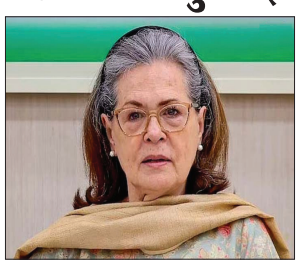

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस पार्टी की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी के खिलाफ मतदाता सूची में कथित जालसाजी को लेकर शुक्रवार को सुनवाई होनी थी। लेकिन मामले में दायर रिवीजन पिटीशन पर शुक्रवार दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट में होने वाली ये सुनवाई टल गई है। अब मामले की अगली सुनवाई 30 मार्च को होगी।

शुक्रवार की सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता की ओर से कोर्ट से सुनवाई टालने की मांग की गई थी। इसके बाद अदालत ने नई तारीख दी। ये याचिका वकील विकास त्रिपाठी की तरफ से दायर की गई है। सोनिया गांधी के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने की मांग वाली याचिका को सितंबर में खारिज किया था। मजिस्ट्रेट कोर्ट के इसी फैसले को त्रिपाठी ने चुनौती दी है।

दरअसल सोनिया गांधी के खिलाफ याचिका में नागरिकता और मतदाता सूची को लेकर गंभीर सवाल उठाए गए हैं। याचिका में दावा किया गया है कि सोनिया गांधी ने 30 अप्रैल 1983 को भारतीय नागरिकता हासिल की थी। आरोप है कि नागरिकता मिलने से 3 साल पहले, यानी 1980 की मतदाता सूची में उनका नाम नई दिल्ली निर्वाचन क्षेत्र में शामिल था।

इस पर याचिकाकर्ता ने सवाल उठाया है कि जब सोनिया गांधी के पास 1983 तक नागरिकता नहीं थी, तब 1980 में किस आधार पर और किन दस्तावेजों के सहारे मतदाता सूची में नाम जोड़ा गया? क्या इसके लिए फर्जी दस्तावेजों का सहारा लिया? याचिका में ये भी पूछा गया है कि 1982 में उनका नाम मतदाता सूची से क्यों हटाया गया था?

पिछली सुनवाई के दौरान सोनिया गांधी की ओर से अदालत में जवाब दाखिल किया गया है। उनके वकीलों ने इन आरोपों को पूरी तरह खारिज किया है। सोनिया गांधी ने याचिका को पूरी तरह से तथ्यहीन और राजनीतिक रूप से प्रेरित बताया है। इसके पहले इसी मामले में सोनिया गांधी के खिलाफ जांच और मुकदमा दर्ज कराने की मांग वाली याचिका को मजिस्ट्रेट कोर्ट ने बीते साल सितंबर में खारिज किया था। कोर्ट ने तब याचिका में पर्याप्त आधार नहीं पाए थे। अब रिवीजन पिटीशन के जरिए ऊपरी अदालत में मामले को फिर से उठाने की कोशिश की जा रही है।

झारखंड विधानसभा में खुद रिक्शा चलाकर पहुंचे मंत्री इरफान... गैस संकट पर केंद्र सरकार को घेरा

रांची (एजेंसी)। झारखंड विधानसभा के बजट सत्र के दौरान गैस सिलेंडर की कथित किल्लत और बढ़ती महंगाई का मुद्दा जोरदार तरीके से उठा रहा है। इस मुद्दे को लेकर सदन के बाहर और अंदर सत्तापक्ष के विधायकों ने प्रदर्शन किया। झारखंड मुक्ति मोर्चा, कांग्रेस और आरजेडी के नेताओं ने हाथों में गैस सिलेंडर के प्रतिरूप (रिप्लिका) और पोस्टर लेकर केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। पोस्टरों पर ÷संसद से नरेंद्र मोदी गायब, देश से सिलेंडर गायब÷ जैसे नारे लिखे हुए थे। प्रदर्शन कर रहे विधायकों ने आरोप लगाया कि केंद्र की नीतियों के कारण जनता को गैस की किल्लत और महंगाई का सामना करना पड़ रहा है। प्रदर्शन के दौरान एक अनोखा दृश्य तब दिखाई दिया, जब राज्य के स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी खुद रिक्शा चलाकर विधानसभा पहुंचे। रिक्शे की पिछली सीट पर कृषि मंत्री

शिल्पी नेहा तिर्की बैठी थीं और उनके हाथ में महंगाई के खिलाफ नारे लिखे पोस्टर थे। इस प्रतीकात्मक प्रदर्शन के जरिए उन्होंने बढ़ती कीमतों और गैस संकट के मुद्दे को उठाने की कोशिश की। विधायक तिर्की ने कहा कि अमेरिका और इजरायल द्वारा ईरान पर किए गए हमले और उसके बाद मध्य पूर्व एशिया में पैदा हुई अस्थिरता ने भारतीय अर्थव्यवस्था की कमजोरियों को उजागर किया है। उन्होंने इस बात को लेकर केंद्र सरकार की विदेश नीति की विफलता बताकर कहा कि इसका सीधा असर देश में महंगाई और पेट्रोलियम उत्पादों की उपलब्धता पर पड़ रहा है। स्वास्थ्य मंत्री अंसारी ने भी केंद्र सरकार की नीतियों की आलोचना कर कहा कि जब राज्य के मंत्री ही पेट्रोलियम संकट और गैस की कमी से जूझ रहे हैं, तब आम जनता की स्थिति का अंदाजा लगाया जा सकता है। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र की नीतियों ने देश को ऐसी स्थिति में पहुंचा दिया है जहां लोगों को बुनियादी सुविधाओं के लिए भी संघर्ष करना पड़ रहा है। वहीं विपक्ष के नेता बाबूलाल मरांडी ने सत्तापक्ष के आरोपों को खारिज कर कहा कि गैस की किल्लत का मुद्दा केवल राजनीतिक लाभ के लिए उठाया जा रहा है। जेडीयू नेता सरयू राय ने भी दावा किया कि सरकार द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार गैस की कोई कमी नहीं है और उपभोक्ताओं को सिलेंडर मिल रहे हैं। सदन में लगातार हंगामे और नारेबाजी के बाद स्पीकर के हस्तक्षेप से स्थिति शांत हुई, लेकिन गैस सिलेंडर की किल्लत और महंगाई का मुद्दा पूरे दिन विधानसभा में छाया रहा।

अलविदा की नमाज के बाद लखनऊ में प्रदर्शन, अमेरिका-इजराइल के खिलाफ लगे नारे

लखनऊ(एजेंसी)। रमजान के आखिरी जुमे पर अलविदा की नमाज के बाद शुक्रवार को लखनऊ में अमेरिका और इजराइल के खिलाफ प्रदर्शन हुआ और जमकर नारेबाजी हुई। शहर के कई इलाकों में मस्जिदों के बाहर जमीन पर अमेरिका और इजराइल के झंडे लगाए गए, जिन पर नमाजी आते-जाते समय पैर रखकर गुजरते दिखाई दिए। दरअसल, शिया धर्मगुरु मौलाना कल्बे जव्वाद ने आज बड़े प्रदर्शन का ऐलान किया था। जिसको देखते हुए प्रशासन ने पुराने लखनऊ सहित संवेदनशील क्षेत्रों में भारी पुलिस बल तैनात किया गया। कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए कई जगहों पर बैरिकेडिंग की गई है और यातायात को नियंत्रित करने के लिए पुराने शहर में रूट डायवर्जन भी लागू किया गया। उधर, ऐशबाग ईदगाह स्थित जामा मस्जिद में मौलाना खालिद रशीद की इमामत में अलविदा की नमाज अदा की गई। वहीं टीले वाली मस्जिद में भी बड़ी संख्या में नमाजियों ने नमाज पढ़ी। इसके अलावा बड़ा इमामबाड़ा परिसर स्थित आसिफी मस्जिद में शिया समुदाय के लोगों ने अलविदा की नमाज अदा की। नमाज के बाद कुछ स्थानों पर फिलिस्तीन के समर्थन में नारेबाजी और विरोध प्रदर्शन भी हुए।

राहुल गांधी की देश को गुमराह करने और भारत की छवि खराब करने की आदत बन गई

-केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने विपक्ष के नेता पर लगाए गंभीर आरोप

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने शुक्रवार को लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर देश को गुमराह करने और वैश्विक मंच पर भारत की छवि खराब करने का आरोप लगाया। संसद के बाहर गिरिराज सिंह ने कहा कि लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी की यह आदत बन गई है कि वे देश में भ्रम फैलाते हैं और विदेश नीति पर सवाल उठाते हैं। मकर द्वार पर चाय पीते हुए और देश का अपमान करते हुए उन्होंने कोविड महामारी के दौरान भी देश में भ्रम फैलाया।

गिरिराज की ये टिप्पणियां केंद्र और विपक्ष के बीच राष्ट्रीय ऊर्जा सुरक्षा को लेकर चल रही तीखी बहस के बीच आई हैं, जिसे पश्चिम एशिया में बढ़ते संघर्ष और वैश्विक आपूर्ति पर इसके प्रभाव ने और हवा दी है। एक दिन पहले, कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा था कि पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष और होर्मुज जलडमरूमध्य के बंद होने से भारत की ऊर्जा सुरक्षा पर गंभीर परिणाम हो सकते हैं, और कहा था कि दर्द तो अभी शुरू हुआ है। राहुल गांधी ने कहा कि अमेरिका, इजराइल और ईरान के बीच चल रहे युद्ध के वैश्विक और घरेलू स्तर पर दूरगामी परिणाम होने की संभावना है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक राहुल गांधी ने चेतावनी दी कि इसका असर देश भर में महसूस होना शुरू हो गया है। उन्होंने कहा कि रेस्तरां और होटल बंद हो रहे हैं और एलपीजी की उपलब्धता को लेकर लोगों में दहशत है। उन्होंने कहा कि मध्य पूर्व में युद्ध छिड़ गया है। अमेरिका, इजराइल और ईरान में जंग जारी है। इस युद्ध के दूरगामी परिणाम होंगे। होर्मुज जलडमरूमध्य, जिससे वैश्विक तेल का 20फीसदी प्रवाह होता है, बंद कर दिया गया है। इसके बहुत गंभीर परिणाम होंगे, खासकर हमारे लिए क्योंकि हमारे तेल और प्राकृतिक गैस का एक बड़ा हिस्सा होर्मुज से ही होकर गुजरता है। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि ऊर्जा सुरक्षा किसी भी राष्ट्र की स्थिरता की नींव होती है। उन्होंने भारत की ऊर्जा साझेदारी संबंधी निर्णयों को बाहरी शक्तियों के प्रभाव में लेने के विचार की आलोचना की।

हापुड़ में नेता के घर से 55 एलपीजी सिलेंडर बरामद, गैस संकट के बीच जमाखोरी का भंडाफोड़

हापुड़ (एजेंसी)। जिले में प्रशासन ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए अवैध जमाखोरी के एक बड़े मामले का खुलासा किया है। एक तरफ जहां आम जनता वैश्विक तनाव और आपूर्ति में बाधा के कारण रसोई गैस के एक-एक सिलेंडर के लिए तरस रही है, वहीं दूसरी तरफ भारी मात्रा में गैस सिलेंडरों को छिपाकर रखने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। हापुड़ प्रशासन की टीम ने स्थानीय नेता अब्दुल रेहान के आवास पर छापेमारी कर वहां से 55 भरे हुए एलपीजी सिलेंडर बरामद किए हैं। यह कार्रवाई उस समय हुई है जब पूरे क्षेत्र में गैस की भारी किल्लत और कालाबाजारी की शिकायतें लगातार मिल रही थीं।

जानकारी के अनुसार, पिछले कई दिनों से जिला प्रशासन को सूचना मिल रही थी कि कुछ लोग गैस संकट का फायदा उठाकर सिलेंडरों का अवैध भंडारण कर रहे हैं और उन्हें ऊंचे दामों पर बेच रहे हैं। इसी क्रम में जब अधिकारियों को अब्दुल रेहान के घर पर बड़ी संख्या में सिलेंडर जमा होने की सटीक जानकारी मिली, तो संबंधित विभागों की एक संयुक्त टीम ने वहां छापेमारी की। घर के भीतर और स्टोर रूम में सिलेंडरों का बड़ा जखीरा देखकर अधिकारी भी हैरान रह गए। प्रशासन ने तत्काल सभी 55 सिलेंडरों को जब्त कर लिया और उन्हें सुरक्षित रूप से संबंधित विभाग को सौंप दिया।

इस घटना के बाद से स्थानीय निवासियों में गहरा रोष व्याप्त है। लोगों का कहना है कि गैस एजेंसियों के चक्कर काटने और कई दिनों के इंतजार के बावजूद उन्हें खाली हाथ लौटना पड़ता है, जबकि प्रभावशाली लोग अपने घरों में सिलेंडरों का अंबार लगाए बैठे हैं। लोगों ने आरोप लगाया कि इस तरह की जमाखोरी ही बाजार में कृत्रिम कमी पैदा कर रही है, जिससे आम आदमी की रसोई का बजट बिगड़ गया है।

प्रशासन अब इस पूरे नेटवर्क की गहराई से जांच कर रहा है। अधिकारियों का कहना है कि गैस एजेंसियों के रिकॉर्ड खंगाले जा रहे हैं ताकि यह पता लगाया जा सके कि ये सिलेंडर किन नामों पर बुक किए गए थे और बिना वितरण के एक ही स्थान पर कैसे पहुंचे। राज्य सरकार और मुख्यमंत्री के सख्त निर्देशों के बाद, प्रशासन कालाबाजारी करने वालों के खिलाफ कड़ा रुख अपना रहा है। हापुड़ देहात थाना प्रभारी इंस्पेक्टर नीरज ने बताया कि आरोपी अब्दुल रेहान के खिलाफ आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। चूंकि मामले में सजा का प्रावधान सात साल से कम है, इसलिए आरोपी को फिलहाल थाने से जमानत दे दी गई है, लेकिन जांच जारी है और जल्द ही न्यायालय में चार्जशीट दाखिल की जाएगी। प्रशासन ने चेतावनी दी है कि जनता के हितों के साथ खिलवाड़ करने वाले किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा।

भारत में अलग है इच्छामृत्यु का तरीका, कई देशों में जहरीला इंजेक्शन व आत्महत्या भी है प्रावधान

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में इच्छामृत्यु को लेकर कानूनी और मानवीय बहस के बीच सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को एक अहम फैसला सुनाया। कोर्ट ने गाजियाबाद के 32 साल के हरीश राणा के मामले में निष्क्रिय इच्छामृत्यु की अनुमति देते हुए उनके कृत्रिम जीवन रक्षक उपकरण हटाने की मंजूरी दे दी। हरीश पिछले 13 सालों से कोमा में है। न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति के वी विश्वनाथन की पीठ ने दिल्ली स्थित एम्स में डॉक्टरों की निगरानी में यह प्रक्रिया पूरी करने का निर्देश दिया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कोर्ट ने यह भी कहा कि पूरी प्रक्रिया मानवीय और सम्मानजनक तरीके से की जानी चाहिए और मरीज को पैलिएटिव केयर में रखा जाए ताकि उसे कम से कम कष्ट हो। निष्क्रिय इच्छामृत्यु वह प्रक्रिया है जिसमें मरीज को जीवित रखने वाले कृत्रिम साधनों या इलाज को रोक दिया जाता है। इसमें वेंटिलेटर, कृत्रिम पोषण, फीडिंग ट्यूब या अन्य जीवन रक्षक चिकित्सा उपकरण हटा दिए जाते हैं। इसके बाद मरीज की मृत्यु स्वाभाविक रूप से होती है, क्योंकि इलाज जारी रखने से केवल शरीर को कृत्रिम रूप से जिंदा रखा जा रहा होता है और स्वास्थ्य में सुधार की कोई संभावना नहीं रहती। भारत में इस प्रक्रिया को 'गरिमापूर्ण मृत्यु' के अधिकार से जोड़कर देखा जाता है।

बता दें भारत में 2018 में सुप्रीम कोर्ट ने कड़ी शर्तों के साथ निष्क्रिय इच्छामृत्यु को कानूनी मान्यता दी थी। हालांकि यहां सक्रिय इच्छामृत्यु यानी किसी मरीज को जानबूझकर घातक इंजेक्शन या दवा देकर मृत्यु देने की अनुमति नहीं है। दूसरी ओर दुनिया के कई देशों में इच्छामृत्यु के अलग-अलग रूपों को कानूनी मान्यता मिली है। अमेरिका के कुछ राज्यों में डॉक्टर की सहायता से आत्महत्या की अनुमति है, जबकि नीदरलैंड में डॉक्टर द्वारा इंजेक्शन देकर या चिकित्सा सहायता से इच्छामृत्यु दोनों मान्य हैं। कनाडा में भी चिकित्सकीय सहायता से इच्छामृत्यु को कानूनी स्वीकृति दी गई है।

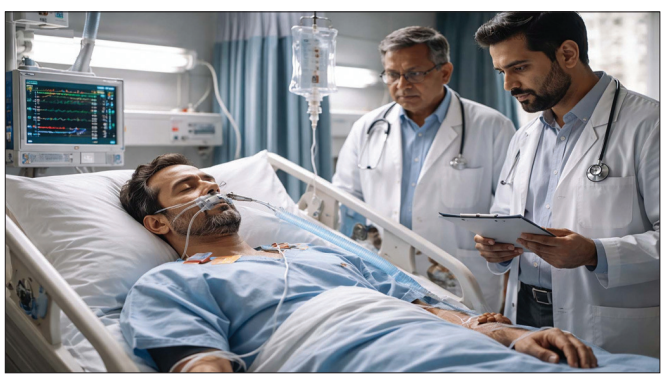

केजरीवाल की उद्योग को गारंटी, चीन से मुकाबला करने के लिए पंजाब में सभी सुविधाएं देगी 'आप' सरकार

प्रथम पृष्ठ का शेष

पंजाब के स्थानीय उद्योग की सफल कहानियों के उदाहरण देते हुए, उन्होंने कहा, पंजाब आधारित उद्यम जैसे सोनालिका, प्रीत ट्रैक्टर, ड्यूक, मोंटी कार्लो और कई अन्य स्थानीय उद्यमियों की प्रेरणादायक उदाहरण हैं। पंजाब के दरवाजे सभी निवेशकों के लिए खुले हैं और हम आँखें बिछाकर उनका स्वागत करते हैं। हमारी नीतियां लचीली हैं और उद्योग की जरूरतों को पूरा करने के लिए तैयार की गई हैं। मैं आप सभी को यहां निवेश करने, पंजाबियों के लिए नौकरियां पैदा करने और पंजाब को सफलता की नई कहानी लिखने में मदद करने की अपील करता हूं। पंजाब सरकार हुनर शिक्षा और प्रशिक्षण को उद्योग की जरूरतों से जोड़ रही है ताकि पंजाब में हुनरमंद मानव शक्ति का मजबूत पूल बनाया जा सके। उद्योग को जो भी मानव शक्ति चाहिए, सरकार यह यकीन बनाएगी कि युवाओं को जरूरी प्रशिक्षण मिले। इससे रोजगार के मौके पैदा होंगे और राज्य में आर्थिक विकास तेज होगा। देश-विदेश से पहुंचे कारोबारियों का स्वागत करते हुए भगवंत सिंह मान ने आगे कहा, मैं गुरुओं, संतों-महापुरुषों और पीरों की धरती पर सभी कारोबारियों का स्वागत करता हूं। हमें आज हमारे बीच ऐसी ऊंची शख्सियतों का मान हासिल है। पंजाब, देश के सबसे अनुकूल निवेश स्थानों में से एक है और हम निवेशकों को सुविधा देने में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। हमारा दृष्टिकोण पंजाब को मोहरी औद्योगिक हब बनाने के लिए सरकार और उद्योग के बीच मजबूत भागीदारी बनाना है। उद्यमियों से अपील करते हुए पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, उद्यमी हर किसी के लिए प्रेरणा का स्रोत हैं और वे उन अवसरों का प्रतिनिधित्व करते हैं जिन्हें पंजाब और भारत के युवा हासिल करना चाहते हैं। चाहे हम सार्वजनिक, निजी या गैर-लाभकारी क्षेत्रों में काम करते हों, हममें से प्रत्येक की जिम्मेदारी है कि हम अपने देश, समाज और परिवारों के लिए, अपनी उम्मीदों और आकांक्षाओं को पूरा करें। यह सम्मेलन केवल समझौतों पर हस्ताक्षर करने के बारे में नहीं है, बल्कि ज्ञान साझा करने, विचार-विमर्श करने और एक-दूसरे से सीखने के बारे में भी है। भविष्य के दृष्टिकोण पर बोलते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि पंजाब सरकार ने ऐसा रास्ता चुना है जो आर्थिक विकास को तेज़ कर पंजाब के भविष्य को उज्ज्वल बनाएगा। उन्होंने कहा, मैंने देखा है कि पंजाब की युवा पीढ़ी जीवन में कुछ बड़ा हासिल करना चाहती है। वे स्वभाव से ऐसे हैं जो अलग-थलग रहकर नहीं रह सकते। मुझे पूरा विश्वास है कि परमात्मा ने मुझे पंजाब का नेतृत्व करने का यह अवसर इसलिए दिया है ताकि हम अपने लोगों के जीवन में सार्थक परिवर्तन ला सकें। नवाचार और प्रौद्योगिकी को रेखांकित करते हुए उन्होंने कहा, पंजाब अब नवाचार और तकनीक से प्रेरित उद्यमिता की नई संस्कृति की ओर परिवर्तन के दौर में है। राज्य के युवा नए विचारों और नवाचारों के साथ सामने आ रहे हैं और उनका समर्थन करना हमारी जिम्मेदारी है। हम इस दिशा में कोई कसर नहीं छोड़ रहे। विश्वस्तरीय बुनियादी ढांचा, उत्कृष्ट सप्लाई व्यवस्था, प्रमुख शैक्षणिक संस्थान और सहायक सरकारी नीतियां मिलकर पंजाब को वैश्विक स्तर पर सबसे पसंदीदा निवेश स्थलों में से एक बनाती हैं। उद्योगपतियों का धन्यवाद करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, मैं पंजाब की विकास यात्रा का हिस्सा बनने के लिए सभी व्यापारिक नेताओं का आभार व्यक्त करता हूं। हमारी सरकार पंजाब को दुनिया के प्रमुख औद्योगिक और निर्यात केंद्र में बदलने के लिए प्रतिबद्ध है। भारत सरकार द्वारा कराई गई 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' रैंकिंग में पंजाब शीर्ष प्रदर्शन करने वाले राज्यों में शामिल है। पंजाब सरकार के एकीकृत नियामक 'इनवेस्ट पंजाब' को भारत सरकार द्वारा शीर्ष प्रदर्शन करने वाली निवेश प्रोत्साहन एजेंसियों में से एक के रूप में मान्यता दी गई है। सुशासन की कार्यप्रणाली का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा, हमारी सरकार पंजाब के लिए समग्र आर्थिक और वित्तीय सफलता चाहती है। मेरा दृढ़ विश्वास है कि हमारे विकास के स्तंभ सुशासन, डिजिटलीकरण, निर्णायक नेतृत्व, पारदर्शिता और संवेदनशीलता हैं। पंजाब की समृद्ध विरासत और संस्कृति के साथ ये सभी तत्व मिलकर दुनिया भर के निवेशकों के लिए यहां तेज़ी से विकास करने का अनुकूल वातावरण तैयार करते हैं। मैं उद्योग जगत के सभी नेताओं का पंजाब में निवेश करने के लिए स्वागत करता हूं। दुनिया इस समय चुनौतीपूर्ण दौर से गुजर रही है, लेकिन हमें यह मानना चाहिए कि हममें से प्रत्येक के पास सकारात्मक योगदान देने की क्षमता है और यही इस सम्मेलन का उद्देश्य है। अपने संबोधन का समापन करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, भविष्य हम सभी की साझा जिम्मेदारी है। पंजाब शायद दुनिया का एकमात्र ऐसा प्रदेश है जिसके लोगों की मौजूदगी दुनिया भर में है, क्योंकि पंजाबी जहां भी जाते हैं, ऊंचाइयों को छूते हैं। पंजाबी कड़ी मेहनत करने और सफल होने की अद्भुत भावना रखते हैं। वे जहां भी जाते हैं, अपनी पहचान छोड़ते हैं। पंजाब का अर्थ है कारोबार और मैं उद्योग जगत के नेताओं को आमंत्रित करता हूं कि वे एक समृद्ध भविष्य बनाने के लिए सरकार के साथ हाथ मिलाएं। इस दौरान 'आप' के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा, पंजाब गुरुओं और पीरों-पैगंबरों की धरती है, जिन्होंने ऐसे संदेश दिए जो सदियों से न केवल पंजाब बल्कि पूरे देश और दुनिया को प्रेरित करते रहे हैं। पंजाब मेहनती लोगों की भूमि है। जब भी देश को अनाज का संकट आया, पंजाब के मेहनती किसानों ने अपनी मेहनत से यह सुनिश्चित किया कि देश को भोजन मिले और देश का पेट भरे। उन्होंने कहा, पंजाब देशभक्तों की भूमि भी है। आज़ादी के संघर्ष में पंजाबियों ने सबसे अधिक बलिदान दिए और आज भी आपको हमारी सशस्त्र सेनाओं में सेवा करने वाले सबसे अधिक पंजाबी मिलेंगे। पंजाब उद्यमियों और व्यापारियों की भूमि भी है। उद्यमिता की भावना पंजाबियों के खून में दौड़ती है। मज़ाक में यह भी कहा जाता है कि यदि एक दिन इंसान चांद पर रहने लगे तो वहां सबसे पहले 'पंजाबी ढाबा' खुलेगा। पंजाब की आर्थिक पृष्ठभूमि का उल्लेख करते हुए अरविंद केजरीवाल ने आगे कहा, साल 1980 के दशक में एक समय ऐसा था जब प्रति व्यक्ति आय के मामले में पंजाब देश में पहले स्थान पर था। आर्थिक रूप से पंजाब पूरे देश में सबसे विकसित और प्रगतिशील राज्य था। लेकिन पिछले 40 वर्षों में पंजाब धीरे-धीरे 18वें स्थान पर पहुंच गया। जब हमने 2022 में सरकार की जिम्मेदारी संभाली, उस समय माहौल काफी निराशाजनक था और उद्योग पंजाब से पलायन कर रहा था। उद्योग मध्य प्रदेश, हिमाचल प्रदेश और उत्तर प्रदेश की ओर जा रहे थे। पंजाब की आर्थिक स्थिति बहुत खराब थी और राज्य भारी कर्ज के बोझ तले दबा हुआ था। उसी परिस्थिति में हमने पंजाब की कमान संभाली। अपनी पार्टी द्वारा अपनाए गए दृष्टिकोण के बारे में बताते हुए 'आप' प्रमुख अरविंद केजरीवाल ने कहा, मैं आम आदमी पार्टी को केवल एक पार्टी या एक राजनीतिक शुरुआत नहीं मानता, बल्कि उद्योग की भाषा में यह एक 'यूनिकॉर्न' है। आम आदमी पार्टी ने पिछले कुछ वर्षों में जो प्रगति की है, वह अद्भुत है। इसे केवल 10 से 12 साल हुए हैं और इतने कम समय में आम आदमी पार्टी एक राष्ट्रीय पार्टी बन गई है। आम आदमी पार्टी युवाओं और शिक्षित लोगों की पार्टी है। हमारी पार्टी में आपको आईआईटी इंजीनियर, आईआईएम मैनेजर, चार्टर्ड अकाउंटेंट, ऑक्सफोर्ड से पढ़े-लिखे लोग, वकील और पत्रकार मिलेंगे। इसलिए जब भी कोई समस्या आती है, हम उसका वैज्ञानिक तरीके से विश्लेषण करने की कोशिश करते हैं। उन्होंने आगे कहा, जब हमने पंजाब में सरकार की बागडोर संभाली और हर तरफ निराशा का माहौल देखा, तो हमने यह समझने की कोशिश की कि वे देश जो कभी भारत से पीछे थे, आज इतनी तेजी से कैसे आगे बढ़ गए। उदाहरण के तौर पर साउथ कोरिया , जापान , जर्मनी , सिंगापुर और चाइना को ही ले लीजिए। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद जापान और जर्मनी पूरी तरह तबाह हो गए थे, फिर भी आज वे दुनिया के सबसे विकसित देशों में शामिल हैं। जब सिंगापुर आज़ाद हुआ था, तब उसके पास लगभग कुछ भी नहीं था और उसकी हालत बहुत खराब थी। उस समय सिंगापुर हमसे बहुत पीछे था, लेकिन आज वह दुनिया में सबसे अधिक प्रति व्यक्ति आय वाले देशों में शामिल है। कोरियाई युद्ध के बाद दक्षिण कोरिया की स्थिति भी बहुत भयावह थी, लेकिन आज वह भी दुनिया के सबसे विकसित देशों में गिना जाता है। कुछ दशक पहले चीन भारत से बहुत पीछे था, लेकिन आज चीन दुनिया की सबसे बड़ी आर्थिक शक्तियों में से एक बन गया है। इन उदाहरणों से मिले सबकों का जिक्र करते हुए अरविंद केजरीवाल ने कहा कि इन देशों के अध्ययन से दो महत्वपूर्ण बातें सामने आईं, जिनसे हमने प्रेरणा ली। पहली यह कि उन्होंने अपने उद्योगपतियों के साथ बैठकर चर्चा की कि बड़े पैमाने पर औद्योगिक विकास सुनिश्चित करने के लिए क्या किया जाना चाहिए। उनसे पूछा गया कि उद्योगों की क्या जरूरतें हैं, लोगों को क्या चाहिए और कारोबार करने वालों को क्या सुविधाएँ चाहिए। यदि 4 या 5 प्रतिशत से कहीं अधिक तेज़ औद्योगिक विकास चाहिए, तो उसके लिए क्या कदम उठाने होंगे।

सार्वजनिक सूचना

आम जनता को सूचित किया जाता है कि हमारी क्लाइंट, निवास हाउसिंग फाइनेंस में शाहनाज खान ने,नई दिल्ली के पीतमपुरा में होम लोन के लिए (जिसे पहले इंडोस्टार होम फाइनेंस प्राइवेट लिमिटेड के नाम से जाना जाता था) से संपर्क किया है। यह उल्लेख करना आवश्यक है कि दस्तावेजों की श्रृंखला में, दिनांक 12.01.1998 की एक पंजीकृत बिक्री विलेख (Sale Deed) है। यह विलेख श्री जफरेल (पुत्र श्री रहमत) द्वारा श्रीमती राजेश्वरी उर्फ फातिमा खान (पत्नी स्वर्गीय श्री रज्जन खान उर्फ राजेश्वर खान) के पक्ष में निष्पादित किया गया था। यह विलेख प्लॉट संख्या 278, 279 (क्षेत्रफल 100 वर्ग गज) और प्लॉट संख्या 289 व 299 (क्षेत्रफल 100 वर्ग गज), खसरा संख्या 1293min से संबंधित है। इसका पंजीकरण दस्तावेज संख्या 169, पुस्तक संख्या 1, खंड संख्या 4642, पृष्ठ संख्या 163-166 पर स्त्रह्न-गाजियाबाद में दर्ज है। यह दस्तावेज अब उपलब्ध नहीं है / कहीं खो गया है। और उक्त संपत्ति, जिसमें 200 वर्ग गज क्षेत्रफल का एक आवासीय मकान शामिल है (प्लॉट संख्या 278, 279, 298 और 299; खसरा संख्या 1293min; ग्राम दासना क्षेत्र, परगना दासना, तहसील व जिला गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश, भारत), को नई दिल्ली के पीतमपुरा में होम लोन के लिए निवास हाउसिंग फाइनेंस (पूर्व नाम- इंडोस्टार होम फाइनेंस प्राइवेट लिमिटेड) के पास गिरवी रखा जा रहा है। यदि कोई भी व्यक्ति (जिसमें बैंक, वित्तीय संस्थान, या कोई अन्य पक्ष शामिल हैं) उक्त संपत्ति या उसके किसी भी हिस्से के संबंध में या उसके विरुद्ध विरासत, हस्तांतरण, गिरवी, प्रभार (charge), कब्जा, धारणाधिकार (lien) या किसी अन्य माध्यम से कोई दावा (जैसे खसरा संख्या पर आपत्ति), मांग, अधिकार या हित रखता है, तो उसे इस सूचना के प्रकाशन की तारीख से 7 दिनों के भीतर, आवश्यक दस्तावेजी साक्ष्यों के साथ, लिखित रूप में इसकी जानकारी देना अनिवार्य है। ऐसा न करने पर, संबंधित व्यक्ति/व्यक्तियों के उक्त दावे (यदि कोई हों) को स्वतः ही त्याग दिया गया और निस्तारित मान लिया जाएगा।

सुश्री रानी शिल्पी (अधिवक्ता)
कार्यालय पता- मकान नंबर टी/181, यूजीएफ, शूकर बाजार, उत्तम नगर, नई दिल्ली-110059
मोबाइल - 9717780057.

सार्वजनिक सूचना

यह सूचित किया जाता है कि श्री राज कुमार एवं श्रीमती कुसुम द्वारा श्री सोनू कुमार से मकान संख्या 15 क्रय करने का प्रस्ताव है, जो पुराना प्लॉट संख्या 69 के एक भाग पर निर्मित है, जिसका क्षेत्रफल 67 वर्ग गज है, जो खसरा संख्या 349 में स्थित है। उक्त संपत्ति गली संख्या 7, सिद्धार्थ विहार, ग्राम मवाई क्रिश्चियन नगर, बग्गू, परगना लोनी, तहसील एवं जनपद गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश के क्षेत्र में स्थित है। राजस्व अभिलेखों के अनुसार उक्त सम्पूर्ण संपत्ति के मूल स्वामी श्री बिमल एवं श्री रोहताश थे, जिन्होंने दिनांक 16.02.1990 को पंजीकृत जी.पी.ए., ए.टी.एस. एवं वसीयत के माध्यम से उक्त संपत्ति श्री धनुवा सिंह को हस्तांतरित की। तत्पश्चात श्री धनुवा सिंह ने दिनांक 01.08.1992 को पंजीकृत जी.पी.ए., ए.टी.एस. एवं वसीयत के माध्यम से उक्त संपत्ति श्री सतपाल सिंह को हस्तांतरित की। इसके बाद श्री सतपाल सिंह ने दिनांक 10.03.1997 को पंजीकृत जी.पी.ए., ए.टी.एस. एवं वसीयत के माध्यम से उक्त संपत्ति श्रीमती शीला देवी को हस्तांतरित की। दुर्भाग्यवश श्रीमती शीला देवी का दिनांक 13.10.2013 को निधन हो गया, जिनके पश्चात उनके वैधानिक उत्तराधिकारी श्री सुनील कुमार एवं श्री सोनू कुमार हैं। बाद में श्री सुनील कुमार ने दिनांक 20.11.2023 को उपहार विलेख (Gift Deed) के माध्यम से उक्त संपत्ति में अपने हिस्से को अपने भाई श्री सोनू कुमार के पक्ष में हस्तांतरित कर दिया। परिणामस्वरूप श्री सोनू कुमार उपरोक्त संपत्ति के पूर्ण स्वामी बन गए। कृपया ध्यान दें कि श्रीमती शीला देवी के नाम से SMC (जीवित सदस्य प्रमाण पत्र) चेन दस्तावेजों में उपलब्ध नहीं है। यह भी पुष्टि की जाती है कि उक्त संपत्ति किसी भी प्रकार के वाद-विवाद, बंधक, ऋणभार, चार्ज या दावे से मुक्त है। कृपया यह भी नोट किया जाए कि उक्त संपत्ति को वास्तु हाउसिंग फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड, नोएडा शाखा, उत्तर प्रदेश द्वारा वित्तपोषित किया जाना प्रस्तावित है। यदि किसी व्यक्ति को उपरोक्त संपत्ति के संबंध में कोई आपत्ति हो, तो कृपया इस सूचना की तिथि से 07 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति लिखित रूप में प्रस्तुत करें। उक्त आपत्ति नीचे दिए गए पते पर पंजीकृत डाक के माध्यम से एवं ई-मेल द्वारा अधोहस्ताक्षरी को भेजी जा सकती है। यदि निर्दिष्ट अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होती है, तो उक्त संपत्ति के संबंध में कोई भी दावा अमान्य और निष्प्रभावी माना जाएगा।

[अश्वनी कुमार] अधिवक्ता
चेंबर संख्या 122, तहसील परिसर, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश
ईमेल-
kumarw®wvashwani@gmail.com

PUBLIC NOTICE

Information is hereby given to the general public that our client Mr. Vinod Kumar S/o Late Mr. Bhopal Singh is the owner and in possession of a Freehold Residential Built-up House admeasuring 60 Sq. Yards (i.e., 50.166 Sq. Meters) out of Khasra No. 1628, situated at Mohalla Noorgunj, Waka Village Sarna, Muradnagar, Pargana Jalalabad, Tehsil Modinagar, District Ghaziabad, Uttar Pradesh. Our client acquired the said property by virtue of a Gift Deed dated 26.09.2023, registered vide Document No. 15834, Volume No. 14797, Book No. 1, Pages 57-74, at the office of Sub-Registrar, Modinagar, Ghaziabad. In the chain of documents, the Surviving member Certificate of Late Mr. Bhopal Singh, who expired on 27.07.2017, is not available, Therefore, our client hereby declares that except him, no other person has any right, title, interest, claim or objection in respect of the above-mentioned property. The said property is presently financed / mortgaged with Piramal Finance Ltd., Branch: Pitampura, New Delhi. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained

[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211, Sector-3,
Vaishali, Ghaziabad,
Uttar Pradesh-201010
(Contact at 09958871432)

NAME CHANGE

I YAQUB S/O ATRU R/O LOHINGA KALAN (165) MEWAT LOHINGA KALAN HARYANA 122508 have changed my name to MOHD YAKUB Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE

I SANDEEP KUMAR JAIN S/O VIJENDRA KUMAR JAIN R/O,D-30 DAKSHINPURI DR. AMBEDKAR NAGAR PUSHPA BHAWAN DELHI-110062 have changed my name to SANDEEP JAIN Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE

I KAVITA W/O VINOD SINGH NAYAL R/O 72 C/2, BLOCK E,PHASE 1 JAI VIHAR NAJAFGARH DELHI-110043 have changed my name to KAVITA NAYAL Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE

I DINESH SINGH S/O ANUP SINGH R/O PLOT NO -34 , GALI NO -12 BLOCK F SIDDHARTHI ENCLAVE BHAGWATI GARDEN EXTN MOHAN GARDEN UTTAM NAGAR DELHI-110059 have changed my name to DINESH SINGH BISHT Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE

I, Mohd Nadeem S/o Peer Mohammad R/o HOUSE NO 39, STREET NO 2/3 3RD PURSTA, USMAN PUR, Delhi - 110053 have changed my name to Nadeem.

NAME CHANGE

I, DALIP SINGH S/O CHANDRIKA SINGH R/O H NO.175, KANCHAN PARK MUKHIYA GATE, LONI, LONI DEHAT, GHAZIABAD UP - 201102, have changed my name to DILIP SINGH permanently

NAME CHANGE

I, DEEPAK KUMAR S/o Arjun Rajput R/o A-206, Krishna Appartment, Sector-60, Kundli, Haryana, have changed my name to DEEPAK RAJPUT permanently

Public Notice

This is for information of General Public that my client Mrs. Sushma Sharma who is the owner of Property as Residential Entire Second Floor, with roof/terrace rights, built on Plot No. 4118, area measuring 235 Sq. Yds., in the Project Known as "INDERPRASTHA EXTENSION" Situated at Ownership No. 9, T.P. Scheme No. 3(Part-1), Sector-49, Faridabad forming Part of Khasra No. 36/1/1, 361/2, 360/1, 360/2, 366, 367, 368, Min, in the revenue estate of Village Nawada Koh, Tehsil and District, Faridabad, Haryana. who has lost Original Sale Deed dated 03.11.2010 executed by M/s. Kundan Lal Khanna & Son in favour of Mrs. Sushma Sharma, In case anybody finds the above said document and any person having any claim/s in respect of the above said property in any manner whatsoever are hereby required to give notice of the same to the undersigned at the address given below within 10 days from the date of publication hereof together with copies of documents on the basis of which such claim be deemed that there is no claim against the said property.

RAJESH K GUPTA
Advocate
F-42/43, Dilshad Colony,
Delhi- 110095,
8882766856,
rlegalloan@gmail.com

NAME CHANGE

I, MAHADEV, is legally father of No. 2808298X, Rank – NK, Name – BHANUSE BALKRISHNA MAHADEV, presently residing At - MALGAON, Post - MALGAON,Teh – MIRAJ, Dist – SANGLI (MAHARASHTRA) – 416407, have changed my name from MAHADEV to MAHADEV APPA BHANUSE and my date of birth from 03/07/1960 to 17/10/1961 for all future purposes. Vide affidavit dated 12/03/2026 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE

I, BHARTI, is legally mother of No. 2808298X, Rank – NK, Name – BHANUSE BALKRISHNA MAHADEV, presently residing At-MALGAON, Post- MALGAON,Teh – MIRAJ, Dist – SANGLI (MAHARASHTRA) – 416407, have changed my name from BHARTI to BHARATI MAHADEV BHANUSE and my date of birth from 01/09/1966 to 23/08/1965 for all future purposes. Vide affidavit dated 12/03/2026 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE

I, KANCHAN, is legally spouse of No. 2808298X, Rank – NK, Name – BHANUSE BALKRISHNA MAHADEV, presently residing At-MALGAON, Post- MALGAON,Teh – MIRAJ, Dist – SANGLI (MAHARASHTRA) – 416407, have changed my name from KANCHAN to KANCHAN BALKRISHNA BHANUSE for all future purposes. Vide affidavit dated 12/03/2026 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE

I, CHARANJEET SINGH KOHLI S/O MANJEET SINGH residing at B-243, JHILMIL COLONY, DELHI-110095, have changed my name to CHARANJEET SINGH for all future purposes.

NAME CHANGE

I Uttam Rawat S/O Budhi singh R/O H1-134,2nd floor, sec16, Rohini, Delhi-110089,have changed my name from Uttam Rawat to Uttam Singh Rawat for all future purpose.

NAME CHANGE

I Yeshavati W/o Tilaka Singh R/o 60, Nawal Surajpur, Meerut, Uttar Pradesh - 250104, have changed my name to Messo Devi.

NAME CHANGE

I Poonam W/o Nikhil Kumar R/o 28 Extension-1B, Nangloi, Nangloi, West Delhi, Delhi 110041 have changed my name to Poonam Garg for all future purposes.

NAME CHANGE

I, Dhara Singh S/o Ladu Ram Choudhary R/o Village Udaipuriya, Post-Chandlai, Tehsil-Chaksu, District-Jaipur, Rajasthan - 303903, have changed my minor son's name from Aditya Choudhary Aged 07 Years to Lakshit Choudhary forever.

NAME CHANGE

I, Rajesh Kumar Bisht S/o Har Singh R/o Near Joshi Cyber Cafe, Om Parvat Vihar Nandpur Kathaghriya, Haldwani, Nainital, Uttarakhand - 263139, have changed my minor son's name from Dakshit Bisht Aged 03 Years to Ashish Bisht forever.

सार्वजनिक सूचना

मेरे मुवक्किल श्याम सुंदर पुत्र श्री रमेश चंद निकासी 4/1, गली न. 7 ओल्ड गुरुद्वारा, मौजपुर, दिल्ली नॉर्थ पूर्वी दिल्ली-110053 अपने पुत्र तुषार गोयल, व उसकी पत्नी सोनम गर्ग को उनके बुरे बर्ताव के कारण अपनी चल व अचल संपत्ति से बेदखल कर रहा हूँ और भविष्य मे इनसे मेरा इनसे किसी भी प्रकार का लेन देन व काम से कोई लेना देना नहीं होगा।

DR.RADHA PARIHAR & ASSOCIATES
Advocate
D-603, 6th Floor, Lawyer's Chamber Block, Karkardooma Court, Delhi-110032

PUBLIC NOTICE

NOTICE is hereby given to public at large that my client **MR. RAJENDER** is the owner of Plot of land area measuring 2 Bigha 7 Biswa, pertaining to the Khasra No. 195/29 (1- 3), P 30(1-4) Situated in Ext. Lal Dora of Village Kakrola, South West Delhi, vide Relinquishment Deed dated 11-02-2026 which is registered as Doc. No. 2026/16/I/2365 , in Book No. I, Volume No. 16240, Page Nos. 81-92 on 18-02-2026 (SRO-Kapashera) and Intend to mortgage the said property with **Cholamandalam Investment and Finance Company Limited.** That the SMC of Late Mrs. Sunita w/o Anup Singh is not available. If any person(s) has/have any objection(s) or claim(s) with respect to the right, title or interest in the said property may please contact us within 07 days from the date of this notice on the number & address mentioned herein below, failing which my client(s) shall not be held responsible in any manner whatsoever.

Khaitan & Khaitan
Plot No. 100 ,1st floor
Okhla Phase III, New Delhi
Ph. No: 011-49774545

सार्वजनिक सूचना

मेरे मुवक्किल तहजिब बेगम पत्नि स्व नफीस अहमद पता- आर-113, गली नं. 20, ब्रह्मपुरी वी टी सी- शाहदरा,भजनपुरा, नॉर्थ ईस्ट, दिल्ली-110053 ने अपने सगे बेटों वसीम अख्तर उर्फ मोहम्मद वसीम उम्र 42 वर्ष इनकी पत्नि हिना व उनके बच्चो एवं दुसरे बेटे मोहम्मद अजहर उम्र 32 वर्ष इनकी पत्नि नेहा व इनके बच्चो को उनके गलत आचरण के कारण अपने समस्त सम्बन्ध विच्छेद कर लिए है तथा मेरे मुवक्किल की चल व अचल सम्पत्ति पर अब इनका कोई अधिकार नहीं है तथा भविष्य में इनके द्वारा किए गए किसी भी कृत्य के लिए मेरे उपरोक्त मुवक्किल जिम्मेदार नहीं होगे। यदि उनसे कोई भी व्यक्ति किसी भी प्रकार का कोई लेन-देन करता है तो वह उसके लिए स्वयं जिम्मेदार होगा।

Nadeem Hussain Advocate
CH. NO. F-714, LAWYERS CHAMBER BLOCK, KARKARDOOMA COURTS, DELHI-110032

NAME CHANGE

I. Mansi Pasrija wife of Sanjay Kumar Gupta R/o Flat No. A-503, 5th floor, Climax CGHS Ltd, Balaji Apartment, Sector-14, Rohini, Delhi-110085, hereby declare that Mansi Pasrija and Mansi Both names are of one and the same person.

NAME CHANGE

I. Sanjay Kumar son of Late Shri Rambilas Gupta R/o Flat No. A-503, 5th floor, Climax CGHS Ltd, Balaji Apartment, Sector-14, Rohini, Delhi-110085, hereby declare that Sanjay Kumar and Sanjay Kumar Gupta Both names are of one and the same person.

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I, ANKUR S/O RAM DULAR GUPTA R/O A-163, GALI NO. 6, MADHU VIHAR, WEST DELHI, DELHI-110059 declare that name of my mother has been wrongly written as MALTI DEVI in my 10th and 12th class educational documents. The actual name of my mother is KARUDA DEVI, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I MOHAMMAD MEHEDI AKHTAR S/O MOHAMMAD AKHTAR MIRZA R/O RZ-50 B NEAR GADWAL BHAWAN, HANS PARK WEST SAGAR PUR DELHI - 110046 have changed my name to MOHD MEHEDI MIRZA Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE

I,MANILA BHATNAGAR W/O Manish Kumar R/o 2223 Gali Kakwan, Shora Kothi Subzi Mandi Malka Ganj North Delhi-110007, have changed my name to MANILA SRIVASTAVA Permanently

PUBLIC NOTICE

Information is given to general public at large that our client Mr. Sanjay S/o Late Mr. Babu Ram is the owner of Freehold land area measuring 2 Bigha 12 Biswe 5 Biswansi., out of Khata No. 120, Khasra No. 99 Situated in the area Village Ilaichipur, Pargana Loni, Tehsil & Distt. Ghaziabad, U.P. by virtue of Sale Deed dated 19.03.2002, As Doc No. 4374, Vol No. 1684 Book No. 1 on Pages 255-259 on dated 19.03.2002 in SR- IV, Ghaziabad. Same has been lost and online FIR Reference So no. 430/2014 LR no. 3439215/2025 dated 18.12.2025 Crime Branch Delhi is also available now our client is declaring that that any other person does not have any right over the said property, and Plot area measuring 100 Sq. Yds., will be Sale to Mrs. Madhu W/o Mr. Sonu and same will be finance by Roha Housing Finance Pvt. Ltd. Branch: 2nd Floor, A-45, Block A, Sector 4, Noida, Uttar Pradesh - 201 301. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained

[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211, Sector-3,
Vaishali, Ghaziabad,
Uttar Pradesh-201010
(Contact at 09958871432)

NAME CHANGE

I, KHUSHBOO KUMARI D/O SANTOSH KUMAR SHARMA R/O FLAT A111 SATGURU APARTMENT SECTOR-52 GURGAON HARYANA-122003, HAVE CHANGED MY NAME TO KHUSHABOO KUMARI SHARMA ALL FUTURE PURPOSE

NAME CHANGE

I, RAHUL S/O TEJ SINGH R/O HOUSE NO-59/23,LAXMI GARDEN, ADAMPUR (90), GURGAON, HARYANA-122001, HAVE CHANGED MY NAME TO RAHUL KUMAR FOR ALL FUTURE PURPOSES

PUBLIC NOTICE

NOTICE is hereby given to public at large that my client **Tilak Raj** is purchasing the Built Up property bearing no. RZ-3/230, on Plot no. 03, admeasuring 100 Sq. Yards, out of Khasra no. 230 & 235, situated at Revenue estate of village Nasirpur, Delhi, Colony Known as West Sagarpur, New Delhi 110046, from Mr. Dharam Bir and Mrs. Manju who are the owner of the abovementioned property vide Relinquishment Deed dated 21.05.2025 which is registered as doc. no. 2025/16/I/7157,on 26.05.2025, SROIX-Kapashera, Delhi & Gift Deed dated 21.06.2025 which is registered as doc. no. 2025/16/I/8459, book no.1, Vol. no. 15162, Page no. 01 to 20, on 21.06.2025, SRO-South West Kapashera and Intend to mortgage the said property with **Aditya Birla Housing Finance Ltd.** If any person(s) has/have any objection(s) or claim(s) with respect to the right, title or interest in the said property may please contact us within 07 days from the date of this notice on the number & address mentioned herein below, failing which my client(s) shall not be held responsible in any manner whatsoever.

Khaitan & Khaitan
Plot No. 100 ,1st floor
Okhla Phase III, New Delhi
Ph. No: 011-49774545

NAME CHANGE

I, PAVNI PRUTHII D/O RAJA PRUTHI residing at FLAT NO-1904 TOWER-C ISLE-DE-ROYAL RESIDENCES GWAL PAHARI GURGOAN HARYANA-122003 , have changed my name to PAVNI PRUTHI for all future purposes.

NAME CHANGE

I, NO-15806014K Rank-NK (DS) Name-AZAD SINGH legal father of DAKSHY residing at VILL-SUPANA, PO-KOSI KALAN, TEHSIL-CHHATA, DIST-MATHURA, UTTAR PRADESH-281403, have changed my minor son's name from DAKSHY to DAKSH for all future purposes vide affidavit dated 13/03/2026 Before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, BRAHAM PARKASH S/O KURE RAM residing at B-50, B-BLOCK, NANGAL DEWAT, VASANT KUNJ, NEW DELHI-110070, have changed my name to BRAHAM PRAKASH for all future purposes.

NAME CHANGE

I GITABAHEN legally wife of Army No 2803522P, Rank -Hav Name - Makawana Anvarsinh Jalusinh, At - Gadhada , Post - Agood, Tes -Vijapur, Dist - Mahesana, State - Gujart, Pin -382870 have changed my name from GITABAHEN to MAKAWANA GITABEN ANVARSINH for all future purposes. Vide affidavit dated 11/03/2026 before Notary Delhi.

NAME CHANGE

I, SALTANAT ZEBA D/O MOHAMMAD TABISH residing at H NO 3809, GALI KUMAHARAN, SHAHGANJ, AJMERI GATE, DELHI-110006 have changed my name to SARAH ZEBA for all future purposes.

NAME CHANGE

I, SANDHYA SAJITH wife of No-14666690H, Rank-HAV, Name SAJITH D S residing at AROOR CHIRAYIL, VILL-PATHIYOOR EAST, PO-KEERIKAD, DIST-ALAPPUZHA, KERALA-690508, have changed my name from SANDHYA SAJITH to SANDHYA L for all future purposes vide Affidavit dated 13/03/2026 before Executive Magistrate, Delhi.

NOTICE

TAKE NOTICE THAT Sh. Ishant Kumar S/o. Sh. Vinod Kumar residing at Delhi is the owner of more particularly described in the schedule mentioned hereunder written (hereinafter referred to as 'the said property"), by virtue of Relinquishment Deed dated 17.09.2024, Doc. No. 2024/23/I/7341 executed by Sh. Ishant Kumar S/o. Sh. Vinod Kumar and above mentioned Owners intends to Sell the Said Property to Intended Borrower who intends to mortgage Said property in IDFC FIRST Bank Limited and the said property, free from all charges or encumbrances.

All PERSONS claiming any share, interest or right in the said property or any part thereof by way of sale, transfer, assignment, mortgage, charge, lease, license, lien, tenancy, trust, gift, easement, possession, inheritance or otherwise however are hereby required to make the same known to the undersigned in writing, within(7) Seven days from the date of publication of this notice, with all supporting documents, failing which mortgage over the said property shall be created without reference to all claims if any, and the same shall be deemed to waived/ and or abandoned and will not be binding on my/our clients.

THE SCHDEDULE ABOVE REFERRED TO
(Detail description of the property)

Third Floor, upto Ceiling level, without Roof Rights, Part of Property Bearing No. 1/2578-A, Part of Plot No. 19-B, 20 and 21, Floor area measuring 70 sq. mtrs., out of Khasra No. 2918/1945/105 and 2922/1949/106, 2937/2675/109, Situated in the area of Village Chandrawali alias Shahdara, Delhi-110032.

Address as per Technical: Flat No. 27, Third Floor, without Roof Rights, admeasuring 753 sq. ft., Property No. 1/2578, Gali No. 5, Paras Homes, Ram Nagar, Shahdara, Delhi-110032; Hereinafter referred to as **"said property".**

Boundaries: -
East : Gali 8 Ft. wide
West : Road 18 Ft. Wide
North : Plot No. 22
South : Plot No. 19-A

NEW DELHI
DATE: 13/3/2025

PRAGYA BHUSHAN ADVOCATE
Enrl. No. D/721/02
Office: L-27,GF, Kailash Colony, New Delhi-48
Mob.: 9968006418

यात्रीगण कृपया ध्यान दें!
विशेष रेलगाड़ी – 2026

रेलयात्रियों की सुविधा के लिए उत्तर रेलवे द्वारा विशेष रेलगाड़ी सं. **04432** आनंद विहार (टर्मिनल) – टाटानगर जं. एक्सप्रेस संचालित करने का निर्णय लिया गया है। इस रेल सेवा की समय–सारणी निम्नानुसार है:–

रेलगाड़ी सं. 04432 आनंद विहार (टर्मिनल) – टाटानगर जं. विशेष एक्सप्रेस रेलगाड़ी		01 फेरा
स्टेशन	गाड़ी सं. 04432	
	आगमन	प्रस्थान
आनंद विहार (टर्मिनल)	----	05:00
मुरादाबाद	08:15	08:25
बरेली	10:10	10:15
लखनऊ जं.	14:20	14:30
सुलतानपुर	17:10	17:20
वाराणसी	21:40	21:50
पंडित दीन दयाल उपाध्याय जं.	22:40	22:45
भभुआ रोड	23:24	23:26
सासाराम	23:53	23:55
डेहरी ऑन सोन	00:08	00:10
जपला	00:55	00:57
गढ़वा रोड जं.	02:30	02:35
डालटनगंज	03:13	03:15
बरवाडीह जं.	03:43	03:45
लातेहार	04:20	04:22
टोरी	05:15	05:17
बरकाकाना जं.	07:48	07:50
मूरी जं.	08:55	09:00
चाण्डिल जं.	11:50	11:55
टाटानगर जं.	13:00	----

चलने के दिन: **04432 आनंद विहार (ट.)** से दिनांक 16.03.2026 (सोमवार) को।
स्थान: 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., 3 टियर वाता. इकॉनोमी, शयनयान एवं सामान्य श्रेणी।

रेलयात्रियों से अनुरोध है किसी भी जानकारी के लिए कृपया रेलमदद हेल्पलाइन नं. 139 पर सम्पर्क करें अथवा रेलवे की वेबसाइट **https://enquiry.indianrail.gov.in** अथवा **NTES** ऐप देखें।

837/2026 पर हमें फॉलो करें
उत्तर रेलवे
आपकी सुविधा–हमारा ध्येय
हमें www.nr.indianrailways.gov.in पर मिलें
ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तर रेलवे
निविदा सूचना

कार्य का नाम	दिल्ली मंडल के अंतर्गत आनंद विहार डिपो की प्राइमरी–बेस्ड शताब्दी/तेजस/शताब्दी–टाइप/राजधानी/दुरंतो/गतिमान/AC/एक्सप्रेस ट्रेनों में, वॉशिंग लाइन/सिक लाइन पर रखरखाव कार्यों के दौरान और ऑन–बोर्ड इलेक्ट्रिकल एस्कॉर्टिंग ड्यूटी के समय, AC कोचों के ताज़ी हवा और रिटर्न एयर फिल्टर, AC ग्रिल तथा कूलिंग/कंडेंसर कॉइल्स की सफाई का कार्य, तीन वर्षों की अवधि के लिए।
निविदा संख्या	30–विद्युत–11टी–कोचिंग–2025–26
कार्य की अनुमानित लागत (रू0 में)	12,68,02,167.22/- रू0
निविदा फार्म का मूल्य	0.00/–
कार्यालय का पता	वरि0 मण्डल विद्युत अभियंता/कोचिंग, उत्तर रेलवे, नई दिल्ली
बयाना राशि	7,84,000/- रू0
कार्य समाप्ति की अवधि	36 महीने
निविदा जमा करने की अन्तिम तिथि व समय	08.04.2026 को 15:00 बजे तक
निविदा खोलने की तिथि व समय	08.04.2026 को 15:01 बजे
वेबसाइट व नोटिस बोर्ड	**www.ireps.gov.in** व वरि0 मण्डल विद्युत अभियंता/कोचिंग/दिल्ली

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 864/2026

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 84 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता-2023 देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **शाहरुख पुत्र** साकिर, **निवासी** ग्राम सोंधा, थाना–निवाड़ी, जिला–गाजियाबाद (उ0प्र0), ने **FIR No. 415/2016, U/S 33/38/58 Delhi Excise Act, पुलिस स्टेशन मॉडल टाउन, उत्तर–पश्चिम जिला, दिल्ली,** के अधीन दंडनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किया गया गिरफ्तारी के वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **शाहरुख** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **शाहरुख** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **FIR No. 415/2016, U/S 33/38/58 Delhi Excise Act, पुलिस स्टेशन मॉडल टाउन, उत्तर–पश्चिम जिला, दिल्ली,** के उक्त अभियुक्त **शाहरुख** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **22.04.2026** को या इससे पहले हाज़िर हो।

आदेशानुसार
श्री हिमांशु सहलोथ
न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी–03,
कोर्ट नं0–213, उत्तर जिला, रोहिणी कोर्ट, दिल्ली

DP/3129/NW/2026
(Court Matter)

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr.P.C./84 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता–2023 देखिए
मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **सादिक, पुत्रः मोहम्मद शमीम, निवासीः ग्राम सिजवान नगर, थाना विजय नगर, जिला. गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश** ने **FIR No.: 68/2019, Date: 27/01/2019, U/s: 392/411/34 IPC, पुलिस थाना न्यू फ्रेंड्स कॉलोनी, नई दिल्ली** के अधीन दंडनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **सादिक** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **सादिक** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **पुलिस थाना न्यू फ्रेंड्स कॉलोनी, नई दिल्ली** के अभियुक्त **सादिक** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए **दिनांक 15.04.2026** या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
श्री विनोद जोशी
एलडी. एसीजेएम, दक्षिण पूर्व जिला, कमरा नंबर 515,
साकेत कोर्ट, नई दिल्ली

DP/3169/SE/2026

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

मेले व कुश्ती दंगल हमारी संस्कृति और वीरता के प्रतीक : ओमप्रकाश धनखड़

एजेंसी

झज्जर। भारतीय जनता पार्टी के सचिव ओमप्रकाश धनखड़ लडायन गांव में सर्वजातीय 36 जाखड़ खाप के चबूतरे पर आयोजित भव्य कुश्ती दंगल में पहुंचे। उन्होंने बतौर मुख्य अतिथि परंपरा अनुसार पहली कुश्ती के लिए पहलवानों के हाथ मिलवाए और पहलवानों को खेल भावना के साथ मुकाबला करने के लिए प्रेरित किया। दंगल में कई कांटे के मुकाबले हुए। इन मुकाबले का कुश्ती प्रेमियों ने जमकर आनंद लिया। सभी भार वर्गों के मुकाबलों के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम में पहुंचने पर क्षेत्र की सरदारी ने मुख्य अतिथि ओमप्रकाश धनखड़ का जोरदार स्वागत किया। उन्होंने बुद्धों माता मंदिर कमेटी को 51 हजार रूपये का अनुदान दिया। उपस्थित कुश्ती प्रेमियों को संबोधित करते हुए ओमप्रकाश धनखड़ ने कहा कि मेले और कुश्ती दंगल हमारी पुरानी परंपरा है। ऐसे सामूहिक तौर पर आयोजित होने वाले कार्यक्रम युवा पीढ़ी को भाईचारे के साथ मिलजुल कर आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं। हमारी युवा पीढ़ी और खिलाड़ियों को आगे बढ़ने का अच्छा अवसर मिलता है। मेहनत करने से सभी पहलवानों का भविष्य उज्ज्वल होता है। उन्होंने कहा कि दंगल हमारी हरियाणवी संस्कृति, परंपरा और वीरता का प्रतीक है जो युवाओं में खेल भावना, अनुशासन और भाईचारे को मजबूत करता है। ऐसी परंपराएं हमारी संस्कृति और समाज की ताकत हैं। इस अवसर पर क्षेत्र की सरदारी, वरिष्ठ भाजपा नेता संजय कबलाना, ब्लॉक समिति चेयरमैन दीपक कुमार, सूबेदार सुरेंद्र सिंह, धरमवीर सिंह व सतबीर सिंह सहित क्षेत्र के अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

पीएमश्री व मॉडल संस्कृति स्कूलों के शिक्षकों को मिलेंगे पसंद के स्कूल

चंडीगढ़। हरियाणा में चल रहे पीएम श्री और मॉडल संस्कृति विद्यालयों के शिक्षकों को अपनी पसंद के स्कूल मिल जाएंगे। शिक्षा विभाग ने ऑनलाइन ट्रांसफर का कार्यक्रम जारी कर दिया है। ऑनलाइन ट्रांसफर में स्वैच्छिक भागीदारी के लिए 15 से 18 मार्च तक पोर्टल पर आवेदन किया जा सकेगा, जबकि 26 से 28 तक स्कूल अलाट कर दिए जाएंगे। अतिथि अध्यापकों को दूसरे राउंड में ही मौका मिल सकेगा। अतिथि अध्यापक 29 मार्च से एक अप्रैल तक विकल्प भर सकते हैं, जबकि दो से चार अप्रैल तक उन्हें स्कूल अलाट कर दिया जाएगा। सभी सरकारी स्कूलों के शिक्षक पीएम श्री और माडल संस्कृति स्कूल के लिए आवेदन कर सकते हैं, जिन्होंने इसके लिए जरूरी टेस्ट को उत्तीर्ण कर दिया था। शिक्षा विभाग की ओर से 14 मार्च तक पोर्टल पर रिक्त पदों की स्थिति स्पष्ट कर दी जाएगी। इसके बाद रविवार से बुधवार तक इच्छुक टीचर अपनी सहमति पोर्टल पर दर्ज कर सकते हैं। 19 और 20 मार्च को दर्ज करवाई गई सहमति के अनुसार वैकेंसी और सीटों की संख्या पोर्टल पर दर्शाई जाएगी। नियमित शिक्षक 21 से 25 मार्च तक अपनी पसंद का स्कूल पोर्टल पर भर सकेंगे। नियमित शिक्षकों और अतिथि शिक्षकों के लिए भले ही च्वाइस भरने व सेंटर अलाट करने की डेट भले ही अलग-अलग हैं, लेकिन इन्हें रिलीव एक साथ किया जाएगा।

मारे गए श्रमिकों के परिजनों को मिले 20-20 लाख के चेक

गुरुग्राम। सिधरावली गांव में सिग्नेचर ग्लोबल की निर्माणाधीन साइट पर बीते दिनों हुए हादसे में जान गंवाने वाले सात श्रमिकों के परिजनों को गुरुवार को आर्थिक सहायता प्रदान की गई। केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने गुरुवार को यहां पीडब्ल्यूडी विश्राम गृह में परिजनों को 20-20 लाख रुपये के चेक प्रदान किए। साथ ही सभी मृतकों के परिजनों को यात्रा खर्च के लिए 20-20 हजार रुपये की वित्तीय सहायता भी दी।केंद्रीय राज्य मंत्री संजय सेठ ने हादसे को लेकर एक दिन पूर्व हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से बातचीत की। मुख्यमंत्री ने हादसे में जान गंवाने वाले श्रमिकों के परिजनों की हर प्रकार से सहायता का आश्वासन दिया। साथ ही आश्वस्त किया कि हरियाणा सरकार दुख की इस घड़ी में पीड़ितों के साथ खड़ी है। मुख्यमंत्री से बातचीत के उपरांत वे झारखंड के जमशेदपुर से सांसद विद्युत बरन महतो के साथ बुधवार की देर शाम गुरुग्राम पहुंचे और मृतक श्रमिकों के परिजनों से मुलाकात की। उन्होंने हादसे के उपरांत त्वरित कार्रवाई करने व पीड़ित परिवारों की संवेदी भाव से मदद करने के लिए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का आभार भी जताया।

रैपर बादशाह के खिलाफ एकजुट हुए हरियाणा के सिंगर

चंडीगढ़। एक तरफ जहां बालीवुड रैपर बादशाह को 'टटीरी' विवाद में महिला आयोग द्वारा तलब किया गया है वहीं हरियाणवी कलाकारों ने बादशाह को 'टटीरी' के माध्यम से ही जवाब दिया है। बादशाह के मामले की सुनवाई 13 मार्च को पानीपत में होगी। बादशाह का टटीरी सॉन्ग 1 मार्च को रिलीज हुआ था। रिलीज के बाद से ही हरियाणा के कई सामाजिक संगठनों ने इसका विरोध किया था। बादशाह के साथ विवादित गीत में हरियाणवी लोक गायक कर्मवीर फौजी की बेटी सिमरन ने काम किया है। विवाद बढने के बाद अब सिमरन जागलान ने 'टटीरी' गीत को नए ढंग में पेश किया है। इस गीत में सिमरन के साथ उनके पिता कर्मबीर फौजी ने रैप किया है। कर्मबीर फौजी ने रैप में कहा कि जहां बीरो का शर्माना हो और मर्यादा में गाना हो, न आवै कदे उल्हाना हो, ऐसा मेरा हरियाणा हो। इसके साथ ही कैथल की रहने वाली गायिका सुदेश ने भी टटीरी के पुराने वर्जन में लिरिक्स जोड़े हैं। क्यूट रोहिल्ला यूट्यूब चैनल पर असली टटीरी नाम से सॉन्ग रिलीज हुआ। इस गीत में सीधे तौर पर बादशाह को संबोधित करते हुए कहा गया है कि वह टटीरी गीत को गलत तरीके से पेश कर रहे हैं।

गैस, पेट्रोल-डीजल की कोई कमी नहीं, अफवाहों पर ध्यान न दें : डीसी अपराजिता

एजेंसी

कैथल। जिले में एलपीजी गैस, पेट्रोल और डीजल की आपूर्ति पूरी तरह सामान्य है और आम लोगों को घबराने की कोई जरूरत नहीं है। यह बात उपायुक्त अपराजिता ने गुरुवार को लघु सचिवालय के कॉन्फ्रेंस हॉल में संबंधित विभागों के अधिकारियों और गैस एजेंसियों के संचालकों की बैठक के दौरान कही। उन्होंने स्पष्ट किया कि जिले में पहले की तरह ही गैस तथा पेट्रोल-डीजल की आपूर्ति हो रही है और कहीं भी कमी की स्थिति नहीं है। डीसी ने कहा कि इन दिनों गैस बुकिंग के दौरान ओटीपी से जुड़ी तकनीकी समस्या सामने आ रही है, जिसके कारण उपभोक्ताओं को दिक्कत हो रही है। इस समस्या के समाधान के लिए मुख्यालय को अवगत करा दिया गया है और जल्द ही राहत मिलने की उम्मीद है। उन्होंने आमजन से अपील की कि वे किसी भी तरह की अफवाहों पर ध्यान न दें और सरकार व जिला प्रशासन द्वारा जारी निर्देशों पर ही विश्वास करें। बैठक में गैस की उपलब्धता, वितरण व्यवस्था और संभावित मांग को

लेकर विस्तार से चर्चा की गई। डीसी अपराजिता ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिले में एलपीजी गैस, पेट्रोल और डीजल की आपूर्ति हर हाल में सुचारू रखी जाए, ताकि किसी भी नागरिक को परेशानी का सामना न करना पड़े। उन्होंने कहा कि सभी गैस एजेंसियां और पेट्रोल पंप निर्धारित नियमों के अनुसार कार्य करें और किसी भी तरह की कालाबाजारी या अधिक कीमत वसूली न होने दें। डीसी ने जिला खाद्य एवं आपूर्ति विभाग को निर्देश दिए कि वे बाजार में स्टॉक और सप्लाई की नियमित निगरानी करें। यदि कोई व्यक्ति या एजेंसी कालाबाजारी करते हुए पाई जाती है तो उसके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि आवश्यक सेवाओं को व्यवस्थित बनाए रखने के लिए एस्मा लागू है और इसका उल्लंघन करने वालों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। बैठक में गैस एजेंसी संचालकों ने बताया कि जिले में गैस की उपलब्धता पूरी तरह पर्याप्त है। केवल ऑनलाइन बुकिंग के दौरान ओटीपी से जुड़ी तकनीकी समस्या के कारण उपभोक्ताओं को परेशानी हो रही है। इस पर डीसी ने जिला खाद्य एवं आपूर्ति नियंत्रक को निर्देश दिए कि इस समस्या के समाधान के लिए मुख्यालय से तुरंत संपर्क किया जाए। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि एजेंसियां इस बात का विशेष ध्यान रखें कि उपभोक्ताओं से किसी प्रकार की अतिरिक्त राशि न ली जाए।

हरियाणा के राज्यपाल ने दस एंबुलेंस को प्रदेश के लिए किया रवाना

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष ने चंडीगढ़ से दस एंबुलेंस को प्रदेश के लिए रवाना किया। यह एंबुलेस राज्य के औद्योगिक क्षेत्रों में तैनात होंगी। इस अवसर पर राज्यपाल ने नौ अतिरिक्त एम्बुलेंस खरीदने के लिए एक करोड़ रुपये की अनुदान राशि देने की घोषणा भी की। उन्होंने कहा कि हरियाणा रेडक्रॉस मानवीय कार्यों में अपनी एक महत्तवपूर्ण भूमिका निभा रही है। हरियाणा के राज्यपाल के रूप में उनका सपना है कि राज्य के प्रत्येक जिले में रेड क्रॉस सोसाइटी के पास कम से कम एक एम्बुलेंस हो, ताकि हरियाणा रेड क्रॉस सोसाइटी जरूरतमंद लोगों को सेवाएं और त्वरित सहायता उपलब्ध कराने में देश में अग्रणी बन सके। उन्होंने हरियाणा राज्य रेडक्रास के वाइस चेयरमैन अंकुश मिगलानी की संस्था को अग्रणी बनाने के लिए महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाने पर प्रशंसा की। मिगलानी ने हरियाणा राज्य रेडक्रास को 10 नए रोगी वाहन तथा एक करोड रुपये 9 नए रोगी वाहनों के लिए भेंट करने पर राज्यपाल का आभार व्यक्त किया।

जल संरक्षण आधारित कृषि पद्यतियों को बढ़ावा देना जरूरी : प्रो. बीआर कम्बोज

एजेंसी

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में 'उत्तर-पश्चिम भारत में लाभकारी एवं जल-सुरक्षित कृषि परिदृश्यों की ओर संक्रमण को समर्थन देने के सिद्धांत' विषय पर एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय गोलमेज बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में विभिन्न राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय संस्थानों के वैज्ञानिकों, नीति विशेषज्ञों तथा कृषि क्षेत्र से जुड़े प्रतिनिधियों ने भाग लिया। क्षेत्र में जल संसाधनों के संरक्षण के साथ-साथ कृषि को और अधिक लाभकारी बनाने के उपायों पर विस्तृत विचार-विमर्श किया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर कम्बोज बैठक में मुख्य अतिथि रहे जबकि अंतरराष्ट्रीय धान अनुसंधान केन्द्र से डॉ. सुधांशु सिंह ने अध्यक्षता की। अंतरराष्ट्रीय गोलमेज बैठक का आयोजन अंतरराष्ट्रीय धान अनुसंधान केन्द्र व हकृवि द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। इस बैठक में विशेषज्ञों द्वारा दिए गए सुझावों के आधार पर उपरोक्त विषय पर पॉलिसी पेपर तैयार किया जाएगा। कुलपति प्रो. बीआर कम्बोज ने गुरुवार को अपने संबोधन में कहा कि उत्तर-पश्चिम भारत विशेषकर हरियाणा और पंजाब देश की खाद्य सुरक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, लेकिन लगातार गिरता भूजल स्तर भविष्य के लिए गंभीर चिंता का विषय है। उन्होंने कहा कि बदलती जलवायु परिस्थितियों और सीमित प्राकृतिक संसाधनों को देखते हुए कृषि प्रणाली में वैज्ञानिक बदलाव लाना समय की आवश्यकता है। उन्होंने वैज्ञानिकों और नीति निर्माताओं से जल-संरक्षण आधारित कृषि पद्धतियों को बढ़ावा देने तथा किसानों को फसल विविधीकरण के लिए प्रेरित करने पर बल दिया।

एलपीजी सिलेंडर की भारी किल्लत, शादी सीजन में जनता परेशान : भूपेंद्र सिंह हुड्डा

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने देशभर की तरह हरियाणा में रसोई गैस (एलपीजी सिलेंडर) की भारी कमी के लिए बीजेपी सरकार को जिम्मेदार ठहराया है। उन्होंने कहा कि राज्य में घरेलू और कमर्शियल दोनों स्तर पर गैस की आपूर्ति ठप पड़ गई है, जिससे आम जनता का जीवन दूभर हो गया है। गुरुवार को चंडीगढ़ में पत्रकारों से बातचीत में हुड्डा ने कहा कि पहले रसोई गैस की बढ़ती कीमतें और अब सिलेंडर की आपूर्ति की किल्लत से साबित होता है कि भाजपा सरकार आम लोगों की बुनियादी जरूरतों को पूरा करने में पूरी तरह नाकाम साबित हुई है। उन्होंने मांग करी कि हाल में एलपीजी गैस सिलेंडर की कीमतों में हुई वृद्धि को तुरंत वापस लिया जाए और उपभोक्ताओं को समय पर पर्याप्त

गैस सिलेंडर की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। हुड्डा ने केंद्र एवं राज्य सरकार से तुरंत कालाबाजारी पर रोक लगाने, घरेलू व कमर्शियल गैस की सप्लाई सुचारु रूप से बहाल करके जनता को राहत देने की भी मांग की। उन्होंने आगे कहा कि एलपीजी गैस किल्लत का असर हरियाणा समेत उत्तर भारत में भी गहरा गया है। हालात दिनों-दिन बिगड़ते जा रहे हैं। गरीब और मध्यम वर्ग की रसोई पर सीधा हमला हो रहा है। पहले ही रसोई गैस के दाम लगातार बढ़ाकर सरकार ने लोगों को भारी आर्थिक चोट दी और अब गैस सिलेंडर की किल्लत ने लोगों को घंटों लाइन में लगने और कई-कई दिनों तक इंतजार करने को मजबूर कर दिया है। लोगों की शिकायत है कि वाणिज्यिक गैस सिलेंडरों को लेकर परेशानी बढ़ रही है। जमीनी स्तर पर व्यावसायिक एलपीजी सिलेंडरों की उपलब्धता कम होने से कालाबाजारी भी शुरू हो गई है। हरियाणा के लगभग हर जिले में गैस एजेंसियों के बाहर लोगों की लंबी कतार देखी जा रही है। कई जगहों पर ऑनलाइन बुकिंग पूरी तरह बंद हो गई है या बुकिंग होने पर भी सिलेंडर नहीं मिल रहे हैं। गैस एजेंसियों और गोदामों के बाहर लंबी-लंबी कतारें लगी हुई हैं, जहां लोग घंटों इंतजार करने के बाद भी खाली हाथ लौट रहे हैं। शादी-विवाह के मौसम में यह समस्या सबसे ज्यादा परेशान कर रही है। जिन परिवारों में ब्याह चल रहे हैं, उन्हें खाना पकाने, मेहमानों की व्यवस्था करने में भारी दिक्कत हो रही है। कमर्शियल सिलेंडर की सप्लाई पूरी तरह रोक दी गई है, जिसके कारण होटल, रेस्तरां, ढाबे, कैटरिंग और अन्य छोटे-बड़े व्यवसाय ठप पड़ गए हैं या बुरी तरह प्रभावित हुए हैं।

आईडीएफसी फर्स्ट बैंक घोटाला : फर्जी फर्म बनाकर पैसा किया जा रहा था ट्रांसफर

एजेंसी

चंडीगढ़। आईडीएफसी फर्स्ट बैंक घोटाले की जांच में कई बड़े खुलासे हुए हैं। मुख्य आरोपितों द्वारा कई फर्जी कंपनियां बनाकर सरकारी धन को अवैध रूप से विभिन्न खातों में ट्रांसफर किया गया। हरियाणा सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की एडीजीपी चारू बाली तथा एसपी गंगाराम पूनिया ने गुरुवार को पंचकूला मुख्यालय में पत्रकारों से बातचीत में यह जानकारी देते हुए बताया कि प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि सरकारी विभागों के खातों से इसे इन फर्जी कंपनियों के खातों में अनधिकृत रूप से भेजा जाता था। इन कंपनियों में आर.एस. ट्रेडर्ज, कैप को फिनटैक सर्विस, एसआरआर प्लानिंग तथा स्वास्तिक देश प्रोजेक्ट शामिल हैं। एडीजीपी ने बताया कि 23 फरवरी 2026 को एसवी एंड एसीबी थाना पंचकूला में आईडीएफसी फर्स्ट बैंक तथा एयू स्माल फाइनेंस बैंक के अज्ञात कार्मिकों के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 (संशोधित 2018) की धारा 13(2) सहपठित 13(1)(ड्ड) तथा भारतीय न्याय

संहिता, 2023 की धारा 316(5), 318(4), 336(3), 338, 340(2) और 61(2) के तहत मामला दर्ज किया गया था। अब तक की जांच में 8 विभागों के 12 बैंक खातों की संलिप्तता सामने आई है, जिनमें से 10 खाते आईडीएफसी फर्स्ट बैंक, सेक्टर-32 चंडीगढ़ और 2 खाते एयू स्माल फाइनेंस बैंक में संचालित थे। इस मामले में 16 स्थानों पर छापेमारी की गई है। कुछ स्थानों से वीडियो फुटेज भी ली गई है। एडीजीपी ने बताया कि अब तक 11 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है, जिनमें 6 बैंक कर्मचारी, 4 निजी व्यक्ति और एक सरकारी कर्मचारी शामिल हैं। इनमें से 10 आरोपी न्यायिक हिरासत में हैं जबकि एक आरोपी पुलिस रिमांड पर है। इस दौरान संपत्तियों की खरीद से संबंधित महत्वपूर्ण दस्तावेज बरामद किए गए हैं। साथ ही 25 से अधिक मोबाइल फोन, लैपटॉप आदि जब्त किए गए हैं, जिनकी जांच साइबर फॉरेंसिक लैब की सहायता से की जा रही है। इसके अतिरिक्त 3 फॉर्च्यूनर, 2 इनोवा और 1 मर्सिडीज सहित 6 वाहन भी जब्त किए गए हैं, जिन्हें अपराध की आय से खरीदे जाने का संदेह है। जांच एजेंसी द्वारा अब तक 100 से अधिक बैंक खातों पर डेबिट फ्रीज लगाने की कार्रवाई की गई है। जांच में सामने आया है कि अभी तक 8 सरकारी विभागो में अनाधिकृत लेन देन सामने आया है उनकी पहचान की जा चुकी है। अभी तक की जाँच में कई सरकारी अधिकारी/ कर्मचारियों तथा निजी व्यक्तियों की संलिप्तता की भी पहचान की गई है । पुष्टि होने उपरांत विजिलेंस ब्यूरो द्वारा दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। इसके साथ ही 10 संपत्तियों की पहचान की गई है, जिन्हें अपराध से अर्जित धन से खरीदे जाने का तार्किक तौर पर संदेह है।

सोनीपत में परीक्षा केंद्रों पर सामूहिक नकल, छह शिक्षक हटाए

ज्योति दर्पण

सोनीपत। सोनीपत में हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड की परीक्षाओं के दौरान सामूहिक नकल का बड़ा मामला सामने आया है। बोर्ड अध्यक्ष की विशेष त्वरित कार्रवाई दल (आरएएफ) ने कुंडली स्थित राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में बनाए गए दो परीक्षा केंद्रों पर गुरुवार को अचानक निरीक्षण किया। जांच के दौरान कई गंभीर अनियमितताएं सामने आईं, जिनमें सामूहिक नकल, समय से पहले प्रश्नपत्र बांटना और बंद पड़े सीसीटीवी शामिल हैं। निरीक्षण के दौरान परीक्षा कक्षों में सामूहिक नकल के छह मामले पकड़े गए। मौके पर ही नकल के मामलों की रिपोर्ट तैयार कर बोर्ड मुख्यालय को भेज दी गई और संबंधित अधिकारियों को सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए गए। नकल से जुड़े छह मामलों में प्राथमिकी भी दर्ज की गई है। इसे बोर्ड परीक्षाओं के दौरान की बड़ी कार्रवाई माना जा रहा है। जांच में यह भी सामने आया कि परीक्षा शुरू होने से पहले ही विद्यार्थियों को प्रश्नपत्र वितरित कर दिए गए थे। यह बोर्ड के नियमों का स्पष्ट उल्लंघन है। इस मामले की विस्तृत रिपोर्ट भी बोर्ड मुख्यालय को भेजी गई है ताकि आगे कठोर कार्रवाई की जा सके। ड्यूटी में लापरवाही बरतने के आरोप में छह शिक्षकों को तत्काल प्रभाव से परीक्षा ड्यूटी से हटा दिया गया। इनमें कुंडली केंद्र संख्या-1 से वीना, राजबीर दहिया और रविंद्र कुमार शामिल हैं। वहीं केंद्र संख्या-2 से वतन, धर्मेंद्र और ललित को भी ड्यूटी से मुक्त कर दिया गया।

जांच में सामने आया कि विद्यालय की प्राचार्य शीला सहरावत ने अपने ही विद्यालय के शिक्षकों की ड्यूटी परीक्षा केंद्र में लगा दी थी, जबकि बोर्ड के नियमों के अनुसार ऐसा करना प्रतिबंधित है। इसके अलावा प्राथमिक विद्यालय के शिक्षकों की ड्यूटी लगाने और बिना अनुमोदन के पहचान पत्र जारी करने की अनियमितता भी सामने आई।

हरियाणा महिला आयोग की चेयरपर्सन ने पानीपत जेल का किया निरीक्षण

एजेंसी

पानीपत। हरियाणा राज्य महिला आयोग की चेयरपर्सन श्रीमती रेनू भाटिया ने जिला जेल पानीपत का दौरा किया और उन्होंने महिला बंदियों की स्थिती एवं उनको जेल में दी जा रही सुविधाओं का जायजा लिया। इस दौरान जेल अधीक्षक संजीव कुमार तथ अन्य अधिकारी मौजूद रहे। चेयरपर्सन रेनू भाटिया ने महिला वार्ड में जाकर महिला बंदियों से सीधे बातचीत की और उनकी समस्याओं को सुना गया। इस दौरान उन्होने महिला बंदियों के कानूनी अधिकारों, उनके स्वास्थ्य और बच्चों की शिक्षा के संबंध में विस्तार से जानकारी ली गई। श्रीमती रेनू भाटिया ने जेल की किचन का भी निरीक्षण किया और खाने को चैक किया गया। उन्होने महिला बंदियों को दिये जाने वाले खाने की सराहना की।

इस मौके पर चेयरपर्सन रेनू भाटिया ने कहा कि जेल का उद्देश्य केवल सजा देना बल्कि बंदियों के जीवन में सुधार लाना भी है। उन्होंने 48 बंदी महिलाओं से भी उनकी समस्याएं जानी उन्होने बताया 25

प्रतिशत महिलाओं ने अपने पति को इस लिए मारा कि उनको किसी ओर से प्यार था। और करीब 12 से 15 प्रतिशत महिलाएं नशा तस्कर के व 15 प्रतिशत 420 फ्रॉड के मामलों में बाद थी जिनको कोई पछतावा नहीं था। उन्होंने बताया कि 48 बंदी महिलाओं में 12 महिलाओं में अस्वस्थ पाई गई। उन्होने जेल प्रशासन के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि महिला बंदियों को कौशल विकास से जोडना चाहिये ताकि रिहाई के बाद वे समाज में सम्मानजनक जीवन जी सके।

प्रदेश में 100 स्वास्थ्य संस्थान बने फर्स्ट रेफरल यूनिट : आरती सिंह राव

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा की स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने कहा कि राज्य सरकार ने नेशनल हेल्थ मिशन (एनएचएम) के तहत प्रदेश में द्वितीयक स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से 100 स्वास्थ्य संस्थानों को फर्स्ट रेफरल यूनिट (एफआरयू) के रूप में नामित किया है। इसका उद्देश्य विशेष रूप से ग्रामीण और दूरदराज़ क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को समय पर बेहतर चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराना है, ताकि गंभीर मामलों में मरीजों को त्वरित उपचार मिल सके। उन्होंने बताया कि इन एफआरयू को 24 घंटे आपातकालीन सेवाएं प्रदान करने के लिए विकसित किया जा रहा है। इन केंद्रों पर प्रसूति सेवाएं, नवजात शिशु देखभाल तथा रक्त भंडारण जैसी महत्वपूर्ण सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि ये फर्स्ट रेफरल यूनिट प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों और तृतीयक अस्पतालों के बीच एक महत्वपूर्ण कड़ी का कार्य करेंगी। उन्होंने आगे कहा कि इस पहल के माध्यम से राज्य सरकार का लक्ष्य हरियाणा में मातृ और नवजात मृत्यु दर में उल्लेखनीय कमी लाना है। इन एफआरयू के सुदृढ़ होने से गर्भवती महिलाओं और नवजात शिशुओं को समय पर बेहतर उपचार उपलब्ध होगा, जिससे पूरे राज्य में स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच और गुणवत्ता में सुधार होगा। प्रदेश में जिन 100 स्वास्थ्य संस्थानों को फर्स्ट रेफरल यूनिट (एफआरयू) के रूप में नामित किया है उनमें अंबाला जिला के 5 संस्थान हैं। इनके अलावा, भिवानी के 4, चरखी दादरी के 2, फरीदाबाद के 5, फतेहाबाद के भी 5, गुरुग्राम के 4, हिसार के 5, झज्जर के 6, जींद के 6, कैथल के 4, करनाल के 6, कुरुक्षेत्र के 5, महेंद्रगढ़ के 4, नूंह के 5, पलवल के 4, पंचकूला के 4, पानीपत के 4, रेवाड़ी के 4, रोहतक के 4, सिरसा के 5, सोनीपत के 5 तथा यमुनानगर जिला के 4 सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों को एफआरयू के तौर पर नामित किया गया है।

नारनौल से चित्तौड़गढ़ के लिए नई बस सेवा शुरू

एजेंसी

नारनौल। हरियाणा राज्य परिवहन द्वारा कनीना से राजस्थान के चित्तौड़गढ़ तक नई बस सेवा शुरू की गई है। हरियाणा राज्य परिवहन नारनौल डिपो के जीएम देवदत्त ने शुक्रवार को बताया कि यह बस सेवा रोजाना चलाई जाएगी। लोगों ने खुशी जाहिर करते हुए कहा कि इस बस सेवा से क्षेत्र के लोगों को राजस्थान जाने के लिए बेहतर सुविधा मिलेगी।

जीएम देवदत्त ने बताया कि यह बस प्रातः सात बजे कनीना से रवाना होगी और करीब आठ बजकर 40 मिनट पर नारनौल पहुंचेगी। इसके बाद बस जयपुर, टोंक, देवली और बेगू होते हुए रात लगभग 10 बजकर 15 मिनट पर चित्तौड़गढ़ पहुंचेगी। उन्होंने बताया कि कनीना से चित्तौड़गढ़ तक की यात्रा में करीब 15 घंटे का समय लगेगा।

उन्होंने बताया कि चित्तौड़गढ़ से वापसी में बस अगले दिन प्रातः चार बजकर 15 मिनट पर रवाना होगी और शाम करीब पांच बजकर 45 मिनट पर नारनौल पहुंचेगी। इस बस सेवा से हरियाणा और राजस्थान के कई शहरों के बीच सीधा संपर्क स्थापित होगा, जिससे यात्रियों को काफी सुविधा मिलेगी। उन्होंने बताया कि चित्तौड़गढ़ का

परमिट पहले से विभाग के पास था, लेकिन काफी समय से यह सेवा बंद पड़ी हुई थी। परिवहन विभाग की ओर से किलोमीटर बढ़ाने के निर्देश मिलने के बाद इस रूट को दोबारा शुरू किया गया है।

लोगों ने इस बस सेवा के शुरू होने पर खुशी जाहिर करते हुए कहा कि इस बस सेवा से हरियाणा और राजस्थान के कई शहरों के बीच सीधा संपर्क स्थापित होगा। साथ ही क्षेत्र के लोगों को राजस्थान जाने के लिए बेहतर सुविधा मिलेगी। इस नई बस सेवा से कनीना, नारनौल और आसपास के क्षेत्रों के यात्रियों को राजस्थान के प्रमुख शहरों तक सीधी बस सुविधा उपलब्ध हो सकेगी।

जिलावासियों ने इस नई बस सेवा को लेकर हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी व स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव का धन्यवाद व्यक्त किया है।

हिमांशु गैंग के दो शार्प शूटर गिरफ्तार, हत्या की वारदात टली

एजेंसी

झज्जर। जिला पुलिस ने हिमांशु गैंग से संबंध रखने वाले दो शार्प शूटरों को गिरफ्तार कर संभावित हत्या की एक बड़ी वारदात को टाल दिया। पकड़े गए आरोपियों में सोनीपत जिला के जसराना का निवासी नितिन और जिला झज्जर के गांव बादली निवासी दीपक शामिल हैं। इन बदमाशों को जिला पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर बहादुरगढ़ सदर थाना क्षेत्र से काबू किया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि आरोपी नितिन गैंग के लिए सक्रिय रूप से काम कर रहा था और कई गंभीर आपराधिक घटनाओं में शामिल रहा है। उसने अपने साथियों के साथ मिलकर गत 16 फरवरी को रोहतक में दिल्ली बाईपास स्थित नोबल हार्ट हॉस्पिटल के सामने एक व्यक्ति की गोली मारकर हत्या की वारदात को अंजाम दिया था और बकरवाला दिल्ली में भी एक व्यक्ति को गोली मारने की वारदात को अंजाम दिया था। इसके अलावा 7 मार्च को गुरुग्राम के हीरो होंडा चौक स्थित बिग बॉयज टॉयज शोरूम के बाहर जान से मारने की नीयत से फायरिंग करने की घटना में भी उसकी संलिप्तता सामने आई है। वहीं दूसरे आरोपी दीपक उर्फ टाइगर के बारे में बताया कि वर्ष 2018 में उसने जमीन विवाद के चलते अपने चाचा की हत्या कर दी थी, जिसमें अदालत ने उसे उम्रकैद की सजा सुनाई थी।

फिलहाल वह पैरोल पर जेल से बाहर आया हुआ था। पुलिस जांच में सामने आया है कि वह अपने दूसरे चाचा की हत्या की साजिश रच रहा था। झज्जर पुलिस की टीम काफी समय से दोनों आरोपियों की गतिविधियों पर नजर रखे हुए थी। जैसे ही सूचना मिली कि आरोपी बहादुरगढ़ क्षेत्र में किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने की फिराक में हैं, टीम ने तुरंत कार्रवाई करते हुए दोनों को दबोच लिया।

केरल में एलपीजी संकट से रेस्तरां और कैटरिंग सेवाएं ठप

- करीब 40 प्रतिशत रेस्तरां बंद होने की कगार पर

कोच्चि (ईएमएस)। केरल में पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के कारण एलपीजी की कमी ने खाने-पीने के उद्योग को प्रभावित किया है। केरल होटल एंड रेस्टोरेंट एसोसिएशन के अनुसार, राज्य में लगभग 40 फीसदी रेस्तरां बंद होने की स्थिति बन रही है। शहरी क्षेत्रों के होटल और रेस्तरां सबसे अधिक प्रभावित हैं, क्योंकि वहां लकड़ी या अन्य ईंधन से खाना बनाना व्यावहारिक नहीं है। प्राइवेट एलपीजी सिलेंडरों की कीमतें दोगुनी तक पहुंच गई हैं। कासरगोड में 17 किलोग्राम का सिलेंडर 3,000 रुपये में बिक रहा है, जबकि सामान्य 19 किलोग्राम सिलेंडर की कीमत करीब 1,800 रुपये है। लकड़ी की कीमतें भी बढ़ गई हैं, जिससे वैकल्पिक खाना पकाने की व्यवस्था कठिन हो गई है। एलपीजी संकट ने रेस्तरां के अलावा कैटरिंग सेवाएं, छात्रावास की मेस, कैंटीन और शवदाह गृह भी प्रभावित किए हैं। राज्य में शादी का मौसम शुरू होने वाला है, जिसके कारण कैटरिंग बुकिंग पहले ही हो चुकी हैं। मुस्लिम और ईसाई समुदायों के निकाह और लेंट/चालीसा काल की समाप्ति के बाद शादी समारोहों पर भी असर पड़ेगा। मुख्यमंत्री पिनराई विजयन की अध्यक्षता में उच्च स्तरीय बैठक में गैर-घरेलू एलपीजी सिलेंडरों की आपूर्ति बढ़ाने और प्राथमिकता तय करने का निर्णय लिया गया। अस्पताल, वृद्धाश्रम, अनाथालय, स्कूल, सामुदायिक रसोई और आईटी/फैक्ट्री कैंटीनों को प्राथमिकता दी जाएगी। इसके अलावा, वैकल्पिक ईंधन जैसे मिट्टी का तेल की आपूर्ति बढ़ाने की योजना बनाई गई है।

भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) और वाम लोकतांत्रिक मोर्चा ने केंद्र सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन शुरू किया। उद्योग प्रतिनिधियों ने कहा कि अगर पहले चेतावनी दी जाती तो कई रेस्तरां वैकल्पिक व्यवस्था कर सकते थे।

पश्चिम एशिया संकट के बीच भारत में रेमिटेंस में तेजी: उद्योग विशेषज्ञ

पश्चिम एशिया में रहने वाले भारतीय अपने परिवारों को अधिक पैसा भेज रहे

नई दिल्ली ।

पश्चिम एशिया में चल रही लड़ाई के बीच मार्च में भारत में रेमिटेंस में असामान्य तेजी देखी गई है। उद्योग विशेषज्ञों के अनुसार सामान्य महीनों की तुलना में यह लगभग 20-30 प्रतिशत अधिक है। पश्चिम एशिया में रहने वाले भारतीय अपने परिवारों को अधिक पैसा भेज रहे हैं, जिससे भारत में प्रवासी रेमिटेंस में वृद्धि हुई है। साथ ही डॉलर के मुकाबले रुपये में गिरावट ने रेमिटेंस का मूल्य और बढ़ा दिया है।

श्रिम एशियाई तनाव शुरू होने के बाद से रुपये में 1.32 प्रतिशत की गिरावट आई है। डॉलर के मुकाबले रुपया अब 92 रुपये प्रति डॉलर के पार पहुंच गया है, जबकि तनाव से पहले यह लगभग 91 रुपये था।

बैंकिंग विशेषज्ञों का कहना है कि इस गिरावट ने रेमिटेंस की वास्तविक कीमत बढ़ाने में मदद की है। विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि यह वृद्धि अल्पकालिक है। यदि संघर्ष लंबा चला और नौकरियों में कटौती हुई, तो भारत में रेमिटेंस की आवक पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है।

खासकर आतिथ्य और निर्माण क्षेत्र पर इसका असर ज्यादा होगा। निजी बैंक और स्मॉल फाइनैंस बैंक के अधिकारियों ने कहा कि मार्च में रेमिटेंस में 15-30 प्रतिशत तक वृद्धि देखी गई है, लेकिन दीर्घकालिक स्थिति के लिए सावधानी जरूरी है।

आईडीएफसी फर्स्ट बैंक की रिपोर्ट के अनुसार भारत में रेमिटेंस का प्रमुख स्रोत अमेरिका है, जो कुल आवक का 27.7 प्रतिशत हिस्सा है। इसके बाद यूएई (19.2 फीसदी), ब्रिटेन (10.8 फीसदी), सऊदी अरब (6.7 फीसदी) और सिंगापुर (6.6 फीसदी) का स्थान है।

आरबीआई के आंकड़ों के अनुसार, वित्त वर्ष 2026 के पहले 9 महीनों में प्रवासी भारतीयों ने 107 अरब डॉलर से अधिक भेजे हैं। तुलना के लिए, वित्त वर्ष 2025 में 132 अरब डॉलर और 2024 में 117 अरब डॉलर भेजे गए थे।

एफटीएक्स 2026 कार्यक्रम में लॉन्च हुआ नया एआई प्लेटफॉर्म

नई दिल्ली ।

डिजिटल पेमेंट कंपनी रेजरपे ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) आधारित एक नया प्लेटफॉर्म पेश किया है, जिसका उद्देश्य कारोबारों के भुगतान ढांचे के निर्माण और प्रबंधन के तरीके को बदलना है। कंपनी ने अपने वार्षिक कार्यक्रम रेजरपे एफटीएक्स 2026 में दुनिया का पहला एजेंट स्टूडियो लॉन्च किया, जो एआई एजेंट्स के माध्यम से पेमेंट ऑपरेशन्स को अधिक स्मार्ट और स्वचालित बनाने में मदद करेगा। यह प्लेटफॉर्म एंथ्रोपिक के क्लाउड एजेंट एसडीके पर आधारित है और इसे ऑनलाइन व्यापारियों को जोड़ने, भुगतान एकीकरण को आसान बनाने तथा संचालन प्रबंधन को सरल बनाने के उद्देश्य से तैयार किया गया है। कंपनी ने इसके साथ एक नई एजेंटिक एक्सपीरियंस लेयर भी पेश की है, जो व्यवसायों को अपने भुगतान से जुड़ी प्रक्रियाओं को बेहतर ढंग से संभालने में सक्षम बनाएगी। रेजरपे के एक अधिकारी ने कार्यक्रम के दौरान कहा कि आज कारोबारों को केवल अधिक सॉफ्टवेयर की जरूरत नहीं है, बल्कि ऐसी बुद्धिमान तकनीक की आवश्यकता है जो खुद काम कर सके। उनके अनुसार एजेंट स्टूडियो के जरिए कंपनियां ऐसे एआई एजेंट्स तैनात कर सकेंगी जो उनके राजस्व प्रवाह को समझने और उसकी निगरानी करने के साथ-साथ भुगतान से जुड़ी समस्याओं का समाधान भी कर सकेंगे। ये एजेंट अरबों लेनदेन का रियल-टाइम विश्लेषण भी करने में सक्षम होंगे। उन्होंने कहा कि कंपनी का लक्ष्य यह है कि व्यवसाय अपने विकास पर ध्यान केंद्रित करें, जबकि भुगतान से जुड़े तकनीकी काम पृष्ठभूमि में सहज रूप से चलते रहें। उनका मानना है कि यह तकनीक वित्तीय संचालन के एक नए चरण की शुरुआत है, जहां इंटेलिजेंट एजेंट्स टीमों के साथ मिलकर काम करेंगे। वहीं, एंथ्रोपिक इंडिया के अधिकारी ने कहा कि एआई एजेंट्स राजस्व वसूली, विवाद समाधान और नकदी प्रवाह के पूर्वानुमान जैसी वास्तविक व्यावसायिक चुनौतियों को हल करने में अहम भूमिका निभा सकते हैं।

घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना-चांदी के भाव में सुस्ती

- सोने का भाव 1.60 लाख, चांदी लगभग 2.66 लाख रुपए प्रति किलो

नई दिल्ली। घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजार में शुक्रवार को सोना और चांदी के वायदा भाव में नरमी देखने को मिली। दोनों धातुओं की कीमतें आज गिरावट के साथ खुलीं और कारोबार के दौरान भी दबाव में रहीं। घरेलू कमोडिटी बाजार मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अप्रैल वायदा कॉन्ट्रैक्ट 20 रुपये की गिरावट के साथ 1,60,251 रुपये प्रति 10 ग्राम पर खुला। पिछले सत्र में इसका बंद भाव 1,60,271 रुपये था। इस समय यह कॉन्ट्रैक्ट 93 रुपये की गिरावट के साथ करीब 1,60,178 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहा था। कारोबार के दौरान सोने ने 1,60,251 रुपये का दिन का उच्च स्तर और 1,59,764 रुपये का निचला स्तर छुआ। इस वर्ष सोने के वायदा भाव 1,80,779 रुपये के उच्चतम स्तर तक पहुंच चुके हैं। चांदी के वायदा भाव में भी आज कमजोरी देखने को मिली। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क मई कॉन्ट्रैक्ट 1,961 रुपये की गिरावट के साथ 2,66,001 रुपये प्रति किलोग्राम पर खुला। पिछले सत्र में इसका बंद भाव 2,67,962 रुपये था। इस समय यह 1,613 रुपये की गिरावट के साथ लगभग 2,66,349 रुपये प्रति किलोग्राम पर कारोबार कर रहा था। इस दौरान चांदी ने 2,66,888 रुपये का उच्च स्तर और 2,66,001 रुपये का निचला स्तर दर्ज किया। इस साल चांदी के वायदा भाव 4,20,048 रुपये प्रति किलोग्राम तक पहुंच चुके हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी कीमती धातुओं में नरमी का रुख बना हुआ है। वैश्विक कमोडिटी बाजार कॉमेक्स पर सोना 5,084 डॉलर प्रति औंस पर खुला, जबकि पिछले सत्र में इसका बंद भाव 5,125.80 डॉलर था। इस समय सोना 8.90 डॉलर की गिरावट के साथ 5,116.90 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा था। इस साल सोना 5,586.20 डॉलर प्रति औंस का उच्च स्तर छू चुका है। वहीं चांदी 83.91 डॉलर प्रति औंस पर खुली और कारोबार के दौरान 0.60 डॉलर की गिरावट के साथ करीब 84.51 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार करती देखी गई। इस वर्ष चांदी का उच्चतम स्तर 121.79 डॉलर प्रति औंस रहा है।

बेसिक सेविंग्स बैंक डिपॉजिट अकाउंट में न्यूनतम बैलेंस की कोई बाध्यता नहीं

जमा, निकासी और एटीएम जैसी बुनियादी सुविधाएं बिना किसी अतिरिक्त शुल्क के मिलेगी-

नई दिल्ली । केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने संसद में बताया कि भारत में लगभग 72 करोड़ बेसिक सेविंग्स बैंक डिपॉजिट अकाउंट (बीएसबीडीए) हैं, जिनमें न्यूनतम बैलेंस की कोई बाध्यता नहीं है। इनमें प्रधानमंत्री जन धन योजना (पीएमजेडीवाय) के तहत खोले गए खाते भी शामिल हैं। इन खातों में जमा, निकासी और एटीएम जैसी बुनियादी सुविधाएं बिना किसी अतिरिक्त शुल्क उपलब्ध हैं। इसका उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग, छोटे जमाकर्ताओं और उन लोगों को बैंकिंग सिस्टम से जोड़ना है जो अब तक इन सुविधाओं से दूर थे। जहां जीरो बैलेंस खातों पर राहत है, वहीं सामान्य बचत और चालू खातों में मासिक औसत बैलेंस बनाए रखना जरूरी है। यदि ग्राहक ऐसा नहीं करते हैं, तो बैंक उचित और पारदर्शी शुल्क लगा सकते हैं। वित्तीय वर्ष 2022-23 से 2024-25 के बीच सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों ने मिनिमम बैलेंस न रखने वाले ग्राहकों से 8,092.83 करोड़ रुपये वसूले। यह राशि बैंकों की कुल कमाई का केवल 0.3 प्रतिशत है और इसका उद्देश्य मुनाफा कमाना नहीं बल्कि सेवाओं के खर्च को संतुलित करना है। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया ने मार्च 2020 में बचत खातों पर मिनिमम बैलेंस शुल्क पूरी तरह खत्म कर दिया था। इसी राह पर चलते हुए 2025 तक 9 अन्य सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों ने भी जुर्माने हटा दिए या उनमें भारी कटौती की। यह कदम बैंकिंग सेवाओं को ग्राहक-केंद्रित और संवेदनशील बनाने की दिशा में उठाया गया।

एचएफसीएल को वैश्विक कंपनी से 10,159 करोड़ का ऑप्टिकल फाइबर ठेका

नई दिल्ली । भारत की प्रमुख टेलीकॉम कंपनी एचएफसीएल लिमिटेड को ऑप्टिकल फाइबर केबल की आपूर्ति के लिए एक वैश्विक बहुराष्ट्रीय कंपनी से लगभग 10,159 करोड़ रुपये का ठेका मिला है। कंपनी ने यह जानकारी शुक्रवार को शेयर बाजार में दी। यह ठेका 2026 से दिसंबर 2030 तक पांच वर्षों के लिए है। एचएफसीएल ने बताया कि यह समझौता उसकी विदेश स्थित पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी के माध्यम से किया जाएगा। ठेके के तहत कंपनी उच्च गुणवत्ता और उच्च फाइबर क्षमता वाली ऑप्टिकल फाइबर केबल की आपूर्ति करेगी। कुल संभावित मूल्य लगभग 1.10 अरब अमेरिकी डॉलर (करीब 10,159 करोड़ रुपये) है। एचएफसीएल ने ग्राहक का नाम सार्वजनिक नहीं किया है। कंपनी ने बताया कि यह पहला **दीर्घकालिक और बहुवर्षीय ऑप्टिकल फाइबर केबल आपूर्ति समझौता है, जिसे एचएफसीएल के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है। इस समझौते के तहत एचएफसीएलग्राहक की आवश्यकताओं के अनुसार केबल की आपूर्ति करेगी। विशेषज्ञों के अनुसार यह ठेका कंपनी को वैश्विक बाजार में पकड़ मजबूत करने और भविष्य में बड़े अंतरराष्ट्रीय ठेकों के अवसर खोलने में मदद करेगा।

पश्चिम एशियाई तनाव से प्रभावित हो सकता है भारतीय टायर निर्यात

- भू-राजनीतिक संकट का असर, एटमा ने सरकार से समर्थन की मांग की

नई दिल्ली । पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव ने भारतीय टायर उद्योग की चिंता बढ़ा दी है। ऑटोमोबाइल टायर मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन (एटमा) ने सरकार को चेतावनी दी है कि खाड़ी क्षेत्र में संघर्ष से टायर निर्यात प्रभावित हो सकता है। एटमा के अनुसार होर्मुज स्ट्रेट और स्वेज नहर जैसे प्रमुख समुद्री मार्गों में अस्थिरता यूरोप, अमेरिका और अफ्रीका को होने वाली खेपों में देरी और ढुलाई लागत में बढ़ोतरी कर सकती है। भारत पश्चिम एशिया को सालाना लगभग 25-26 करोड़ डॉलर के टायर निर्यात करता है। यदि तनाव बढ़ता रहा, तो इन खेपों में व्यवधान आ सकता है। एटमा ने यह भी कहा कि निर्यात में अनिश्चितताओं के कारण भारतीय टायर उद्योग की अंतरराष्ट्रीय प्रतिस्पर्धी क्षमता कमजोर हो सकती है। टायर उत्पादन में कच्चे तेल से बने उत्पादों का 60-70 प्रतिशत हिस्सा होता है। प्रमुख इनपुट में सिंथेटिक रबर, कार्बन ब्लैक, प्रोसेसिंग ऑयल और टायर कॉर्ड फैब्रिक शामिल हैं। कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव (लगभग 100 डॉलर प्रति बैरल) सीधे उत्पादन लागत बढ़ा रहे हैं। इस कारण माल ढुलाई और लॉजिस्टिक बाधाओं का सामना करना पड़ सकता है। एटमा के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि बढ़ती उत्पादन लागत, निर्यात अनिश्चितताएं और ढुलाई में रुकावट का मिला-जुला असर उद्योग की वैश्विक प्रतिस्पर्धा पर पड़ सकता है। उन्होंने कहा कि समय पर नीतिगत समर्थन जरूरी है ताकि भारत की निर्यात गति बनी रहे और अंतरराष्ट्रीय बाजार में उसका प्रभाव बनाए रखा जा सके।

गोल्ड लोन में राहत, माइक्रोफाइनेंस कंपनियां तेजी से बदल रहीं पोर्टफोलियो

- सूक्ष्म वित्त क्षेत्र के परिपक्व होने के साथ ही विविधीकरण की प्रवृत्ति में और तेजी की संभावना

नई दिल्ली ।

सूक्ष्म वित्त संस्थान (एमएफआईएस) बाहरी दबावों के कारण मुख्य रूप से परिसंपत्ति गुणवत्ता से जुड़ी चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि सामाजिक-राजनीतिक माहौल और राज्यों के कड़े नियम जैसे पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, बिहार, असम और कर्नाटक में जबरन वसूली पर रोक ने इन संस्थानों को अपनी रणनीतियों में बदलाव के लिए प्रेरित किया है। भारतीय रिज़र्व बैंक (आरबीआई) द्वारा कुल परिसंपत्तियों पर 60 प्रतिशत तक पात्रता मानदंड में ढील देने के बाद, सूक्ष्म वित्त संस्थान अब सुरक्षित ऋण उत्पादों पर अधिक ध्यान दे रहे हैं। इन उत्पादों में स्वर्ण ऋण, गृह सुधार ऋण, वाहन ऋण और संपत्ति के बदले ऋण शामिल हैं। अक्टूबर-दिसंबर तिमाही के आंकड़ों के अनुसार क्रेडिट एक्सेस ग्रामीण, सैटिन क्रेडिटकेयर, स्पंदना स्फूर्ति जैसी संस्थाओं ने अपने पारंपरिक सूक्ष्म ऋणों में कमी की है। यह कदम जोखिम कम करने और नए क्षेत्रों में विस्तार करने की दिशा में एक रणनीतिक बदलाव को दर्शाता है। सूक्ष्म वित्त संस्थान अब एमएसएमई ऋण, एलएपी, किफायती आवास वित्त और वाहन ऋण जैसे क्षेत्रों में तेजी से विस्तार कर रहे हैं। सैटिन क्रेडिटकेयर नेटवर्क के एक अधिकारी ने कहा कि सूक्ष्म वित्त क्षेत्र के परिपक्व होने के साथ ही विविधीकरण की प्रवृत्ति में और तेजी आने की संभावना है। उन्होंने बताया कि एमएफआईएस के संचित स्वामित्व (एयूएम) में 10-15 प्रतिशत की वृद्धि अपेक्षित है, जबकि सहायक कंपनियों में 40-50 प्रतिशत की तेजी देखी जा रही है।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 1470, निफ्टी 488 अंक गिरा

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार को गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट एशियाई बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के बीच ही बिकवाली हावी होने से आयी है। अमेरिका और ईरान के बीच संघर्ष बढने से भी निवेशकों ने बाजार से दूरी बनायी है जिससे भी घरेलू बाजार पर विपरीत प्रभाव पड़ा है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 1470.50 अंक की गिरावट के साथ ही 74,563.92 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 488.05 अंक फिसलकर यह 23,151.10 के स्तर पर बंद हुआ। आज बाजार में आई गिरावट से निवेशकों के लाखों करोड़ रुपए डूबे।

शेयर मार्केट में गिरावट के कारण निवेशकों को बड़ा नुकसान हुआ है। बीएसई सेंसेक्स पर लिस्टेड कंपनियों का बाजार पूंजीकरण सुबह-सुबह करीब 6.55 लाख करोड़ रुपए गिर कर करीब 433 लाख करोड़ रुपए रह गया है। बाजार जानकारों के अनुसार मध्यपूर्व में संघर्ष के कारण तेल के दाम बढ़ने से भी बाजार गिरा है। वहीं अमेरिकी बाजारों में भारी गिरावट से भी भारतीय बाजार पर नकारात्मक प्रभाव पड़ा। विदेशी संस्थागत निवेशकों ने पिछले कारोबारी सत्र में भारतीय बाजार से 7,000 करोड़ रुपए से ज्यादा की बिकवाली की। हालांकि घरेलू संस्थागत निवेशकों करीब 7,500 करोड़ रुपए की खरीदारी कर बाजार को कुछ सहारा देने की कोशिश की। आज आईटी, मेटल, ऑटो और बैंकिंग सेक्टर के शेयरों में व्यापक बिकवाली देखने को मिली। इससे पहले आज सुबह सेंसेक्स गिरावट के साथ ही 75,444 अंक पर खुला, जबकि गुरुवार को यह 76,034 अंक पर बंद हुआ था। सुबह शुरुआत के बाद सेंसेक्स 588.06 अंक की गिरावट के साथ 75,446.36 अंक पर कारोबार करता दिखाई दिया। इसी तरह निफ्टी भी गिरावट के साथ 23,462 अंक पर खुला। सुबह शुरुआत के बाद यह 216.35 अंक की कमजोरी के साथ लगभग 23,422 अंक पर कारोबार कर रहा था। गिरावट की एक बड़ी वजह विदेशी संस्थागत निवेशकों की लगातार बिकवाली भी है। इसके अलावा डॉलर के मुकाबले रुपये में कमजोरी ने भी बाजार पर दबाव बढ़ाया है। सेक्टोरल स्तर पर मेटल, आईटी और बैंकिंग शेयरों में ज्यादा बिकवाली देखने को मिली, जिससे प्रमुख सूचकांकों पर नकारात्मक असर

भारत में 2020-2026 के दौरान एमएसएमई क्षेत्र में तेज़ी, करोड़ों रोजगार के अवसर- मांझी

- सरकार ने एमएसएमई क्षेत्र को समर्थन देने के लिए कई योजनाएं चलाई

नई दिल्ली । केंद्रीय एमएसएमई मंत्री जीतन राम मांझी ने संसद में बताया कि 2020 से 28 फरवरी, 2026 तक करीब 7.83 करोड़ सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) पंजीकृत हुए हैं। इन उद्यमों से 34.50 करोड़ रोजगार के अवसर पैदा हुए। इस अवधि में लगभग 1.37 लाख उद्यम बंद हुए, जिनमें मालिक बदलना, दोहरा पंजीकरण, प्रमाण पत्र की आवश्यकता न होना या व्यवसाय बंद होना मुख्य कारण रहे। सरकार ने एमएसएमई क्षेत्र को समर्थन देने के लिए कई योजनाएं चलाई हैं, जिनमें प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (पीएमईजीपी), सूक्ष्म एवं लघु उद्यम ऋण गारंटी योजना, एमएसएमई क्लस्टर विकास कार्यक्रम, एसआरआई कोष, प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना और एमएसएमई चैंपियंस योजना शामिल हैं। इन योजनाओं के माध्यम से राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के प्रयासों में सहयोग किया जाता है। कोविड-19 महामारी के समय व्यवसायों को समर्थन देने के लिए 5 लाख करोड़ रुपए की आपातकालीन ऋण गारंटी योजना लागू की गई। यह योजना 31 मार्च, 2023 तक रही, जिसमें 1.13 करोड़ एमएसएमई को गारंटी दी गई। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के अनुसार, लगभग 14.6 लाख खाते बचाए गए, जिनमें 98.3 प्रतिशत सूक्ष्म और लघु उद्यम थे। पीएमईजीपी के लाभार्थियों में 39 प्रतिशत महिलाएं हैं। महिलाओं को गैर-विशेष श्रेणी की तुलना में अधिक सब्सिडी (35 फीसदी) दी जाती है। इसके अलावा, एमएसएमई की स्थिति में सुधार होने पर तीन वर्षों के लिए गैर-कर लाभ भी प्रदान किए गए हैं। आत्मनिर्भर भारत (एसआरआई) कोष के माध्यम से 50,000 करोड़ रुपए का निवेश किया गया, जिसमें सरकार 10,000 करोड़ और निजी इक्विटी/वेंचर कैपिटल 40,000 करोड़ का योगदान कर रही है। इसका उद्देश्य एमएसएमई को विकास पूंजी उपलब्ध कराना है।

एलपीजी की कमी से घरों में फिर लौट आया केरोसिन

- सरकार ने वैकल्पिक उपाय किए लागू

नई दिल्ली ।

पश्चिम एशिया में ईरान और अमेरिका-इजराइल के बीच तनाव ने वैश्विक तेल और गैस आपूर्ति प्रभावित की है। भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा तेल आयातक देश है और अपनी जरूरत का लगभग 88 प्रतिशत विदेशों से खरीदता है। होर्मुज जलडमरूमध्य से सप्लाई बाधित होने के कारण घरेलू एलपीजी की उपलब्धता पर असर पड़ा। पेट्रोलियम कंपनियों ने घरेलू उपयोग को प्राथमिकता दी, जिससे होटल, रेस्तरां और अन्य वाणिज्यिक उपभोक्ताओं के लिए गैस की आपूर्ति कम हो गई। सरकार ने गैस की कमी को पूरा करने के लिए वैकल्पिक ईंधनों का इस्तेमाल बढ़ाया। होटल और रेस्तरां को कोयला और बायोमास जलाने की अस्थायी छूट मिली, जबकि घरेलू उपयोग के लिए केरोसिन का अतिरिक्त कोटा जारी किया गया। राज्यों को नियमित कोटे के ऊपर 48,000 किलोलीटर मिट्टी का तेल दिया गया। एलपीजी की कमी की अफवाहों के कारण बुकिंग में उछाल आया। इसे रोकने के लिए ग्रामीण क्षेत्रों में सब्सिडी वाले सिलेंडर की अगली बुकिंग अवधि 21 दिन से बढ़ाकर 45 दिन की गई, जबकि शहरी क्षेत्रों के लिए यह सीमा 25 दिन रखी गई। वर्तमान में देश में एलपीजी की डिलीवरी का औसत समय 2.5 दिन है और घरेलू उत्पादन में लगभग 28 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। केरोसिन कभी हर घर में उपयोग होता था, लेकिन 2013-14 से 2022-23 के बीच इसके उपयोग में सालाना 26 प्रतिशत गिरावट आई।

बिजली, सोलर पैनल, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना और स्वच्छ ऊर्जा नीति इसके मुख्य कारण रहे। दिल्ली 2014 में केरोसिन-मुक्त शहर घोषित हुआ। मार्च 2026 में केरोसिन की कीमतें 46-90 रुपये प्रति लीटर रही, औद्योगिक ग्रेड की कीमत प्रायः अधिक है।

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया शुक्रवार को 12 पैसे टूटकर 92.37 पर बंद हुआ। आज शुरुआती कारोबार में रुपया अपने दिन के रिकॉर्ड निचले स्तर 92.36 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। बाजार के जानकारों ने कहा कि पश्चिमी एशिया में जारी संघर्ष के बीच वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में नरमी के कोई संकेत न दिखने के कारण निवेशकों की धारणा प्रभावित हुई। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि डॉलर के मजबूत रुख, विदेशी निवेशकों द्वारा भारी बिकवाली और घरेलू शेयर बाजारों में कमजोर रुझान ने रुपये पर और दबाव डाला। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 92.33 प्रति डॉलर पर खुला। फिर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले अपने दिन के रिकॉर्ड निचले स्तर 92.36 पर पहुंच गई जो पिछले बंद भाव से 11 पैसे की गिरावट दिखाता है। रुपया गुरुवार को कारोबार के दौरान अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 92.36 के नए निचले स्तर पर पहुंच गया था। सत्र के अंत में 24 पैसे टूटकर अपने सबसे निचले स्तर 92.25 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.04 फीसदी की बढ़त के साथ 99.77 पर रहा।

इच्छा मृत्यु केवल कानून ही नहीं, मानवीय गरिमा का प्रश्न

ललित गर्ग

यह एक ऐसे युवा की कहानी है, जिसका जीवन एक दुर्घटना के बाद अचानक बदल गया और जो तेरह वर्षों तक एक मौन जीवन-मृत्यु संघर्ष में जीता रहा। उस संघर्ष में शब्द नहीं थे, संवाद नहीं था, केवल एक स्थिर और असहाय जैविक अस्तित्व था। ऐसे में परिवार, चिकित्सकों और समाज के सामने यह कठिन दुविधा खड़ी हो जाती है कि जीवन को किस सीमा तक कृत्रिम रूप से बनाए रखा जाए।

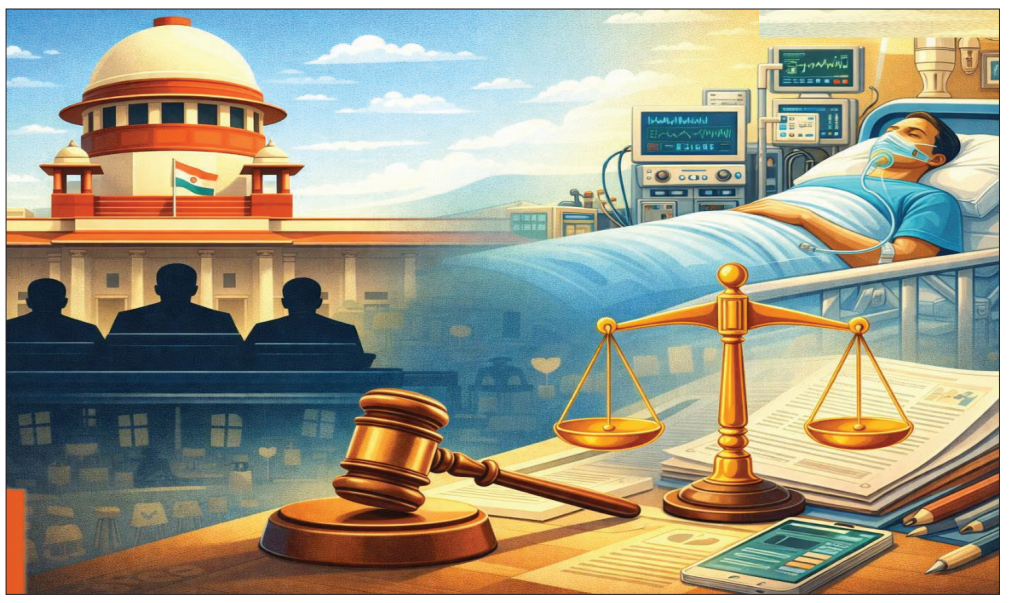

भारतीय समाज में यह गहरी धारणा रही है कि परिवार के किसी सदस्य की सेवा तब तक की जाए, जब तक उसके प्राण स्वाभाविक रूप से समाप्त न हो जाएं। जीवन की रक्षा और उसकी देखभाल को एक नैतिक कर्तव्य के रूप में देखा जाता रहा है। यही कारण है कि भारतीय परिवारों में रोगी की सेवा केवल चिकित्सा का विषय नहीं होती, बल्कि भावनात्मक, धार्मिक और सांस्कृतिक आस्था से भी जुड़ी होती है। कई बार यह भी देखा गया है कि प्रियजन की मृत्यु के बाद भी उसे लंबे समय तक जीवन लौटने की आशा में संभालकर रखा जाता रहा है। लेकिन जब कोई व्यक्ति ऐसी स्थिति में पहुंच जाए, जहां से सामान्य जीवन में लौटने की कोई संभावना न हो और उसका अस्तित्व केवल कृत्रिम जीवन रक्षक प्रणालियों पर निर्भर रह जाए, तब यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि क्या केवल जैविक अस्तित्व को बनाए रखना ही जीवन की रक्षा है? या फिर जीवन की गरिमा को ध्यान में रखते हुए व्यक्ति को पीड़ा से मुक्ति देने का अधिकार भी स्वीकार किया जाना चाहिए? इसी जटिल और संवेदनशील प्रश्न के केंद्र में 11 मार्च 2026 को भारत के सर्वोच्च न्यायालय द्वारा दिया गया वह निर्णय है, जिसमें गाजियाबाद के 31 वर्षीय हरीश राणा को निष्क्रिय इच्छामृत्यु की अनुमति दी गई। लगभग तेरह वर्षों से कोमा में जीवन बिताने वाले इस युवक के मामले में अदालत का यह निर्णय केवल एक कानूनी आदेश भर नहीं है, बल्कि जीवन, मृत्यु और मानवीय गरिमा के बीच संतुलन खोजने का एक गंभीर एवं संवेदनशील प्रयास भी है। दरअसल, हरीश राणा का मामला हमें यह सोचने के लिए बाध्य करता है कि इच्छामृत्यु का प्रश्न केवल कानून का विषय नहीं है, बल्कि एक गहरी मानवीय कहानी भी है। यह एक ऐसे युवा की कहानी है, जिसका जीवन एक दुर्घटना के बाद अचानक बदल गया और जो तेरह वर्षों तक एक मौन जीवन-मृत्यु संघर्ष में जीता रहा। उस संघर्ष में शब्द नहीं थे, संवाद नहीं था, केवल एक स्थिर और असहाय जैविक अस्तित्व था। ऐसे में परिवार, चिकित्सकों और समाज के सामने यह कठिन दुविधा खड़ी हो जाती है कि जीवन को किस सीमा तक कृत्रिम रूप से बनाए रखा जाए।

इस निर्णय का सबसे महत्वपूर्ण आधार भारतीय संविधान का अनुच्छेद 21 है, जो प्रत्येक व्यक्ति को जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता का अधिकार प्रदान करता है। समय के साथ न्यायपालिका ने इस अनुच्छेद की व्याख्या को व्यापक बनाते हुए यह स्पष्ट किया कि जीवन का अधिकार केवल सांस लेने या जीवित रहने का अधिकार नहीं है, बल्कि गरिमापूर्ण जीवन का अधिकार भी है। इसी संवैधानिक दृष्टिकोण ने आगे चलकर यह प्रश्न उठाया कि यदि व्यक्ति को गरिमापूर्ण जीवन का अधिकार है, तो क्या उसे गरिमापूर्ण मृत्यु का अधिकार भी नहीं होना चाहिए? भारत में इच्छामृत्यु से जुड़ा न्यायिक विमर्श धीरे-धीरे विकसित हुआ है। वर्ष 2011 में अरुणा शानबाग मामले में सर्वोच्च न्यायालय ने पहली बार निष्क्रिय इच्छामृत्यु की अनुमति दी थी। यह मामला एक ऐसी नर्स का था, जो दशकों तक कोमा की स्थिति में रही। उस निर्णय ने इस विषय पर व्यापक राष्ट्रीय बहस को जन्म दिया। इसके बाद वर्ष 2018 में कॉमन कॉज बनाम भारत संघ के ऐतिहासिक फैसले में अदालत ने निष्क्रिय इच्छामृत्यु को संवैधानिक मान्यता देते हुए 'लिविंग विल' की अवधारणा को स्वीकार किया। इसके अनुसार कोई व्यक्ति अपने जीवनकाल में ही यह लिखित रूप में व्यक्त कर सकता है कि यदि वह असाध्य स्थिति में पहुंच जाए तो उसे कृत्रिम जीवन रक्षक प्रणालियों पर निर्भर न रखा जाए।

हरीश राणा के मामले में चिकित्सा विशेषज्ञों के बोर्ड ने यह स्पष्ट किया कि निरंतर उपचार का कोई चिकित्सीय उद्देश्य शेष नहीं रह गया था। चिकित्सा केवल जैविक अस्तित्व को लंबा खींचने का माध्यम बन गई थी। ऐसे में अदालत की स्वीकृति इस कठिन सत्य को स्वीकार करती है कि जीवन की गरिमा केवल जीने में ही नहीं, बल्कि मृत्यु में भी बनी रहनी चाहिए। फिर भी इच्छामृत्यु का प्रश्न अत्यंत जटिल और विवादास्पद रहा है। दुनिया के अनेक देशों में इस विषय पर गंभीर नैतिक और कानूनी बहस चलती रही है। कई देशों ने इसे सीमित परिस्थितियों में कानूनी मान्यता दी है, जबकि कई अन्य देशों में इसके दुरुपयोग की आशंका के कारण इसे स्वीकार नहीं किया गया है। भारत में भी यह विषय संवेदनशील बना हुआ है, क्योंकि यहां पारिवारिक संबंधों, धार्मिक मान्यताओं और सामाजिक भावनाओं की भूमिका अत्यंत गहरी है।

इसी संदर्भ में जैन धर्म में प्रचलित संथारा या सल्लेखना की परंपरा भी कई बार चर्चा में आती रही है। जैन दर्शन में इसे मृत्यु का महोत्सव कहा गया है। संथारा का अर्थ है-जीवन के अंतिम चरण में धीरे-धीरे आहार और शरीर की आसक्तियों का त्याग करते हुए शांति एवं समाधिपूर्वक मृत्यु को स्वीकार करना। जैन आचार विचार में इसे आत्मसंयम और आध्यात्मिक साधना का सर्वोच्च रूप माना गया है। संथारा और आधुनिक इच्छामृत्यु के बीच अंतर भी है और समानताएं भी। संथारा का आधार आध्यात्मिक साधना और वैराग्य है, जबकि आधुनिक इच्छामृत्यु का आधार चिकित्सा विज्ञान और मानवीय पीड़ा से मुक्ति का विचार है। फिर भी दोनों के केंद्र में एक समान भाव दिखाई देता है-जीवन की अंतिम अवस्था में गरिमा और स्वायत्तता का सम्मान। हालांकि इस परंपरा को लेकर भी न्यायालयों में बहस होती रही है कि क्या इसे धार्मिक स्वतंत्रता माना जाए या आत्महत्या के रूप में देखा जाए। इस बहस ने यह स्पष्ट किया है कि जीवन और मृत्यु से जुड़े प्रश्न केवल कानूनी तर्कों से हल नहीं होते, बल्कि उनमें नैतिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक आयाम भी शामिल होते हैं। प्रसिद्ध गांधीवादी चिंतक विनोबा भावे ने इस परंपरा की विशेष सराहना की थी। उन्होंने कई अवसरों पर यह इच्छा भी व्यक्त की थी कि यदि संभव हो तो वे भी जीवन के अंतिम क्षणों में इसी प्रकार की शांत, संयमित और जागरूक मृत्यु प्राप्त करना चाहेंगे।

इसीलिए हरीश राणा का मामला हमें यह सोचने के लिए प्रेरित करता है कि संविधान की सबसे बड़ी शक्ति उसकी संवेदनशील व्याख्या में निहित है। जब न्यायपालिका जीवन के अधिकार की व्याख्या करते हुए मानवीय गरिमा और करुणा को केंद्र में रखती है, तब वह केवल कानून का पालन नहीं करती, बल्कि समाज को अधिक संवेदनशील और मानवीय दिशा भी प्रदान करती है। यह भी सच है कि भारत में इच्छामृत्यु को लेकर अभी तक कोई समग्र और स्पष्ट कानून नहीं है। न्यायालय के दिशा-निर्देशों के बावजूद परिवारों और चिकित्सकों को कई बार जटिल प्रक्रियाओं और कानूनी आशंकाओं का सामना करना पड़ता है। यही कारण है कि सर्वोच्च न्यायालय ने स्वयं इस विषय पर एक व्यापक कानूनी ढांचे की आवश्यकता पर बल दिया है। ऐसा कानून बनाते समय दो महत्वपूर्ण बातों का ध्यान रखना होगा। पहली, यह कि असाध्य रोगियों को अनावश्यक पीड़ा से मुक्ति मिल सके। दूसरी, यह कि किसी प्रकार के दबाव, स्वार्थ या आर्थिक कारणों से किसी व्यक्ति को इच्छामृत्यु के लिए विवश न किया जा सके। स्पष्ट प्रोटोकॉल, पारदर्शी चिकित्सा मूल्यांकन और रोगी की स्वायत्त इच्छा का सम्मान इस प्रक्रिया के आवश्यक तत्व होने चाहिए।

निश्चिततौर पर यह कहा जा सकता है कि हरीश राणा के मामले में दिया गया निर्णय केवल एक न्यायिक आदेश नहीं है, बल्कि संवैधानिक करुणा का एक उदाहरण है। इसमें न्याय, संवेदना और मानवीय गरिमा तीनों का संतुलित रूप दिखाई देता है। वास्तव में यह निर्णय हमें यह सोचने के लिए प्रेरित करता है कि जीवन का सम्मान केवल उसे लंबा खींचने में नहीं, बल्कि उसकी गरिमा को बनाए रखने में है। जब उपचार असंभव हो जाए और चिकित्सा केवल पीड़ा को बढ़ाने का माध्यम बन जाए, तब गरिमापूर्ण विदाई भी मानवीयता का ही विस्तार बन जाती है। इस दृष्टि से यह आवश्यक है कि भारत में इच्छामृत्यु के प्रश्न पर व्यापक सामाजिक संवाद हो और एक ऐसा संवेदनशील तथा संतुलित कानूनी ढांचा तैयार किया जाए, जो व्यक्ति को गरिमा के साथ जीने और गरिमा के साथ मरनेकृदोनों का अधिकार सुनिश्चित कर सके।

संपादकीय

पूरा हुआ अविश्वास प्रस्ताव का मकसद

बुधवार, 11 मार्च को लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को हटाने के लिए लाया गया विपक्ष का अविश्वास प्रस्ताव ध्वनिमत से गिर गया, गिरना ही था। इसमें कोई आश्चर्य नहीं है। विपक्ष भी इस बात को जानता था कि यह प्रस्ताव सफल नहीं होगा। लेकिन जिस उद्देश्य से विपक्ष ने इस प्रस्ताव को पेश किया, उसमें काफी हद तक उसे सफलता मिल गई है। लोकसभा में अध्यक्ष की आसंदी दलगत राजनीति से ऊपर होती है और उसकी निगाह में पक्ष-विपक्ष का महत्व एक समान होता है। यह व्यवस्था इसलिए बनाई गई है ताकि लोकसभा की कार्रवाई में पक्षपात न रहे। सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों के सांसदों को जनता ही चुनकर भेजती है, इसलिए दोनों की आवाज को बराबरी से स्थान मिले, यह जरूरी है। अगर विपक्ष की आवाज को दबाया जाए और बहुमत के कारण सारे फैसले सत्ता पक्ष के हक में लिए जाएं, तो यह केवल विपक्षी सांसदों के साथ अन्याय नहीं है, बल्कि उनके क्षेत्र के करोड़ों मतदाताओं के साथ नाइंसाफी है। अगर जनता के साथ नाइंसाफी होती है, तो फिर लोकतंत्र ही अपना अर्थ खो देता है। इस अर्थ को बचाने के लिए बजट सत्र के पहले चरण में विपक्ष ने ओम बिड़ला के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पेश किया था। विपक्ष के लिए शायद यही आखिरी रास्ता भी बचा था कि किसी तरह अपनी बात को आधिकारिक तौर पर दर्ज करा सके। ध्यान रहे कि संसद सत्र के पहले चरण में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को बोलने ही नहीं दिया गया। पहले जनरल मनोज नरवणे की किताब के जिक्र पर उन्हें बोलने से रोका गया और नेता प्रतिपक्ष के भाषण के बिना ही राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पारित कर दिया गया। इसके बाद एपस्टीन फाइल्स के जिक्र पर फिर से राहुल गांधी की बात को दबाया गया। उनके साथ-साथ कई और सांसदों को बोलने से रोका गया। इन सब में बार-बार निगाहें ओम बिड़ला की तरफ ही जाती थीं कि वे नीर-क्षीर विवेक से निर्णय लेंगे, लेकिन उन्होंने भी संसदीय नियमों का हवाला देते हुए बार-बार विपक्ष को ही टोका। हद तो तब हो गई जब लोकसभा अध्यक्ष ने विपक्ष की महिला सांसदों पर आरोप लगाया कि वे प्रधानमंत्री की कुर्सी के सामने आ गई थीं और इससे प्रधानमंत्री को खतरा था, लिहाजा उन्होंने नरेन्द्र मोदी को सदन में आने से मना कर दिया।

चिंतन-मनन

इच्छा का लक्ष्य है खुशी

बुरी आदत को छोड़ने की असमर्थता तुम्हें तकलीफ देती है। जब तुम बहुत पीड़ित होते हो, वह व्यथा तुम्हें उस आदत से छुटकारा दिलाती है। जब तुम अपनी कमियों से व्यथा महसूस करते हो, तब तुम साधक हो। पीड़ा तुम्हें आसक्ति से दूर करती है। यदि अपने दुगुर्णों को हटा नहीं सकते, तो उन्हें विस्तृत कर दो। चिन्ता, अभिमान, प्रोध, कामना, दुख सबको एक और बड़ा आयाम दे दो, एक दूसरी दिशा। छोटे-छोटे विषयों पर नाराज होने का क्या तुक है? नाराज होना है तो अनन्तता के प्रति, ब्रह्म के प्रति हो। यदि तुम अपने अहंकार को नहीं खत्म कर सकते तो अहंकार करो कि ईश्वर तुम्हारे हैं। यदि आसक्ति तुम पर छाई है, तो सत्य के प्रति आसक्त हो जाओ। यदि ईर्ष्या तुम्हें सताती है, तो सेवा के लिए ईर्ष्या करो। द्वेष के प्रति द्वेष रखो; गुरु से राग करो। दिव्यता के प्रति मदहोश हो जाओ।

इन्द्रिय सुखों की इच्छाएं विद्युत की तरह हैं; जैसे-जैसे वे विषय विस्तुओं की ओर बढ़ती है, निष्प्रभावी हो जाती हैं। अपनी कुशलता से यदि तुम इच्छाओं को अपने भीतर मोड़ सको- अपने अस्तित्व के केन्द्र की ओर- तो तुम्हें मिलेगा एक और आयाम- चिरन्तन सुख, रोमांच, परमानन्द और शात प्रेम। वासना, लोभ और ईर्ष्या इसलिए शक्तिशाली हैं क्योंकि ये केवल ऊर्जा हैं और तुम ही इनके स्रेत हो- वह विशुद्ध ऊर्जा। निष्ठा और भक्ति तुम्हारी ऊर्जा को शुद्ध बनाए रखती हैं, तुम्हें उन्नत करती हैं।

जब तुम यह समझ लेते हो कि तुम स्वयं ही सुख की विद्युत धारा हो, तुम्हारी लालसाएं घटने लगती हैं और प्रशांति आती है। मृत्यु निश्चित है - यह याद रखने से तुम वर्तमान क्षण में सजीव रहते हो, राग और द्वेष से मुक्त। इच्छा खुशी को खत्म करती है, लेकिन सभी इच्छाओं का लक्ष्य है खुशी। जब भी जीवन से खुशी गायब होने लगे, भीतर गहराई में झांककर देखो- तुम पाओगे यह इच्छा के कारण हो रहा है। लेकिन हमारी इच्छा ही केवल खुशी है। कोई जीव आज तक पैदा नहीं हुआ जिसे दुःख की चाह हो- न ऐसा पहले कभी हुआ है, न भविष्य में होगा। जब तुम्हारा छोटा मन इधर-उधर, जब जगह भागते-भागते थक जाता है, वह इस निष्कर्ष पर पहुंचता है, मेरी इच्छाओं ने मेरी खुशी छीन ली है।

एलपीजी की जगह चूल्हा एक सस्ता विकल्प

संजय गोस्वामी

12 मार्च 2026 की स्थिति के अनुसार, ईरान-इजरायल-अमेरिका के बीच फारस की खाड़ी में गंभीर तनाव और संघर्ष जारी है, जो 12वें दिन में प्रवेश कर चुका है। ईरान द्वारा समर्थित गुटों ने अमेरिकी और खाड़ी देशों के तेल टैंकरों पर हमले किए हैं, जिससे वैश्विक तेल आपूर्ति पर संकट खड़ा हो गया है। युद्ध की स्थिति का सीधा असर होटल मालिकों पर पड़ने वाला है। संभावना है कि कमर्शियल सिलेंडर का स्टॉक खत्म होने पर होटल को जल्द ही बंद करना पड़ सकता है। कमर्शियल सिलेंडर की कमी पूरे देश में एलपीजी का संकट है एलपीजी सप्लाई में रुकावट का असर अब इंडिया इंक पर भी पड़ रहा है, कुछ कंपनियों ने कुकिंग गैस की कमी के कारण कैफेटेरिया और फूड सर्विस पर असर पड़ने की वजह से ऑपरेशनल दिक्कतों की रिपोर्ट दी है। साथ ही, मुंबई, बेंगलुरु और कोलकाता जैसे शहरों में कमर्शियल एलपीजी सप्लाई में रुकावट की खबरें आई हैं, रेस्टोरेंट और खाने की जगहों को सिलेंडर खरीदने में मुश्किल हो रही है और कुछ मामलों में मेन्यू कम कर दिए गए हैं या ऑपरेशन कम कर दिए गए हैं। कई राज्यों में पुलिस ने भी एलपीजी सप्लाई को लेकर अफवाहों के बीच मॉनिटरिंग बढ़ा दी है, और गलत जानकारी, जमाखोरी और सिलेंडर की चोरी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी है। हालांकि, सरकार का कहना है कि पूरे देश में एलपीजी का कोई संकट नहीं है और सप्लाई को स्थिर करने के लिए रिफाइनरी का आउटपुट लगभग 10% बढ़ा दिया गया है। एलपीजी सप्लाई, सरकार की प्रतिक्रिया और भारतीय शहरों की स्थिति पर लेटेस्ट अपडेट के लिए इस लाइव ब्लॉग को फॉलो करें। एलपीजी सप्लाई की कमी से पूरे भारत में होटल, रेस्टोरेंट पर असर है युद्ध के इस दौर में, गोबर से बनी बायोगैस या गोबर के उपले एलपीजी का एक आत्मनिर्भर और किफायती विकल्प प्रदान करते हैं।चूल्हा एक ऐसा उपकरण है जो स्थानीय ताप या खाना पकाने के लिए उपकरण के अंदर या ऊपर ऊष्मा उत्पन्न करता है। चूल्हे कई प्रकार के ईंधनों से चल सकते हैं, जैसे प्राकृतिक गैस, बिजली, गैसोलीन, लकड़ी और कोयला। चूल्हे के निर्माण के लिए सबसे आम सामग्री कच्चा लोहा, इस्पात और पत्थर हैं। चूल्हे और गोबर के उपले भारतीय ग्रामीण जीवन, संस्कृति और परंपरा के अभिन्न अंग हैं। मिट्टी के चूल्हे और गोबर के उपले न केवल सस्ते और आसानी से उपलब्ध ईंधन हैं, बल्कि आत्मीयता और पवित्रता का भाव भी रखते हैं। आत्मनिर्भरता, सादगी और पर्यावरण मित्रता के प्रतीक के रूप में ग्रामीण जीवन का प्रतिनिधित्व करते हैं। स्वास्थ्य पर प्रभावः पुराने धुंआ उत्सर्जित करने वाले चूल्हे महिलाओं और बच्चों में श्वसन संबंधी बीमारियों का कारण बन सकते हैं, इसलिए लोग अब धुआं रहित चूल्हों की ओर बढ़ रहे हैं। आत्मनिर्भरता की कहानीः कई परिवार बायोगैस के माध्यम से आत्मनिर्भर हो गए हैं, वे गोबर से 8-10 घंटे तक चूल्हे को जलाते हैं। चूल्हा और गोइठा का संबंध केवल भोजन पकाने से नहीं, बल्कि एक जीवनशैली से है जो हमें प्रकृति के करीब रखती है। यह हमारे पूर्वजों की विरासत और सादगी का प्रतीक है, जिसे आज भी ग्रामीण भारत में संजोकर रखा गया है। छत्तीसगढ़ के सरगुजा जिला में आज भी लोग पुराने और पारंपरिक ईंधनों का उपयोग न सिर्फ अपने दैनिक जीवन में कर रहे हैं, बल्कि परंपराओं के अनुसार धार्मिक और सांस्कृतिक मान्यताओं को भी पूरी श्रद्धा के साथ निभा रहे हैं. होली के पर्व से पहले गांवों में घरों में पाले गए मवेशियों के गोबर से गोईठा बनाया जाता है.मान्यता है कि गोबर शुद्धता और पवित्रता का प्रतीक होता है, यही कारण है कि होली के दिनों में गोईठा की मांग बढ़ जाती है. कई लोग इसे बनाकर बेचते हैं, वहीं जिनके पास गोईठा उपलब्ध नहीं होता, वे गांवों से इसे लाकर होलिका दहन करते हैं. यह परंपरा न केवल धार्मिक आस्था से जुड़ी हुई है, बल्कि ग्रामीण संस्कृति और सदियों पुरानी जीवनशैली की गहराई को भी दशार्ती है. चूल्हा और गोइठाः ग्रामीण जीवन के प्रतीक पारंपरिक संस्कृतिः गाँव में मिट्टी के चूल्हे पर बना खाना - विशेषकर रोटी, दाल और बाटी - स्वाद और सौंधी महक के लिए जाना जाता है।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

तेल-गैस संकट के बीच सेंसेक्स का गिरना: क्या अर्थतंत्र में महासंकट के संकेत?

सौरभ वार्ष्णेय

वैश्विक अर्थव्यवस्था में जब भी ऊर्जा संकट गहराता है, उसका सीधा असर वित्तीय बाजारों और आम लोगों की जेब पर दिखाई देता है। हाल के दिनों में कच्चे तेल और गैस की कीमतों में बढ़ोतरी तथा आपूर्ति को लेकर बढ़ती अनिश्चितता के बीच भारतीय शेयर बाजार का प्रमुख सूचकांक गिरावट की ओर गया है। यह गिरावट केवल बाजार की सामान्य हलचल नहीं, बल्कि अर्थव्यवस्था के सामने खड़े संभावित बड़े संकट का संकेत भी हो सकती है। वहीं जब मैं इस लेख को लिख रहा हूं तो सेंसेक्स और निफ्टी काफी हद तक गिर चुका है। ऐसे में सरकार के कहने के बावजूद जनमानस इस युद्ध के बीच ऊर्जा का भंडार भरकर रखना चाहता है, यह युद्ध क्या पटकथा लिखेगा कोई नहीं जानता क्योंकि रुस-युक्रेन युद्ध भी अभी तक समाप्त नहीं हुआ।

भारत जैसे देश की ऊर्जा जरूरतों का बड़ा हिस्सा आयातित तेल और गैस पर निर्भर है। जब वैश्विक स्तर पर तेल-गैस की कीमतें बढ़ती हैं या आपूर्ति बाधित होती है, तो उसका असर सीधे महंगाई, उत्पादन लागत और व्यापार संतुलन पर पड़ता है। उद्योगों की लागत बढ़ती है, परिवहन महंगा होता है और अंततः इसका बोझ आम उपभोक्ता तक पहुंचता है। निवेशकों को भी यह संकेत मिलता है कि आने वाले समय में कंपनियों के मुनाफे पर दबाव बढ़ सकता है।

शेयर बाजार का गिरना इसी चिंता का प्रतिबिंब है। निवेशक भविष्य की आशंकाओं को देखते हुए बाजार से पैसा निकालने लगते हैं। विदेशी निवेशक भी जोखिम से बचने के लिए उभरते बाजारों से पूंजी निकालते हैं, जिससे बाजार में गिरावट और तेज हो जाती है। यदि यह स्थिति लंबे समय तक बनी रहती है तो इसका असर निवेश, रोजगार और आर्थिक विकास की गति पर पड़ सकता है।

ऊर्जा संकट का दूसरा पहलू राजकोषीय दबाव भी है। सरकार को महंगाई नियंत्रित करने के लिए करों में कटौती, सब्सिडी या अन्य राहत उपाय देने पड़ सकते हैं। इससे सरकारी खजाने पर अतिरिक्त बोझ बढ़ता है। साथ ही यदि आयात बिल बढ़ता है तो चालू खाते का घाटा भी बढ़ सकता है, जो आर्थिक स्थिरता के लिए चुनौती बन जाता है।

हालांकि यह भी सच है कि शेयर बाजार हमेशा दीर्घकालिक आर्थिक स्थिति का सटीक दर्पण नहीं होता। कई बार वैश्विक परिस्थितियों, भू-राजनीतिक तनाव या निवेशकों की मनोवैज्ञानिक प्रतिक्रिया से भी बाजार अचानक गिर सकता है। इसलिए सेंसेक्स की गिरावट को तुरंत महा संकट मान लेना भी उचित नहीं होगा। लेकिन इसे एक चेतावनी संकेत जरूर माना जाना चाहिए।

ऐसे समय में सरकार और नीति-निमार्ताओं के सामने सबसे बड़ी चुनौती ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने की है। देश को तेल-गैस के आयात पर निर्भरता कम करने, नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा देने और रणनीतिक भंडार बढ़ाने जैसी नीतियों पर तेजी से काम करना होगा। साथ ही आर्थिक सुधारों और निवेश को बढ़ावा देकर बाजार का भरोसा बनाए रखना भी जरूरी है।

अंततः कहा जा सकता है कि तेल-गैस संकट के बीच सेंसेक्स की गिरावट केवल बाजार की घटना नहीं, बल्कि अर्थव्यवस्था के सामने खड़ी चुनौतियों की याद दिलाती है। यदि समय रहते ठोस कदम उठाए जाएं तो यह संकट अवसर में भी बदल सकता है, लेकिन अगर इसे नजरअंदाज किया गया तो इसके गंभीर आर्थिक परिणाम सामने आ सकते हैं।

निवेशक दोहरी दुविधा में

वैश्विक और घरेलू आर्थिक परिस्थितियों के बीच आज निवेशक एक कठिन दौर से गुजर रहा है। बाजार में अनिश्चितता, अंतरराष्ट्रीय तनाव और महंगाई के दबाव ने निवेशकों को दोहरी दुविधा में डाल दिया है। एक ओर शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव है, वहीं दूसरी ओर सुरक्षित निवेश विकल्प भी अपेक्षित रिटर्न नहीं दे पा रहे हैं। ऐसे माहौल में यह सवाल महत्वपूर्ण हो गया है कि निवेशक अपने धन को कहाँ और कैसे सुरक्षित रखें।

हाल के समय में वैश्विक स्तर पर कई घटनाएँ आर्थिक बाजारों को प्रभावित कर रही हैं। तेल-गैस की कीमतों में अस्थिरता, अंतरराष्ट्रीय संघर्ष और प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं की नीतियों में बदलाव का असर भारत सहित दुनिया के शेयर बाजारों पर दिखाई दे रहा है। जब भी वैश्विक स्तर पर संकट गहराता है, निवेशक जोखिम से बचने के लिए सुरक्षित विकल्पों की ओर रुख करते हैं। लेकिन वर्तमान स्थिति में सुरक्षित निवेश भी बहुत आकर्षक नहीं दिख रहा।

दूसरी ओर घरेलू स्तर पर भी निवेशकों के सामने कई सवाल खड़े हैं। महंगाई की दर में उतार-चढ़ाव, ब्याज दरों की अनिश्चितता और कंपनियों के भविष्य को लेकर आशंकाएँ निवेशकों को निर्णय लेने में कठिनाई पैदा कर रही हैं। शेयर बाजार में निवेश करने पर जोखिम अधिक है, जबकि बैंक जमा या अन्य सुरक्षित विकल्पों में रिटर्न सीमित है। यही कारण है कि निवेशक समझ नहीं पा रहे कि जोखिम उठाकर बाजार में बने रहें या सुरक्षित विकल्पों में पैसा लगाएँ।

निवेशकों की यह दुविधा केवल आर्थिक नहीं, बल्कि मनोवैज्ञानिक भी है। बाजार की अस्थिरता के कारण कई छोटे निवेशक घबराकर अपने निवेश को निकाल लेते हैं, जिससे बाजार में और अधिक गिरावट देखने को मिलती है। वहीं कुछ अनुभवी निवेशक इसे अवसर के रूप में देखते हैं और गिरते बाजार में निवेश बढ़ाते हैं। ऐसी स्थिति में सबसे महत्वपूर्ण है संतुलित और दीर्घकालिक दृष्टिकोण। विशेषज्ञों का मानना है कि निवेशकों को घबराहट में निर्णय लेने के बजाय अपने निवेश को विविध क्षेत्रों में बांटना चाहिए और लंबी अवधि की रणनीति अपनानी चाहिए। इससे जोखिम कम किया जा सकता है और बाजार की अस्थिरता का प्रभाव भी सीमित किया जा सकता है।

सरकार और नियामक संस्थाओं की भी जिम्मेदारी है कि वे आर्थिक स्थिरता बनाए रखने के लिए आवश्यक कदम उठाएँ। पारदर्शी नीतियाँ, निवेश के अनुकूल वातावरण और वित्तीय साक्षरता को बढ़ावा देकर निवेशकों का भरोसा मजबूत किया जा सकता है।

यह कहा जा सकता है कि वर्तमान समय निवेशकों के लिए परीक्षा का दौर है। दोहरी दुविधा के बीच सही निर्णय वही होगा जो धैर्य, समझ और दीर्घकालिक सोच पर आधारित हो। अगर निवेशक संतुलित रणनीति अपनाते हैं, तो अस्थिर बाजार भी भविष्य के अवसरों में बदल सकता है।

तेल-गैस संकट से कैसे मिले निजात?

विश्व राजनीति और ऊर्जा बाजार में बढ़ती अनिश्चितता ने एक बार फिर तेल-गैस संकट की आशंका को गहरा कर दिया है। मध्य-पूर्व में बढ़ते तनाव, आपूर्ति में रुकावट और अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमतों के उतार-चढ़ाव का सीधा असर भारत जैसे आयात-निर्भर देश पर पड़ता है। भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों का बड़ा हिस्सा आयात करता है, इसलिए जब भी वैश्विक स्तर पर संकट पैदा होता है, उसका दबाव देश की अर्थव्यवस्था, उद्योग और आम उपभोक्ता पर साफ दिखाई देता है तेल और गैस केवल ईंधन नहीं, बल्कि आधुनिक अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं। परिवहन, बिजली उत्पादन, उद्योग और घरेलू उपयोग–हर क्षेत्र इन पर निर्भर है। जब इनकी कीमतें बढ़ती हैं या आपूर्ति कम होती है, तो महंगाई बढ़ती है, उत्पादन लागत बढ़ती है और आर्थिक विकास की गति भी प्रभावित होती है। इसलिए यह केवल ऊर्जा संकट नहीं, बल्कि आर्थिक और सामाजिक चुनौती भी बन जाता है।इस संकट से निपटने के लिए सरकार को बहुस्तरीय रणनीति अपनानी होगी। सबसे पहले, ऊर्जा स्रोतों का विविधीकरण जरूरी है। भारत को केवल कुछ सीमित देशों पर निर्भर रहने के बजाय अलग-अलग क्षेत्रों से तेल और गैस की आपूर्ति सुनिश्चित करनी चाहिए। दीर्घकालिक समझौते और रणनीतिक भंडारण भी आपूर्ति सुरक्षा को मजबूत कर सकते हैं।दूसरा महत्वपूर्ण कदम वैकल्पिक और नवीकरणीय ऊर्जा का विस्तार है। सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा और हरित हाइड्रोजन जैसे स्रोत भविष्य में तेल-गैस पर निर्भरता कम कर सकते हैं। भारत ने इस दिशा में कुछ कदम उठाए हैं, लेकिन इसे और तेजी से बढ़ाने की आवश्यकता है।तीसरा, ऊर्जा दक्षता को बढ़ावा देना भी जरूरी है। उद्योगों, वाहनों और घरेलू उपयोग में ऊर्जा की बचत से खपत कम की जा सकती है। इलेक्ट्रिक वाहनों को प्रोत्साहन और सार्वजनिक परिवहन का विस्तार भी तेल की मांग घटाने में मदद कर सकता है। तेल-गैस संकट हमें यह याद दिलाता है कि ऊर्जा सुरक्षा केवल आयात से नहीं, बल्कि दीर्घकालिक नीति, तकनीकी नवाचार और आत्मनिर्भरता से ही सुनिश्चित हो सकती है। यदि भारत समय रहते सही कदम उठाता है, तो वह न केवल इस संकट से उबर सकता है, बल्कि भविष्य की ऊर्जा चुनौतियों का भी मजबूती से सामना कर सकता है।

संक्षिप्त समाचार

इराक के बसरा बंदरगाह पर हमला, तेल केंद्रों पर कामकाज रुका

बगदाद, एजेंसी। इराक के बसरा बंदरगाह पर एक बड़ा हमला हुआ है। इस हमले में एक व्यक्ति की जान चली गई। अधिकारियों ने गुरुवार को बताया कि इस घटना के बाद देश के सभी तेल केंद्रों पर कामकाज रोक दिया गया है। इराक की सरकारी पोर्ट कंपनी के महानिदेशक फरहान अल-फरतौसी ने एक बयान में इसकी पुष्टि की। उन्होंने बताया कि यह हमला फारस की खाड़ी में बसरा बंदरगाह के पास एक जहाज पर हुआ। जिस समय हमला हुआ, उस समय जहाज से सामान दूसरे जहाज पर भेजा जा रहा था। अभी यह साफ नहीं है कि हमला ड्रोन से हुआ या मिसाइल से। यह भी पता नहीं चला है कि हमला हवा से हुआ या पानी से। बचाव दल ने मौके से एक शव बरामद किया है और 38 अन्य लोगों को सुरक्षित बचा लिया गया है। अधिकारियों के अनुसार इराक के व्यापारिक बंदरगाह अभी खुले हैं। लेकिन तेल से जुड़े सभी टर्मिनलों को बंद कर दिया गया है।

इट हाउस के पास कार ने सुरक्षा बैरिकेड तोड़ा, सड़कों को बंद किया गया, ड्राइवर गिरफ्तार

वॉशिंगटन डीसी , एजेंसी। वॉशिंगटन डीसी में व्हाइट हाउस के पास बुधवार तड़के एक वैन(कार) ने सुरक्षा बैरिकेड तोड़ दिया, जिसके बाद पूरे इलाके को सील कर दिया गया। घटना लाफायेट स्क्वायर के पास हुई। ड्राइवर को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। यूएस सीक्रेट सर्विस ने कहा कि संदिग्ध वाहन की जांच की जा रही है। ड्राइवर को हिरासत में लिया गया है और उससे पूछताछ हो रही है। घटना के बाद व्हाइट हाउस के आसपास की कई प्रमुख सड़कों को बंद कर दिया गया, जिससे सुबह के व्यस्त समय में यातायात प्रभावित हुआ। मामले की जांच जारी है।

ईरान पर सैन्य कार्रवाई सही? घर में घिरे ट्रंप, सर्वे में अमेरिका के लोगों का चौंकाने वाला खुलासा

वाशिंगटन, एजेंसी। ईरान के खिलाफ अमेरिकी सैन्य कार्रवाई को लेकर अमेरिका में जनता की राय बंटी हुई है। नए सर्वे बताते हैं कि अधिकांश अमेरिकी इस कदम के पक्ष में नहीं हैं और उन्हें डर है कि इससे देश पहले से अधिक असुरक्षित हो सकता है। राजनीतिक ध्रुवीकरण भी साफ दिख रहा है जहां

रिपब्लिकन मतदाता राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के फैसले के साथ खड़े हैं, वहीं डेमोक्रेट और स्वतंत्र मतदाता चिंता और विरोध में हैं। सर्वे रिपोर्ट में क्या सामने आया क्विनिपियाक यूनिवर्सिटी के सर्वे में लगभग 53% रजिस्टर्ड वोटर्स ने ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई का विरोध किया, जबकि 40% ने समर्थन किया और 10% ने स्पष्ट राय नहीं दी। इप्सोस, वाशिंगटन पोस्ट और ष्टहृह के सर्वे में भी यही रुझान दिखा कि अधिकांश अमेरिकी इस कदम के पक्ष में नहीं हैं। इसके विपरीत, फॉक्स न्यूज के सर्वे में मत लगभग बराबर बंटा हुआ दिखा, जहां आधे मतदाताओं ने समर्थन किया और आधे ने विरोध। सुरक्षा और तेल की कीमतों को लेकर चिंता क्विनिपियाक के सर्वे में 55% लोगों ने कहा कि उन्हें नहीं लगता कि ईरान ने अमेरिका के लिए तत्काल कोई सैन्य खतरा पैदा किया। वहीं, फॉक्स न्यूज के सर्वे में 60% मतदाताओं ने माना कि ईरान अमेरिका के लिए वास्तविक खतरा है। अमेरिकियों को तेल और गैस की कीमत बढ़ने का डर भी सताता है। इप्सोस के 6-9 मार्च सर्वे में लगभग दो-तिहाई लोगों ने कहा कि आने वाले एक साल में पेट्रोल की कीमतें और बढ़ सकती हैं। रिपब्लिकन मतदाताओं में भी इस बात की चिंता देखी गई। अमेरिकी सैनिकों की सुरक्षा और विश्वास क्विनिपियाक और फॉक्स न्यूज के अनुसार लगभग आधे मतदाता मानते हैं कि ईरान पर सैन्य कार्रवाई से अमेरिका कम सुरक्षित हो सकता है, जबकि लगभग 30% का मानना है कि इससे देश सुरक्षित हुआ। ष्टहृह के सर्वे में करीब 60% लोगों ने ट्रंप पर भरोसा कम या बिल्कुल नहीं होने की बात कही। शिकागो यूनिवर्सिटी के एनओआरसी सर्वे में भी 56% अमेरिकी विदेशों में सैन्य कार्रवाई को लेकर ट्रंप के फैसलों पर भरोसा कम दिखा रहे हैं। जमीनी सैनिक भेजने को लेकर मत क्विनिपियाक के सर्वे में तीन-चौथाई मतदाता ईरान में अमेरिकी जमीनी सैनिक भेजने के खिलाफ हैं। केवल 20% लोग इस कदम के पक्ष में हैं। रिपब्लिकन मतदाताओं में भी 52% सैनिक भेजने के खिलाफ हैं, जबकि 37% इसका समर्थन करते हैं। हाल ही में 6 अमेरिकी सैनिकों की मौत की खबर ने सार्वजनिक चिंता बढ़ा दी है। अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने कहा कि सरकार पहले से यह तय नहीं बता सकती कि यह संघर्ष कितनी दूर तक जाएगा।

ईरान का फारस की खाड़ी में अमेरिकी जहाज पर हमला: एक भारतीय की मौत

तेल अवीव/तेहरान, एजेंसी। अमेरिका-इजराइल और ईरान जंग का आज 13वां दिन हैं। ईरान ने बुधवार रात फारस की खाड़ी में 'सेफसी विष्णु' नाम के एक अमेरिकी तेल टैंकर (जहाज) पर हमला किया। इसमें एक भारतीय नागरिक की मौत हो गई। न्यूज एजेंसी क्क्षद्ध के मुताबिक हमले में आत्मघाती नाव (सुसाइड बोट) का इस्तेमाल किया गया। जहाज पर मौजूद बाकी 27 लोग सुरक्षित बचा लिए गए। ये जहाज मार्शल आइलैंड के झंडे के तहत चल रहा था। फिलहाल मारे गए भारतीय नागरिक की पहचान सार्वजनिक नहीं की गई है। दूसरी ओर ईरान के राष्ट्रपति मसूज पजशकियान ने कहा कि जंग खत्म करने के लिए तीन शर्तें जरूरी हैं 1. ईरान के कानूनी अधिकारों को मान्यता दी जाए, 2. युद्ध के नुकसान की भरपाई की जाए, 3. भविष्य में हमला न होने की अंतरराष्ट्रीय गारंटी मिले।

अमेरिकी नाव पर ईरान का हमला, एक भारतीय की मौत : ईरान की तरफ से किए गए हमले में एक भारतीय नागरिक की मौत हो गई। यह हमला इराक के समुद्री इलाके में एक तेल टैंकर पर हुआ।

न्यूज एजेंसी पीटीआई के मुताबिक सेफसी विष्णु नाम के तेल टैंकर पर हमला किया गया। यह जहाज अमेरिका की कंपनी का है और मार्शल आइलैंड के झंडे के तहत चल रहा था। हमला खोर अल जुबैर बंदरगाह के पास हुआ। रिपोर्ट के मुताबिक हमले में आत्मघाती

नाव (सुसाइड बोट) का इस्तेमाल किया गया। जहाज पर मौजूद बाकी 27 लोग सुरक्षित बचा लिए गए। उन्हें बाद में बसरा शहर ले जाया गया। फिलहाल मारे गए भारतीय नागरिक का नाम सार्वजनिक नहीं किया गया है।

ईरान की टॉप लीडरशिप खत्म, फिर कैसे जंग लड़ रहा : ईरान और अमेरिका-इजराइल के बीच 12 दिनों से जंग जारी है। पहले ही दिन सुप्रीम लीडर खामेनेई की मौत के बाद अब तक करीब 50 टॉप अधिकारी हमले में मारे गए हैं। इसके बावजूद ईरान दावा कर रहा है कि वह लंबे समय तक जंग लड़ सकता है। अल जजीरा के मुताबिक इसके लिए ईरान ने एक खास स्ट्रेटजी बनाई है, जिसमें सेना का कमान किसी के पास नहीं बल्कि 7 छोटे-छोटे हिस्सों में बांट दी गई है। इसके अलावा हर पद के लिए 4 संभावित उत्तराधिकारी पहले से तय कर दिए गए हैं।

होर्मुज से भारतीय तेल टैंकरों के लिए रास्ता खोला : सूत्रों के अनुसार, विदेश मंत्री एस. जयशंकर और ईरानी समकक्ष अब्दुल्ला अब्बास अराघची के बीच हुई बातचीत के बाद ईरान ने होर्मुज जलसंधि से दो भारतीय तेल टैंकरों (पुष्पक और परिमल) के गुजरने की अनुमति दी है।

कुवैत में ड्रोन हमले में दो घायल : कुवैत की रक्षा मंत्रालय ने बताया कि आज सुबह दक्षिणी इलाके में एक दुश्मन ड्रोन ने आवासीय भवन को निशाना बनाया। मंत्रालय के एक्स पोस्ट के अनुसार, इस हमले में कम से कम दो लोग घायल हुए और उन्हें आवश्यक उपचार दिया जा रहा है। इसके अलावा हमले से भवन और संपत्ति को भी सामग्रीगत नुकसान हुआ है।

ईरान के राष्ट्रपति का शांति और युद्ध समाप्ति पर दिया बयान : ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा है कि उन्होंने रूस और पाकिस्तान के नेताओं से बातचीत में क्षेत्र में शांति बनाए रखने की ईरान की प्रतिबद्धता दोबारा जताई है। उन्होंने यह भी कहा कि वर्तमान संघर्ष को समाप्त करने का एकमात्र तरीका ईरान के वैध अधिकारों को मान्यता देना, हानियों के लिए मुआवजा देना और भविष्य में किसी भी आक्रमण को रोकने के लिए ठोस अंतरराष्ट्रीय गारंटी प्राप्त करना है। उनके अनुसार यह युद्ध जायनिस्ट शासन और अमेरिका की शुरूआत का परिणाम है और तभी इसे रोका जा सकता है जब इन शर्तों को स्वीकार किया जाए। यूनाइटेड किंगडम की मैरिटाइम ट्रेड ऑपरेशंस एजेंसी ने बताया कि यूएई के जेबल अली से लगभग 35 समुद्री मील उत्तर में एक कंटेनर जहाज पर हमला हुआ। एजेंसी के अनुसार जहाज के कप्तान ने रिपोर्ट दी है कि जहाज को अज्ञात प्रक्षेप्य ने निशाना बनाया, जिससे जहाज पर छोटी आग लगी। अंधेरे के कारण पूरी क्षति का आकलन अभी संभव नहीं है। सभी चालक दल सुरक्षित हैं। कुवैत के रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता सौद अल-ओतैबी ने बताया कि देश की वायु सुरक्षा बलों ने आज सुबह कई दुश्मन ड्रोन को इंटरसेप्ट किया। अल-ओतैबी ने कहा कि ये ड्रोन आज सुबह के समय कुवैत के उत्तरी क्षेत्र में देश की हवाई सीमा का उल्लंघन कर रहे थे। उन्होंने यह जानकारी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा की। रक्षा मंत्रालय ने कहा कि सभी ड्रोन को समय रहते निष्क्रिय कर दिया गया और किसी प्रकार के नुकसान की सूचना नहीं है।

नॉर्थ कोरिया में क्रूज मिसाइल टेस्ट, किम जोंग उन ने बेटी के साथ देखी फायरिंग

प्योंगयांग, एजेंसी। नॉर्थ कोरिया के लीडर किम जोंग उन ने अपनी बेटी के साथ नेवी का स्ट्रेटेजिक क्रूज मिसाइल टेस्ट देखा। सरकारी मीडिया ने बताया कि यह मिसाइलें चो ह्योन नाम के वॉरशिप से दागी गईं। मिसाइल परीक्षण उस समय हुआ है जब अमेरिका और साउथ कोरिया जॉइंट सैन्य अभ्यास कर रहे हैं। कोरियाई सेंट्रल न्यूज एजेंसी द्वारा जारी तस्वीरों में किम जोंग उन और उनकी बेटी एक कॉन्फ्रेंस रूम में स्क्रीन पर मिसाइल फायरिंग देखते दिखाई दिए। रिपोर्ट के मुताबिक मिसाइलों ने देश के पश्चिमी तट के पास टारगेट आइलैंड पर हमला किया। किम जोंग उन ने कहा कि ये टेस्ट नौसेना की स्ट्रेटेजिक स्ट्राइक कैपेबिलिटी दिखाने और सैनिकों को हथियारों के इस्तेमाल की ट्रेनिंग देने के लिए किए गए। कुछ रिपोर्ट्स के अनुसार किम जोंग की बेटी 'किम जू ऐ', जिनकी उम्र करीब 13 साल बताई जाती है, 2022 के बाद से कई सैन्य परेड और हथियार परीक्षण कार्यक्रमों में अपने पिता के साथ नजर आ चुकी हैं। नेशनल इंटेलिजेंस सर्विस के अनुसार, किम जोंग उन उन्हें अपना संभावित उत्तराधिकारी बना सकते हैं। 3 घंटे तक हवा में उड़ती रही मिसाइलें यह परीक्षण ऐसे समय में हुआ है जब दुनिया में परमाणु हथियारों को लेकर चिंता बढ़ी हुई है. हाल ही में अमेरिका और इजराइल ने ईरान पर हमले किए हैं ताकि वह परमाणु हथियार बनाने की क्षमता हासिल न कर सके. रिपोर्ट

के मुताबिक, नंबर-51 चोए ह्योन नाम के नए डिस्ट्रॉयर से नम्फो तट के पास कई क्रूज मिसाइलें तेजी से दागी गईं. ये मिसाइलें कोरिया के पश्चिमी समुद्र के ऊपर करीब 3 घंटे तक उड़ती रहीं और फिर द्वीपों पर बने टारगेट को निशाना बनाया. स्टेट टीवी के वीडियो में दिखा कि जहाज के पिछले हिस्से में लगे वर्टिकल लॉन्च सिस्टम से छह मिसाइलें तेजी से पश्चिम दिशा में दागी गईं. इससे पहले 4 मार्च को हुए परीक्षण में इसी जहाज से पांच मिसाइलें दागी गई थीं. किम ने परीक्षण पर संतोष जताया किम जोंग उन ने परीक्षण की सफलता पर संतोष जताया. उन्होंने कहा कि इस परीक्षण से देश के रणनीतिक हथियारों के कमांड सिस्टम और जहाज की लड़ाकू क्षमता की विश्वसनीयता साबित हुई है. किम ने यह भी कहा कि उत्तर कोरिया की परमाणु ताकत अब कई तरह से इस्तेमाल किए जा सकने वाले नए चरण में पहुंच गई है और उसकी युद्ध रोकने की क्षमता तेजी से मजबूत हो रही है।

अफगानिस्तान सीमा के पास मोर्टार शेल फटने से एक ही परिवार के पांच लोगों की मौत

काबुल , एजेंसी। पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिमी प्रांत खैबर पख्तूनख्वा में बुधवार रात एक दर्दनाक हादसा हुआ। अफगानिस्तान सीमा से सटे खैबर जिले की तिराह घाटी में एक मोर्टार का गोला रिहायशी इलाके में आकर गिरा। इस धमाके में एक ही परिवार के पांच सदस्यों की मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों की पहचान नियाज बादशाह, उनके दो बेटों, एक भतीजे और एक पोते के रूप में हुई है। यह मोर्टार किस दिशा से दागा गया था, इसकी जानकारी अभी तक नहीं मिल पाई है। इस घटना के बाद पूरे इलाके में डर और दहशत का माहौल है। स्थानीय लोगों ने इस घटना पर गहरा दुख जताया है। उन्होंने प्रशासन से मामले की तुरंत जांच करने और नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की है। यह घटना ऐसे समय में हुई है जब पाकिस्तानी सेना अफगान तालिबान के खिलाफ बड़ा सैन्य अभियान चला रही है। पाकिस्तान ने बुधवार को बताया कि पिछले दो हफ्तों से जारी इस कार्रवाई में अब तक 641 अफगान तालिबान लड़ाके मारे गए हैं और 855 से ज्यादा घायल हुए हैं। पाकिस्तानी सेना ने 26 फरवरी को 'ऑपरेशन गजब लिल-हक' शुरू किया था। यह कार्रवाई तब शुरू हुई जब अफगान पक्ष ने सीमा पर 53 जगहों पर हमले किए थे। अक्टूबर 2025 के बाद से पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच रिश्तों में काफी कड़वाहट आ गई है।

अमेरिका ने पाकिस्तान में बंद किया अपना वाणिज्य दूतावास, हर साल 75 लाख डॉलर की होगी बचत

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका ने पाकिस्तान के पेशावर में स्थित अपने वाणिज्य दूतावास को हमेशा के लिए बंद करने का फैसला किया है। यह राजनयिक मिशन अफगानिस्तान सीमा के सबसे करीब था। साल 2001 में अफगानिस्तान पर हमले के समय और उसके बाद भी यह जगह अमेरिका के लिए ऑपरेशंस और रसद का मुख्य केंद्र रही है।

अमेरिकी विदेश विभाग ने इस हफ्ते कांग्रेस को वाणिज्य दूतावास बंद करने की योजना के बारे में बताया। विभाग का कहना है कि इस कदम से हर साल लगभग 75 लाख डॉलर की बचत होगी। अमेरिका का मानना है कि इस फैसले से पाकिस्तान में उसके राष्ट्रीय हितों को आगे बढ़ाने की क्षमता पर कोई बुरा असर नहीं पड़ेगा। 'द एसोसिएटेड प्रेस' को मिले एक नोटिस से यह

जानकारी सामने आई है। यह फैसला पिछले एक साल से विचाराधीन था। ट्रंप प्रशासन ने लगभग सभी सरकारी एजेंसियों के खर्चों और आकार को छोटा करना शुरू किया है। विभाग ने साफ किया है कि इस फैसले का ईरान के साथ चल रहे तनाव से कोई लेना-देना नहीं है। हालांकि, ईरान विवाद की वजह से कराची और पेशावर जैसे शहरों में विरोध प्रदर्शन हुए थे, जिस कारण वाणिज्य दूतावास ने कुछ समय के लिए अपना काम रोक दिया था। पिछले साल अमेरिकी प्रशासन ने विदेश विभाग के बजट में बड़ी कटौती की थी। इस दौरान हजारों राजनयिकों को हटाया गया और अंतरराष्ट्रीय विकास एजेंसी के स्टाफ में भी भारी कमी की गई। पेशावर वाणिज्य दूतावास पहला ऐसा विदेशी मिशन है, जिसे विभाग के पुनर्गठन की वजह से पूरी तरह बंद किया जा रहा है। नोटिस के अनुसार, पेशावर वाणिज्य दूतावास में 18 अमेरिकी राजनयिक और अन्य सरकारी अधिकारी काम करते हैं। इनके साथ ही 89 स्थानीय कर्मचारी भी वहां तैनात हैं। इस मिशन को पूरी तरह बंद करने में करीब 30 लाख डॉलर का खर्च आएगा। इस रकम का आधा हिस्सा यानी 18 लाख डॉलर उन बख्तरबंद ट्रेलरों को दूसरी जगह ले जाने में खर्च होगा, जो वहां ऑफिस के तौर पर इस्तेमाल हो रहे थे। बाकी पैसा गाड़ियों, इलेक्ट्रॉनिक सामान, टेलीकम्युनिकेशन उपकरणों और ऑफिस के फर्नीचर को इस्लामाबाद, कराची और लाहौर भेजने में इस्तेमाल होगा। अफगानिस्तान सीमा और काबुल के पास होने की वजह से पेशावर वाणिज्य दूतावास बहुत महत्वपूर्ण था। अब अमेरिकी नागरिकों और अन्य लोगों को वाणिज्य दूतावास से जुड़ी सेवाएं इस्लामाबाद स्थित अमेरिकी दूतावास से मिलेंगी। इस्लामाबाद यहां से करीब 184 किलोमीटर दूर है।

जापान का कानून : अब पति-पत्नी रख सकेंगे अलग-अलग सरनेम

टोक्यो , एजेंसी। जापान एक ऐसा देश है, जहां पति-पत्नी को एक समान सरनेम रखना जरूरी होता है। जापान का यह 'एक सरनेम' वाला कानून 125 साल पुरानी परंपरा बताई जाती है, जिसे 1898 के सिविल कोड के तहत लागू किया गया था। इस नियम के अनुसार, शादी करने वाले जोड़ों को कानूनी रूप से एक ही पारिवारिक नाम यानी सरनेम अपनाना अनिवार्य होता है। हालांकि, अब इस कानून में ढील दी गई। कानून यह नहीं कहता कि सिर्फ पत्नी ही अपना नाम बदलेगी। पति-पत्नी दोनों में से कोई भी अपना सरनेम बदलकर एक समान कर सकता है। लेकिन जापान के पारंपरिक समाज में लगभग 95% मामलों में महिलाओं को ही अपना मायके का नाम छोड़कर पति का सरनेम अपनाना पड़ता है।

इस कानून के खिलाफ हाल के वर्षों में जापान में बड़े पैमाने पर विरोध और कानूनी लड़ाइयां शुरू हुई हैं। कामकाजी महिलाओं का तर्क है कि शादी के बाद नाम बदलने से उनके करियर की पहचान, प्रोफेशनल डिग्री और पासपोर्ट जैसे दस्तावेजों में भारी उलझन पैदा होती है। बढ़ते विरोध को देखते हुए जापान सरकार ने इस कानून में बदलाव करने का आश्वासन दिया। अब जापानी सरकार 'चयनात्मक उपनाम प्रणाली' पर विचार कर रही है, ताकि जोड़े अपनी मर्जी से यह तय कर सकें कि उन्हें एक ही नाम रखना है या अपनी पुरानी पहचान बरकरार रखनी है।

क्या है वो कानून : जापान में 1898 से एक कानून चला आ रहा है, जिसे 'कुंसेई' सिस्टम का हिस्सा माना जाता है। इसके मुताबिक, शादी के बाद पति और पत्नी का सरनेम एक ही होना कानूनी रूप से अनिवार्य है। आप शादी के रजिस्ट्रेशन के वक्त अलग-अलग सरनेम नहीं लिख सकते। अगर आप अलग नाम रखना चाहते हैं, तो आपकी शादी को कानूनी मान्यता नहीं मिलेगी। पूरी दुनिया में जापान इकलौता ऐसा विकसित देश बचा है, जहां यह नियम इतना सख्त है।

नागरिकों का 'सातो' सरनेम : हाल ही में एक जापानी प्रोफेसर ने बताया कि चूंकि जापान में लोग एक ही सरनेम अपना रहे हैं, तो धीरे-धीरे बाकी छोटे सरनेम खत्म होते जा रहे हैं। अगर यह कानून नहीं बदला, तो साल 2531 तक जापान के हर एक नागरिक का सरनेम 'सातो' हो जाएगा। यानी पूरा देश एक ही नाम से जाना जाएगा।

अब क्या बदल रहा है : जापान की जनता और वहां की बड़ी-बड़ी कंपनियों ने सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। उनका कहना है कि यह कानून मानवाधिकारों के खिलाफ है। अब वहां Selective Surname System की मांग हो रही है। इसका मतलब है- शादी करो, लेकिन अपनी मर्जी से तय करो कि नाम बदलना है या पुराना ही रखना है।

जापान की सुप्रीम कोर्ट में कई बार इस पर बहस हुई है। हालांकि, कोर्ट ने अभी इसे पूरी तरह खत्म नहीं किया है, लेकिन सरकार को इस पर नया कानून बनाने का सुझाव जरूर दिया है। अब वहां की सरकार ने एक बीच का रास्ता निकाला है- सरकारी कागजों पर भले ही एक नाम हो, लेकिन ऑफिस, पासपोर्ट और बैंक में महिलाएं अपना 'मैडेन नेम' (शादी से पहले का नाम) इस्तेमाल कर सकती हैं।

नेपाल : चुनाव में जीतने वाली पार्टी के अध्यक्ष बोले, 'भारत के साथ मजबूत करेंगे संबंध'

काठमांडू , एजेंसी। राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (आरएसपी) के अध्यक्ष रवि लामिछाने ने अपनी पार्टी की चुनावी सफलता पर बधाई देने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को धन्यवाद दिया और कहा कि उन्हें 'विकास केंद्रित कूटनीति' के माध्यम से भारत-नेपाल संबंधों के मजबूत होने की आशा है. नेपाल में संसदीय चुनावों में प्रत्यक्ष मतदान प्रणाली के तहत मतगणना मंगलवार को पूरी होने के साथ ही राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (आरएसपी) ने 165 में से 125 सीटें जीत ली हैं जिससे वह बहुमत की सरकार बनाने की स्थिति में आ गई है. पार्टी ने आनुपातिक मतदान प्रणाली के तहत 49,74,957 वोट हासिल किए. लामिछाने ने सोमवार को सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में प्रधानमंत्री मोदी को उनकी शुभकामनाओं और 'नेपाल की जनता के लोकतांत्रिक जनादेश को मान्यता देने' के लिए धन्यवाद दिया. उन्होंने कहा, 'आरएसपी और हमारी सरकार आपसी सम्मान और साझा समृद्धि पर आधारित संबंधों को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध रहेगी जिसमें आरएसपी 'विकास केंद्रित कूटनीति' को प्राथमिकता देगी. आरएसपी नेता ने कहा, 'हम भारत के साथ ऐसी साझेदारी की आशा करते हैं जो संपर्क, सांस्कृतिक पर्यटन, ऊर्जा और व्यापार के क्षेत्रों में सहयोग के जरिए नयी ऊंचाइयों तक पहुंचे और दोनों देशों के लोगों के लिए समृद्ध भविष्य सुनिश्चित करे.' प्रधानमंत्री मोदी ने सोमवार को लामिछाने और बालेंद्र शाह को उनकी चुनावी जीत पर बधाई देते हुए दोनों देशों की पारस्परिक समृद्धि,

प्रगति और कल्याण के लिए उनके साथ काम करने की भारत की प्रतिबद्धता जताई. शाह नेपाल के पहले मधेसी प्रधानमंत्री बनने जा रहे हैं और वह सबसे कम उम्र के प्रधानमंत्री भी होंगे. मोदी ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, 'मुझे विश्वास है कि हमारे संयुक्त प्रयासों से भारत और नेपाल के संबंध आने वाले वर्षों में नए आयाम छुएंगे.' नेपाल की प्रतिनिधि सभा में कुल 275 सीट हैं. इनमें से 165 सदस्य 'फर्स्ट पास्ट द पोस्ट' (एफपीटीपी) या प्रत्यक्ष मतदान प्रणाली से चुने जाते हैं, जबकि 110 सदस्य आनुपातिक मतदान प्रणाली के तहत निर्वाचित होते हैं. निर्वाचन आयोग के अनुसार, प्रत्यक्ष मतदान प्रणाली के तहत सभी 165 सीट की मतगणना पूरी हो चुकी है और आरएसपी 125 सीट के साथ सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है. अन्य दलों में नेपाली कांग्रेस (एनसी) को 18 सीट मिली हैं, जबकि सीपीएन-यूएमएल को नौ, नेपाली कम्युनिस्ट पार्टी (एनसीपी) को आठ, श्रम संस्कृति पार्टी (एसएसपी) को तीन और राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी (आरपीपी) को एक सीट मिली है। इसके अलावा एक निर्दलीय उम्मीदवार भी निर्वाचित हुआ है।

चीन में नए कानून पर मंथन: एक राष्ट्र-एक पहचान की तैयारी में ड्रैगन?

बीजिंग, एजेंसी। चीन सरकार एक व्यापक 'जातीय एकता' कानून लाने की तैयारी में है, जिसे लेकर आलोचकों ने चिंता जताई है। उनका कहना है कि यह कानून अल्पसंख्यकों के अधिकारों को और कमजोर कर सकता है और उन्हें मुख्यधारा में जबरन समाहित करने की नीति को मजबूत करेगा। कानून का उद्देश्य और प्रावधान यह कानून देश की संसद द्वारा गुरुवार को मंजूरी मिलने की उम्मीद है। इसके तहत सभी जातीय समूहों के बीच 'समुदाय की मजबूत भावना' को बढ़ावा देने का लक्ष्य रखा गया है। राष्ट्रीय जन कांग्रेस के प्रतिनिधि लू किनजियान ने कहा कि यह कानून 'चीनी राष्ट्र' के भीतर सभी जातीय समूहों के बीच एकता को बढ़ावा देगा।

प्रस्तावित कानून के अनुसार, सभी सरकारी निकायों और निजी उद्यमों को जातीय एकता को बढ़ावा देना होगा। इसमें स्थानीय सरकारें और अखिल-चीन महिला महासंघ जैसे राज्य-संबद्ध समूह भी शामिल हैं। कानून में कहा गया है कि देश के प्रत्येक जातीय समूह के लोग, सभी संगठन, सशस्त्र बल, हर पार्टी, सामाजिक संगठन और हर कंपनी को कानून और संविधान के अनुसार 'चीनी राष्ट्र' की एक साझा चेतना बनानी होगी और इस चेतना के निर्माण की जिम्मेदारी लेनी होगी।

पहचान और भाषा पर प्रभाव : अकादमिकों और पर्यवेक्षकों का मानना है कि यह नया प्रावधान जातीय अल्पसंख्यकों की पहचान के लिए एक झटका है, क्योंकि यह अनिवार्य शिक्षा में मंदारिन चीनी के उपयोग को अनिवार्य बनाता है। चीन की अधिकांश आबादी हान चीनी है और आधिकारिक भाषा मंदारिन है। देश में 55 जातीय समूह हैं, जो कुल आबादी का 8.9 प्रतिशत हैं। संविधान के अनुसार, 'प्रत्येक जातीय समूह को अपनी भाषा का उपयोग करने और उसे विकसित करने का अधिकार

है' और 'स्व-शासन का अधिकार है'। क्षेत्रीय जातीय स्वायत्तता कानून इन समूहों को सीमित स्वायत्तता का वादा करता है, जिसमें अर्थव्यवस्था विकसित करने के लिए लचीले उपाय शामिल हैं। हालांकि, विशेषज्ञों का मानना है कि व्यवहार में नया कानून इन प्रावधानों पर हावी होगा। ऑस्ट्रेलिया के ला ट्रोब विश्वविद्यालय में चीन की जातीय अल्पसंख्यक नीतियों पर अध्ययन करने वाले प्रोफेसर जेम्स लिबोल्ड ने कहा कि यह कानून पार्टी के 'सार्थक स्वायत्तता' के मूल वादे को समाप्त कर देगा। उन्होंने इस उपाय को चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग की जातीय नीतियों में 'बड़े पुनर्मूल्यांकन' का एक प्रमुख हिस्सा बताया।

देशी भाषाओं के शिक्षण में स्वायत्तता का अंत : नए कानून के अनुच्छेद 15 के अनुसार, किंडरगार्टन से लेकर हाई स्कूल तक की सभी अनिवार्य शिक्षा में मंदारिन चीनी को अनिवार्य रूप से पढ़ाया जाएगा। इनर मंगोलिया, तिब्बत और शिनजियांग जैसे चीनी क्षेत्रों में, जहां जातीय अल्पसंख्यकों की बड़ी आबादी है, मंदारिन पहले से ही शिक्षा का प्राथमिक माध्यम है। लेकिन नया कानून स्पष्ट रूप से कहता है कि देश भर में अल्पसंख्यक भाषाएं शिक्षा का प्राथमिक माध्यम नहीं हो सकतीं। हाल के वर्षों तक, जातीय अल्पसंख्यकों को स्कूलों में शिक्षण के लिए अपनी भाषाओं का उपयोग करने में कुछ हद तक स्वायत्तता प्राप्त थी। उदाहरण के लिए, मंगोलिया की सीमा से लगे एक स्वायत्त क्षेत्र इनर मंगोलिया में, छात्र पाठ्यक्रम के बड़े हिस्से को मंगोलियाई में पढ़ सकते थे। यह स्थिति 2020 में बदल गई, जब नए छात्रों को पता चला कि उनके मंगोलियाई भाषा के पाठ्यपुस्तकों का उपयोग नहीं किया जा सकता है और उन्हें केवल चीनी पाठ्यपुस्तकों का उपयोग करना होगा। इस नीतिगत बदलाव के कारण बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन हुए और तत्काल कार्रवाई की गई, जिसके बाद पुनर्शिक्षा अभियान भी चलाए गए। वर्तमान में, इस क्षेत्र के छात्र स्कूलों में प्रतिदिन केवल एक घंटे के लिए मंगोलियाई को एक विदेशी भाषा कक्षा के रूप में पढ़ सकते हैं। यह कानून चीनी सरकार को ऐसे व्यक्तियों या संगठनों पर मुकदमा चलाने के लिए एक कानूनी आधार भी प्रदान करता है जो विदेश में 'जातीय एकता' की प्रगति को नुकसान पहुंचाते हैं।

स्वास्थ्य के लिए हानिकारक डियोडरेंट्स

गर्मियां हो या सर्दियां डियोडरेंट् का प्रयोग आम हो चला है। लड़कियां व महिलाएं इसका प्रयोग ज्यादातर करती हैं लेकिन वह नहीं जानती कि डियोडरेंट उनकी कोमल त्वचा को हानि पहुंचा सकता है क्योंकि इसमें एल्युमीनियम निर्मित लवणों का प्रयोग किया जाता है जो त्वचा के भीतर की ग्रंथियों को हानि पहुंचा सकते हैं....

पसीने की दुर्गंध को दबाने के लिये बाजार में विभिन्न प्रकार के खुशबुओं के डियोडरेंट्स बिकते हैं। ऐसे खुशबूदार डियोडरेंट्स का मजा पांच-सितारा होटल और शादी ब्याह या पार्टियों में देखने को मिलता है। डियोडरेंट्स का इस्तेमाल लड़कियां और महिलाएं बहुत अधिक करती हैं।

- महिलाओं की त्वचा अत्यधिक कोमल होने की वजह से डियोडरेंटस सेहत को हानि पहुंचा रहे हैं। पसीने की क्रिया को रोकना मुश्किल है। बाजार में उपलब्ध सभी डियोडरेंट्स में अल्यूमीनियम निर्मित लवण मिलाये जाते हैं जो हमारी त्वचा के भीतर की ग्रंथियों को नुक्सान पहुंचाते हैं। आइये, डियोडरेंट्स के बारे में विस्तार से जानकारी हासिल करें।
- डियोडरेंटस त्वचा के नीचे पसीने की ग्रंथि के छिद्रों को संकुचित करते हैं और लंबे समय तक इस्तेमाल करने पर ये छिद्रों को बंद कर देते हैं जिससे पसीने की क्रिया बंद हो जाती है। कई महिलाओं में शरीर और बगल में दाने और फुंसियां भी निकल आती हैं।
- डियोडरेंट्स स्प्रे करते वक्त लापरवाही से आंखों में चला जाये तो आंखे लाल हो जाती हैं और अगर तुरंत शुद्ध पानी से न धोया जाये तो रोशनी भी जा सकती है।
- महिलाओं में बगल के नजदीक स्तन होने के कारण कभी-कभी डियोडरेंट्स में पाये जाने वाले जिरकालीन साल्ट स्तन कैंसर को जन्म देते हैं।
- डियोडरेंट्स में पाये जाने वाले अल्यूमीनियम लवण ग्रंथियों द्वारा रक्त कोशिकाओं तक पहुंच जाते हैं तथा रक्त में घुलकर लंबे समय के बाद अल्जाइमर रोग को जन्म देते हैं।
- डियोडरेंट्स को कभी छाती पर स्प्रे न करें ऐसा करने पर हृदय की गति धीमी पड़ जाती है और अचानक इससे मृत्यु भी हो सकती है।
- इस आधुनिक युग में डियोडरेंट्स का उपयोग रोकना नामुमकिन है। पसीने की दुर्गंध को मिटाने के लिये 10-12 गिलास पानी पियें। नहाते वक्त पानी में डिटाल या नींबू का रस मिलाकर नहायें। शरीर में महक बढ़ाने के लिये नहाने के पानी में गुलाब जल डालें। हफ्ते में एक बार बगल में नीम और चंदन का लेप लगायें।
- बाजार से डियोडरेंट्स खरीदते वक्त देख लें कि उसमें अल्यूमीनियम क्लोराइड न हो क्योंकि यह सेहत के लिये हानिकारक हैं। डियोडरेंट अगर अल्यूमीनियम क्लोरोहाईड्रेट से बना है तो जरूर खरीदें क्योंकि त्वचा के लिये अत्यधिक सुरक्षित हैं। प्रोपेन, ब्युटेन, जिंक, जिरकोनियम युक्त डियोडरेंट्स कम सुरक्षित हैं तथा दिन में केवल एक बार प्रयोग करें।
- भोजन में फल का सेवन अधिक करें तथा डियोडरेंट्स की जगह पाउडर का इस्तेमाल करें।

हेल्थ प्लस ताकि त्वचा रहे स्वस्थ

सुंदर और बेदाग त्वचा व्यक्तित्व निखार का कारण बनती है, वहीं उन्हें दीर्घकालीन स्वास्थ्य भी प्रदान करती है। त्वचा किसी को भी संरक्षण प्रदान कर उसका कायाकल्प करती रहती है, अत: हर किसी को त्वचा की देखभाल अच्छी तरह करनी आनी ही चाहिए। इसके लिए सर्वप्रथम हमें शरीर को पांच भागों में विभक्त करना होगा।

- चेहरे की स्वच्छता एवं साफ सफाई।
- शरीर के विभिन्न हिस्सों की सफाई।
- शरीर स्थित पैर, एड़ी, पंजे एवं अंगुलियों की सफाई।
- सिर स्थित बालों की सफाई।
- त्वचा की सफाई हेतु अक्सर और अधिकांशत: सभी लोग साबुन का प्रयोग करते हैं अथवा तरल साबुन का जिसे शैंपू भी कहा जता है। साबुन लगाने के बाद सारा शरीर अच्छी तरह मल कर झांवे से रगड़कर पहले शरीर स्थित मैल उतरने देना चाहिए। तत्पश्चात पानी से खूब अच्छी तरह धो लेना चाहिए जिससे सारा साबुन भी मैल के साथ धुल जाए।
- अक्सर चेहरे पर मुंहासे हो जाते हैं। जब मुंहासे हों तो अपना तकिया और उसका गिलाफ हमेशा स्वच्छ रखें। मानसिक प्रफुल्लता एवं संतोष हेतु समय समय पर बदलते रहना चाहिए।
- मुंहासों के लिए जरूरी नहीं कि महंगा उपचार किया जाए। सस्ते देसी हर्बल टिप्स से भी अक्सर लाभकारी अनुभव होता हैं। कील-मुंहासे भी दूर हो जाते हैं। नीम और पुदीना का प्रयोग सबसे सस्ती विधि है।
- शरीर को धूप से बचाना भी अच्छे स्वास्थ्य के लिए निहायत जरूरी होता है वरना त्वचा के झुलस जाने और काले पड़ जाने की असीम संभावनाएं रहती हैं इससे बचने के लिए घर से निकलने से पहले सनस्क्रीन क्रीम या माइश्चराइजर अवश्य ही लगाना चाहिए।
- नहाते समय एड़ी, पंजों और पोरों तथा उंगलियों के बीच की त्वचा बहुत अच्छी तरह से साफ करनी चाहिए। नहाने के बाद शरीर पोंछ कर कोल्ड क्रीम, वैसलीन अवश्य लगानी चाहिए।
- विशेष ख्याल रखना चाहिए कि एड़ियां कटी-फटी न हों, वरना धूल मिट्टी के संसर्ग में आने पर कई संक्रामक रोग हो जाते हैं। एड़ियां कटी फटी हों तो फौरन उरचार करें।

बचिए... कमर दर्द के खतरे से

कमर हमारे शरीर का महत्वपूर्ण हिस्सा है, लेकिन अक्सर हम इसे नजरअंदाज कर देते हैं। कमर दर्द को साधारण मानकर टाल देना खतरनाक हो सकता है। इसलिए हमें कमर को स्वस्थ रखना होगा। कमर दर्द के संबंध में जागरूक कैसे रहें, आइए जानते हैं।

कमर दर्द कई कारणों से हो सकता है। ऑस्टियो ऑर्थिराइटिस (जब जोड़ों में कार्टिलेज की कमी हो जाती है), स्लिप्ड डिस्क किसी भारी चीज को उठाते समय शरीर का मुड़ जाना, रियुमटोइड ऑर्थिराइटिस (एक दर्दभरी स्थिति जिससे कमर दर्द होता है) और रिफरड पेन जिसका आपकी कमर से सीधा संबंध हो, लेकिन उसे प्रभावित करे। इसके अलावा भी कई अन्य कारण कमर दर्द के हो सकते हैं, जैसे सही पोश्चर में न बैठना, खराब जूते पहनना आदि।

क्या खाएँ- 30 की उम्र तक आपका शरीर प्रोटो गलिकन्स का उत्पादन करता है, जो हड्डियों को सुरक्षा प्रदान करता है। जब आप 30 को पार कर जाएँ तो इस उत्पादन को जारी रखने के लिए वे फूड्स खाएँ जिनमें प्रोटीन और कैल्शियम की अधिकता होती है। अपने आहार में शामिल करें- फल, सब्जियाँ, दूध, अनाज।

व्यायाम करें- कमर की हल्की एक्सरसाइज और स्ट्रैच आपकी रीढ़ की हड्डी को लचीला बनाए रखती है। नतीजतन कमर दर्द नहीं होता। इसके लिए आप कोई भी एक्सरसाइज चुन सकते हैं, लेकिन अगर किसी समस्या से ग्रसित हैं तो पर्याप्त मार्गदर्शन जरूर लें।

मोटापा कम करें- अत्यधिक वजन कमर में चोट का कारण बन सकता है जिससे कमर दर्द हो सकता है। इसलिए अतिरिक्त वजन को फौरन कम करें।

तनावरहित रहें- तनाव से मांसपेशियों में खिंचाव उत्पन्ना होता है। तनावमुक्त रहें। योग करें, ध्यान लगाएँ।

पोश्चर- एक ही स्थिति में अधिक देर तक न बैठे रहें। उठें और वॉक करें। साथ ही जब कोई चीज उठाएँ तो घुटनों को मोड़ पूरी तरह झुकने की बजाय पंजों पर बैठें। इससे कमर पर दबाव काफी हद तक कम हो जाता है।

खास मंत्र- अपने काम को वार्म अप करके कमर को कमान बना लें और स्ट्रेच करें। इस तरह आप कुछ सेकंड में ही ऊर्जा से भर जाएँगे।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष चू चे चो ला ली लू ले लो आ

सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होगी। अल्प-परिश्रम से ही लाभ होगा। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। घरेलू बहुमूल्य वस्तुओं के क्रय का योग है। शुभांक-1-5-7

वृष इ उ ए ओ वा वी वू वे वो

परामर्श व परिस्थिति सभी का सहयोग मिलेगा। अधिकारी वर्ग से आपकी निकटता बढ़ेगी। व्यावसायिक उपक्रम में उलटफेर की शुरूआत हो सकती है। स्थाई सम्पति के निर्माण, मरम्मत व पुर्नस्थापना पर व्यय भार बढ़ेगा। किसी की टीका-टिप्पणी से आपको परेशानी हो सकती हैं। शुभांक-2-5-6

मिथुन का की कू घ ड छ के को हा

विश्वस्त लोगों के कहे अनुसार चलें। राजकीय कार्यों में सतर्कता बरतें। मान-सम्मान को ठेस लग सकती है। जोश से कम व होश में रहकर कार्य करें। नये आगंतुकों से लाभ होगा। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। परिवार के साथ मनोरंजनिक स्थल की यात्रा होगी। शुभांक-5-7-9

कर्क ही हू हे हो डा डी डू डे डो

पुरानी पारिवारिक समस्याओं का समाधान होगा। परिश्रम प्रयास से कार्य सफल होगें। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग मिलेगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी झुचता रहेगी। मनोरथ सिद्धि का योग है। शुभांक-1-3-6

सिंह मा मी मू मे मो टा टी टू टे

दाम्पत्य जीवन में तनाव का वातावरण बन सकता हैं। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। आत्मझ्चतन करें। पुराने मित्र से मिलन होगा। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। अपने अधीनस्थ लोगों से कम सहयोग मिलेगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शुभांक-5-7-9

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे निपटा लें। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। शुभांक-3-5-7

तुला रा री रु रे रो ता ती तू ते

संतान की ओर से हर्ष के प्रसंग बनेंगे। समय को देखकर कार्य करना ज्यादा हितकर रहेगा। परिश्रम अधिक करना पड़ेगा तभी आप लाभ की आशा कर सकते हैं। कार्य क्षेत्र में पदोन्नति के योग बनेंग। आलस्य का त्याग करें। पुरुषार्थ का सहारा लें। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेंगी। शुभांक-4-6-7

वृश्चिक तो ना नी नू ने नो य यी यू

कर्म बल पर आपको सफलता मिलेगी। व्यवसायिक क्षेत्र में वर्तमान क्षमता को बढ़ाएंगे उपक्रम का विस्तार करने का प्रयास सफल होगा। आप अच्छी सफलताएं प्राप्त करेंगे। बुद्धि कौशल से चुनौतीपूर्ण कार्यों में सफलता मिलेगी। आर्थिक दृष्टि से समय उपलब्धिकारक रहेगा। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-4-6-8

धनु ये यो भा भी भू धा फा ढा भे

मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य कमजोर बना रहेगा। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। श्रम अधिक करना पड़ सकता है। वरिष्ठजनों से मतभेद उभर सकते हैं। शुभांक-3-5-7

मकर मे जा जी खी खू खे खो गा गी

शनै:-शनै: स्थिति पक्ष की बनने लगेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। पारिवारिक प्रेमभाव बढ़ेगा। शुभांक-2-4-6

कुंभ गू गे गो सा सी सू से सो दा

विकास के लिए बनाई योजना सफल होगी। अच्छा हो कि आप अपने उद्देश्य को लेकर सचेत रहें। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। कार्यक्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्य सौंपे जा सकते है जो कि अतिविश्वसनीय व्यक्तियों को ही दिये जाते हैं। कार्य साधक दिन है व्यर्थ न गंवाऐ। नैतिक दायरे में रहें। शुभांक-5-7-9

मीन दी दू थ झ ञ ज दे दो चा ची

क्षमता से अधिक कार्य करने की नौबत आ सकती हैं। उत्तरदायित्व की अधिकता निजी जीवन में अपने ही ढ़ग की परेशानियां पैदा करेगी। कारोबार की उन्नति के लिये एक से अधिक सीढ़ी चढ़कर लोंगो को आश्चर्य में डाल देगें। बौद्धिक क्षेत्र में प्रतियोगिता जीतने का मौका मिलेगा। शुभांक-1-5-8

काकुरो पहेली - 2008

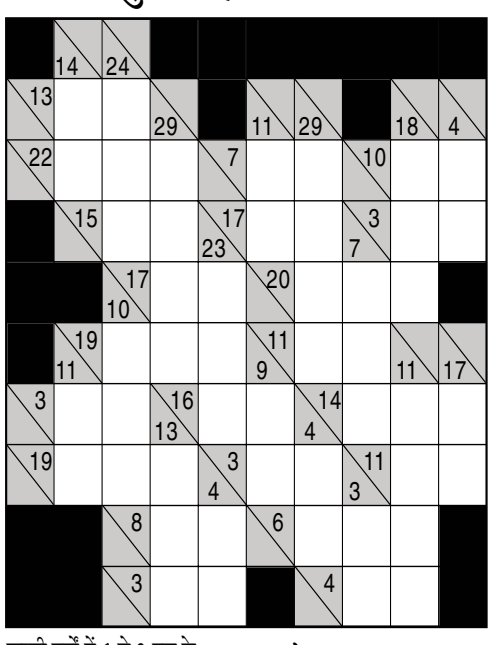

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

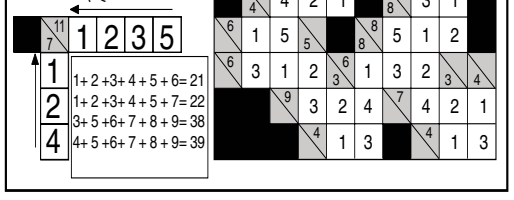

काकुरो - 2007 का हल

लॉफिंग ज़ोन

एक पुस्तक व्यापारी कुछ किताबें खरीदने हेतु एक सप्ताह के लिए लखनऊ गया। उसे लखनऊ में ऊँची चीज मिल गई और उसका दिल वहीं रह गया। जब कई दिन फालतू लग गए तो उसने अपनी पत्नी को तार दिया- 'अभी खरीददारी जारी है अगले सप्ताह हम...।'

पत्नी पति को जानती थी। वह तुरंत समझ गई।

उसने वापसी में तार भेजा- तुरंत लौट आओ...! यदि कल शाम तक वापसी नहीं हुई तो वही बेचना शुरू कर दूँगी जो तुम खरीद रहे हो।

□ □ □

रमन के बड़े भैया नरेश पिछले कई महीनों से बहुत परेशान थे। वे रमन से बोले- छोटे! मैं बहुत परेशान हूँ। मेरी बीवी हमेशा अपने पुराने पति का जिक्र करके मुझे ताना देती रहती है।

रमन बोला- भैया! ये तो कुछ भी नहीं है। मेरी बीवी ने तो अभी से मुझे उसके अगले होने वाले पति का ताना देना शुरू कर दिया है।

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 2008

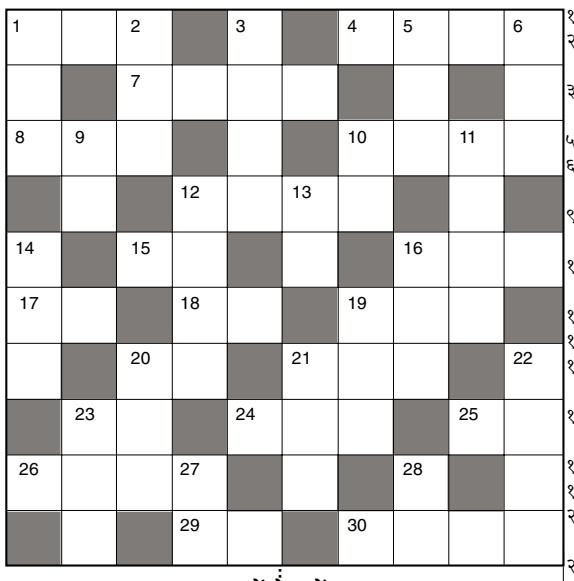

बायें से दायें:-

१. अनिल, अक्षय, मनोज, करीना, शमिता की फिल्म-३
४. 'भंवरे ने खिलाया फूल' गीत वाली ऋषिकपूर, पद्मिनी की फिल्म-४
७. फिरोजखान, संजय, मनीषा की 'आखिर तुम्हें आना है' गीत वाली फिल्म-४
८. अमिताभ, संजयदत्त, अक्षय, अमृता राव की फिल्म-३
१०. राजेंद्रकुमार, राखी की 'तुम मेरी हो मेरे सिवा किसी' गीत वाली फिल्म-२,२
१२. 'ऐ सनम इतना बता' गीत वाली जैकी, मिथुन, जूही, दिव्या की फिल्म-४
१५. नाना, शाहरूख, संजय कपूर, करिश्मा की 'इश्क कमीना' गीतवाली फिल्म-२
१६. 'एहसान तेरा होगा मुझ पर' गीत वाली शम्मी कपूर, सायरा बानो की फिल्म-३
१७. 'बागबान' में अमिताभ की पत्नी ?-२
१८. 'कोई सोने के दिल वाला' गीत वाली देव आनंद, माला सिन्हा की फिल्म-२
१९. ऋषिकपूर, कमल हासन, डिम्पल की 'मारिया ओ मारिया' गीत वाली फिल्म-३
२०. 'आते जाते हुए' गीत वाली अमिताभ, शशिकपूर, राखी, परवीन की फिल्म-२
२१. राजकुमार, धर्मेन्द्र, मीनाकुमारी की 'तोरा मन दर्पण' गीत वाली फिल्म-३
२३. 'आज हमने दिल' गीत वाली नसीर, अतुलअग्निहोत्री, पूजाभट्ट की फिल्म-२
२४. राहुलराय, पूजा भट्ट की 'जो प्यार कर गये' गीत वाली फिल्म-३
२५. 'साल के बारा महीने' गीत वाली कुमार गौरव, माधुरी की फिल्म-२
२६. संजीवकुमार, शर्मिला की १९७४ की कृष्णन पंजु निर्देशित एक फिल्म-४
२९. 'पति पत्नी और वो' में संजीवकुमार के साथ नायिका कौन थी-२
३०. 'क्या चीज है मुहब्बत' गीत वाली सुनील शेट्टी, दिव्या की फिल्म-४

ऊपर से नीचे:-

१. 'जब ना माना दिल' गीत वाली फिल्म-३
२. कुलभूषण, जावेद, शबाना, नंदिता दास की एक फिल्म-३
३. 'नागिन सा रूप है तेरा' गीत वाली धर्मेन्द्र, हेमा, रीना राय की फिल्म-४
५. अमिताभ, वहीदा, जीनत की एक फिल्म-३
६. 'एहसान मेरे दिल पे तुम्हारा' गीत वाली सुनीलदत्त, साधना की फिल्म-३
९. अर्जुन रामपाल, जायेदखान, अमीषा की 'उड़ उड़ उड़ जाये' गीत वाली फिल्म-२
१०. 'वो कागज की कश्ती' गीत वाली कुमार गौरव, अनामिका पाल की फिल्म-२
११. 'छुपाना भी नहीं आता' गीत वाली फिल्म-४
१२. अजय देवगन, करिश्मा कपूर की फिल्म-४
१३. जीतेंद्र, कमल सदाना, आयशा, दिव्या की 'तेरी मुहब्बत नें दिल में' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'जिस दिल में बसा था प्यार तेरा' गीत वाली प्रदीपकुमार, कल्पना की फिल्म-३
१६. 'दो प्यार करने वाले' गीत वाली फिल्म-३
१९. संजयदत्त, सलमान, माधुरी की फिल्म-३
२०. राजकपूर मीनाकुमारी की 'ऐ चांद जहां वो जाये' गीत वाली फिल्म-३
२१. 'जैक एण्ड जिल' गीत वाली अजय, उर्मिला की फिल्म-३
२२. 'मैंने प्यार किया' में नायक कौन था-४
२३. 'आँखों में नींदें ना दिल में' गीत वाली संजयदत्त, मनीषा की फिल्म-३
२७. फिल्म 'नीलकमल' के संगीतकार कौन थे-२
२८. 'दिलवालों के दिल का करार लूटने' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 2007

बा	रू	द		र		का	ला	पा	नी
बु		श	व	ण	श	ज		प	
ल	की	र		भू		ल	क्ष्य		ह
	म		दा	मि	नी			खे	ल
जी	त		मा		य	ती	म		च
वा		कु	द	र	त		ह्म	सि	ल
	मि	ली		ज		जी	न	त	
जीं	स		सु	नी	ल			म	न
	मे	ला		गं			जा		सी
नू	री		अं	धा	का	नू	न		ब

सूडोकु -2008

	7	9	4	2		6		3
	6		8		7		2	
4	1				3	5	8	
	9	8	3					
7		4		5		8		1
					9	7	3	
	8	5	7				4	6
	2		9		1		5	
3		1		6	8	9	7	

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2007 का हल

8	9	5	1	3	7	2	4	6
7	3	2	6	5	4	1	8	9
1	6	4	8	9	2	7	5	3
5	7	3	4	2	9	6	1	8
4	2	8	5	6	1	3	9	7
6	1	9	3	7	8	5	2	4
3	5	1	9	4	6	8	7	2
2	4	6	7	8	5	9	3	1
9	8	7	2	1	3	4	6	5

शब्द पहेली - 2008

1	2		3	4		5	6		7	8
9		10		11	12		13	14		
	15		16		17	18		19	20	
21		22		23		24	25		26	27
28	29		30		31		32	33		
	34	35		36		37		38	39	
40		41	42		43		44		45	46
47	48		49	50		51		52		
	53	54		55	56		57		58	
59		60	61		62	63		64		65
66			67			68			69	

बाएँ से दाएँ
1.होठ,अधर-2
3.बड़ी सवारी गाड़ी-2
5.डोर-2
7.हरे रंग का-2
9.शक,संदेह-3
11.विस्फोटक -2
13.बड़ी नाली-2
15.नमस्कार,नमस्ते-3
17.प्राण-2
19.लक्ष्मी,कमला-2
22.बल,दम-3
24.ठाठ-बाट-2
26.पिता-2
28.कसर-2
30.कुमारी,तरुणी-3
32.जी,चित-2
34.नाखून-2
36.पढ़ने वाला-3
38.उद्देश्य-2
41.मोटा आटा-2
43.नामित-3
45.नर का विलोम-2
47.उर्वरक-2
49.भीगा हुआ-2
51.गिरवी वस्तु-3
53.मनमौजी-2
55.सम्मान-2
57.ले जाने वाला-3
60.आनंद,मजा-2
62.दोस्त,सखा-2
64.निर्माण-3
66.सदैव,हमेशा-2
67.नेत्र,नयन-2
68.आकाश,गगन-2
69.लाख,गोंद-2

ऊपर से नीचे
1.प्यार (अंग्रेजी-2)
2.भगिनी,दीदी-3
4.सभी-2
6.गीत गायन-2
8.मार्ग,रास्ता-2
10.मां का दुलार-3
12.आनंद,रस-2
14.थूक,लेस-2
16.अनुकृति-3
18.सरुर,खुमार-2
20.मां,मदर-2
21.घ्राणेंद्रिय-2
23.चरण तल-3
25.भीगा हुआ-2
27.देह,काया-2
29.मछली-2
31.नृत्य करना-3
33.टैंटी,नलका-2
35.गधा,गर्दभ-2
37.कटि-3
39.माफी-2
40.दोस्त,मित्र-2
42.वायु,गैस-2
44.कॉफी-3
46.मूल्य-2
48.जोर,बल-2
50.लक्ष्मी-2
52.जलमार्ग-3
54.स्थिति-2
56.नवीन-2
58.कूड़ा-3
59.नौकर-2
61.सत्य-2
63.दौड़ना-2
65.गर्भनाड़ी-2

शब्द पहेली -2007 का हल

	ल	ज्ज	त	दा	र		क	र	त	ब
म	त		क		ज	टि	ल		वा	र
न		क	रा	मा	त		म	य		ग
भा	गी	दा	र		प	ल		म	द	द
व		चा		अ	ट	ल			रा	
न	ज	र	बं	द		का	न	भ	र	ना
	भी			र	न	र		इ		म
अ	न	ल		क	र		अ	क	ब	र
म		ता	क		क	त	र	ना		ख
रू	ह		ह	ल	वा		दा		आ	ना
द	म	दा	र		स	न	स	ना	ना	

जेप्टो पर अब आयुष का स्टोर लॉन्च, मिलेंगे पारंपरिक आयुष स्वास्थ्य और वेलनेस प्रोडक्ट्स

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री प्रतापराव जाधव ने जेप्टो ऐप पर आयुष स्टोर लॉन्च किया। इस स्टोर में भारत के पारंपरिक आयुष स्वास्थ्य और वेलनेस प्रोडक्ट्स मिलेंगे। अब लोग इन्हें जेप्टो ऐप से ऑनलाइन ऑर्डर करके घर पर मिनटों में पा सकते हैं। यह पहल आयुष निर्यात संवर्धन परिषद और जेप्टो के बीच चल रहे सहयोग का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य पारंपरिक भारतीय स्वास्थ्य और कल्याण उत्पादों की डिजिटल उपस्थिति और उपभोक्ता पहुंच को बढ़ाना है। इस मौके पर प्रतापराव जाधव ने अपने संबोधन में कहा, कि यह संयुक्त प्रयास प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'वोकल फॉर लोकल' दृष्टिकोण और भारत को वैश्विक कल्याण और पारंपरिक चिकित्सा हब के रूप में स्थापित करने की दिशा में पूरी तरह मेल खाता है। आयुष उत्पादों की डिजिटल पहुंच बढ़ाने से उत्पादकों और चिकित्सकों को आधुनिक उपभोक्ताओं से जोड़ने में मदद मिलेगी और भारत के स्वदेशी स्वास्थ्य क्षेत्र को सशक्त बनाने की व्यापक दृष्टि का समर्थन होगा। इसका फायदा छोटे और स्थानीय आयुष उत्पाद बनाने वालों को भी होगा। आयुष सचिव वैद्य राजेश कोटेचा ने कहा कि इससे पारंपरिक स्वास्थ्य उपायों को डिजिटल दुनिया में लाने में मदद मिलेगी और लोगों के लिए इन्हें खरीदना आसान होगा। जेप्टो के अधिकारी रचित रंजन ने बताया कि कंपनी की कोशिश है कि सभी आयुष उत्पाद लोगों तक जल्दी और आसानी से पहुँचें।

सुप्रीम कोर्ट में क्षेत्रीय बेंचों की हो स्थापनाः पी विल्सन

नई दिल्ली। राज्यसभा में शून्यकाल में न्यायिक सुधारों का मुद्दा उठाते हुए द्रविण मुनेत्र कड़गम के सदस्य पी विल्सन ने सुप्रीम कोर्ट में क्षेत्रीय बेंचों की स्थापना की मांग की। उन्होंने कहा कि इससे देश के विभिन्न हिस्सों के लोगों को आसानी से न्याय मिलेगा और न्याय व्यवस्था अधिक सुलभ बनेगी। सांसद ने न्यायपालिका में सामाजिक प्रतिनिधित्व की कमी पर भी चिंता जताई। उन्होंने बताया कि पिछले पांच वर्षों में उच्च न्यायालयों में नियुक्त 593 न्यायाधीशों में से 473 यानी करीब 80 प्रतिशत अग्रणी समुदायों से हैं। वहीं सुप्रीम कोर्ट में फिलहाल केवल एक महिला न्यायाधीश, दो धार्मिक अल्पसंख्यक समुदायों से और एक न्यायाधीश अनुसूचित जाति से हैं, जबकि अनुसूचित जनजाति से कोई भी न्यायाधीश नहीं है। न्यायपालिका में व्यापक सामाजिक प्रतिनिधित्व जरूरी है, ताकि यह देश के समाज की विविधता को सही रूप में प्रतिबिंबित कर सके।इसके अलावा उन्होंने न्यायपालिका में न्यायाधीशों की कम संख्या का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि देश में जज-जनसंख्या अनुपात काफी कम है और उच्च न्यायालयों में बड़ी संख्या में पद खाली पड़े हैं, जबकि स्वीकृत पदों की संख्या भी पर्याप्त नहीं है।

मुख्यमंत्री यादव के प्रयासों से मप्र के किसानों को मिली बड़ी सौगात, केंद्र ने दी कई अहम मंजूरियां

भोपाल। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के प्रयासों से प्रदेश के किसानों को केंद्र सरकार से कई और बड़ी महत्वपूर्ण मंजूरियां मिली हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने नई दिल्ली में केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान से मुलाकात कर राज्य के किसानों और ग्रामीण विकास से जुड़े कई महत्वपूर्ण मुद्दों को प्रमुखता से उठाया, जिस पर केंद्र ने सकारात्मक निर्णय लिए। बैठक में पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रह्लाद सिंह पटेल और वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे। इस उच्च स्तरीय चर्चा में ग्रामीण सड़कों सहित अनेक विषयों पर मध्यप्रदेश को बड़ी राहत देने वाले निर्णय लिये गये। मुख्यमंत्री ने बैठक के बाद सोशल मीडिया के माध्यम से केन्द्र के मप्र के किसानों के लिए निर्णयों की जानकारी साझा की है।

सरसों किसानों को मिलेगा भावांतर भुगतान

मुख्यमंत्री डॉ. यादव के आग्रह पर सरसों की खरीद से जुड़े मुद्दों पर महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया। केंद्रीय कृषि मंत्री चौहान ने भावांतर भुगतान योजना के तहत मध्यप्रदेश के प्रस्ताव को मंजूरी देते हुए संबंधित विभागों को भुगतान प्रक्रिया तेजी से पूरा करने के निर्देश दिए। इससे राज्य के सरसों उत्पादक किसानों को सीधा लाभ मिलेगा।

वीओ चिदंबरनार बना डिजिटल प्रतिरूप मंच लागू करने वाला देश का पहला बंदरगाह

नई दिल्ली। तमिलनाडु का वीओ चिदंबरनार बंदरगाह देश का पहला ऐसा बंदरगाह बन गया है जिसने डिजिटल ट्विन प्लेटफॉर्म लागू किया है। इससे बंदरगाह की अधोसंरचना, परिचालन संपत्तियों और समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र की वास्तविक समय की वर्चुअल प्रतिकृति (सटीक रूपरेखा) तैयार होगी, जिससे परिचालन दक्षता बढ़ेगी, जहाजों के वापसी के समय में कमी आएगी और ऊर्जा उपयोग का अनुकूलन कर कार्बन उत्सर्जन घटाया जा सकेगा। केंद्रीय पत्तन, पोत परिवहन एवं जलमार्ग मंत्रालय ने बताया कि यह पहल बंदरगाह प्रबंधन को स्मार्ट, कुशल और तकनीक-आधारित बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। इसका उद्घाटन 23 फरवरी को मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने किया था। डिजिटल प्रतिरूप मंच बंदरगाह की अधोसंरचना, परिचालन संपत्तियों और समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र की वास्तविक समय की वर्चुअल प्रतिकृति तैयार करेगा। इससे परिचालन की बेहतर निगरानी, पूर्वानुमान विश्लेषण और डेटा-आधारित निर्णय लेने में मदद मिलेगी। प्लेटफॉर्म में आईओटी सेंसर, जीपीएस ट्रैकिंग, लाइडार मैपिंग, ड्रोन इमेजिंग और सीसीटीवी नेटवर्क जैसी उन्नत तकनीकों का एकीकरण किया गया है, जिससे बंदरगाह की वास्तविक स्थिति का लगातार आकलन संभव होगा और सभी विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित होगा।

डीए के भुगतान में देरी को लेकर पश्चिम बंगाल के कर्मचारी हड़ताल पर

एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल सरकार के कर्मचारियों का प्रतिनिधित्व करने वाले संग्रामी युवतो मंच (जॉइंट मूवमेंट फोरम) के संयुक्त संगठन के तहत एकजुट विभिन्न संघों ने शुक्रवार को पूरी हड़ताल शुरू कर दी है। इसका उद्देश्य सरकार की ओर से महंगाई भत्ता (डीए) के भुगतान में कथित हिचकिचाहट और निष्क्रियता के प्रति अपना असंतोष व्यक्त करना है। संग्रामी युवतो मंच (जॉइंट मूवमेंट फोरम) के अनुसार, राज्य सरकार ने पिछले महीने सुप्रीम कोर्ट के उस आदेश की अनदेखी करने के पर्याप्त संकेत दिए हैं, जिसमें 2008 से 2019 तक के महंगाई भत्ता (डीए) बकाया का 25 प्रतिशत 31 मार्च तक भुगतान करने का निर्देश दिया गया था। इसके अलावा, शीर्ष अदालत द्वारा यह निर्देश दिया गया था कि कर्मचारियों को

मिलने वाला डीए केंद्र सरकार के कर्मचारियों के समान हो और 2008 से जमा हुए बकाया की किश्तों के साथ भुगतान किया जाए। साथ ही, इसे चरणबद्ध तरीके से लागू किया जाए। फोरम के संयोजक भास्कर घोष ने कहा, 'लेकिन अब तक राज्य सरकार ने 2008 से 2019 तक के 25 प्रतिशत डीए बकाया का भुगतान करने के लिए कोई पहल नहीं की है। इसके बजाय, राज्य सरकार ने सुप्रीम कोर्ट से फिर समय मांगा है, ताकि इस वर्ष दिसंबर तक 25 प्रतिशत डीए बकाया का भुगतान किया जा सके। इसलिए हमने शुक्रवार पूरे हड़ताल का निर्णय लिया है।' उन्होंने कहा कि सीधे राज्य सरकार के कर्मचारी ही नहीं बल्कि विभिन्न राज्य-शासित और सहायता प्राप्त स्कूलों के शिक्षक, नगर पालिका निगम, नगर पालिका और पंचायत निकायों सहित विभिन्न स्वायत्त संस्थाओं के कर्मचारी व विभिन्न राज्य सरकारी उपक्रमों के कर्मचारी भी हड़ताल में भाग लेंगे। घोष ने कहा, 'हड़ताल ऐतिहासिक होगी और पिछले डेढ़ दशक में ऐसा कभी नहीं देखा गया।' हालांकि, राज्य सरकार इस हड़ताल को रोकने के लिए उत्सुक है। उसने पहले ही शुक्रवार को संबंधित कर्मचारियों की हाजिरी अनिवार्य करने का नोटिफिकेशन जारी कर दिया है। राज्य सरकार ने यह भी निर्णय लिया है कि किसी भी कर्मचारी को शुक्रवार को कैजुअल लीव या किसी अन्य प्रकार की छुट्टी नहीं दी जाएगी, चाहे वह पहली पाली, दूसरी पाली या पूरे दिन की छुट्टी हो।

पर्याप्त है कुकिंग गैस का भंडार, 'पैनिक बुकिंग' न करें: केंद्र सरकार

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने देश में कुकिंग गैस की संभावित कमी को लेकर उठ रही चिंताओं के बीच गुरुवार को लोगों से एलपीजी सिलेंडर की पैनिक बुकिंग से बचने की अपील करते हुए कहा कि घरेलू उपभोक्ताओं के लिए गैस की शत-प्रतिशत आपूर्ति सुनिश्चित की जाएगी। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की संयुक्त सचिव (मार्केटिंग एवं ऑयल रिफाइनरी) सुजाता शर्मा ने राष्ट्रीय मीडिया केंद्र में आयोजित अंतर-मंत्रालयी प्रेस वार्ता में कहा कि कई राज्यों में कुकिंग गैस की भारी कमी की खबरें सही नहीं हैं और देश में एलपीजी की आपूर्ति सामान्य बनी हुई है। उन्होंने कहा कि मंत्रालय ने आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत आदेश जारी कर सभी रिफाइनरियों को एलपीजी उत्पादन अधिकतम करने के निर्देश दिए हैं। इसके परिणामस्वरूप एलपीजी का घरेलू उत्पादन बढ़कर 28 प्रतिशत हो गया है, जो एक दिन पहले 25 प्रतिशत था। शर्मा ने बताया कि देश में लगभग एक लाख रिटेल आउटलेट संचालित हो रहे हैं और इनमें से किसी भी आउटलेट पर गैस खत्म होने की कोई सूचना नहीं है। उन्होंने कहा कि देश में प्रतिदिन लगभग 50 लाख सिलेंडरों का वितरण किया जा रहा है और वितरण प्रणाली में किसी तरह की कमी की रिपोर्ट नहीं है, लेकिन घबराहट के कारण सिलेंडर बुकिंग में कई गुना वृद्धि देखी गई है। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वे आवश्यकता से अधिक सिलेंडर बुक न करें, क्योंकि इससे वितरण प्रणाली पर अनावश्यक दबाव पड़ता है। उन्होंने कहा कि भारत अपनी एलपीजी की लगभग 60 प्रतिशत आवश्यकता आयात के माध्यम से पूरी करता है।

आंध्रप्रदेश में 47 करोड़ की अवैध सिंथेटिक ड्रग और 3.5 टन रसायन जब्त, दो गिरफ्तार

एजेंसी

नई दिल्ली। वित्त मंत्रालय ने शुक्रवार को बताया कि डायरेक्टरेट ऑफ रेवेन्यू इंटेलिजेंस (डीआरआई) ने आंध्र प्रदेश के एनटीआर जिले के कोंडापल्ली इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट एरिया में एक गुप्त संयंत्र पकड़ा है, जो अलप्राज़ोलम का उत्पादन कर रहा था। यह एक साइकोट्रॉपिक पदार्थ है, जिसे नार्कोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रॉपिक सबस्टेंसेस (एनडीपीएस) एक्ट के तहत नियंत्रित किया जाता है। वित्त मंत्रालय ने बताया कि छापेमारी के दौरान 237 किलोग्राम अलप्राज़ोलम जब्त किया गया, जिसकी अनुमानित बाज़ार कीमत लगभग 47 करोड़ रुपए है। इस खुफिया आधारित अभियान को 'ऑपरेशन व्हाइट हैमर' का कोड नाम दिया गया था। इस अभियान में एक पूरी तरह से कार्यशील औद्योगिक सेटअप का खुलासा हुआ, जो कथित तौर पर अलप्राज़ोलम का उत्पादन कर रहा था और इसे रासायनिक निर्माण इकाई के आड़ में छिपाया गया था। मंत्रालय ने यह भी बताया कि अधिकारियों ने 800 किलोग्राम से अधिक प्रमुख कच्चा माल, 2,860 लीटर विभिन्न रसायन और औद्योगिक उपकरण जैसे रिएक्टर, ड्रायर और सेंट्रीफ्यूज जब्त किए, जो एक संगठित और बड़े पैमाने पर गुप्त दवा निर्माण संयंत्र की मौजूदगी को दर्शाते हैं। प्रारंभिक जांच से पता चला कि यह ऑपरेशन कथित तौर पर

रसायन और फार्मास्यूटिकल क्षेत्र में 20 साल से अधिक अनुभव वाले एक रसायनज्ञ द्वारा संचालित किया गया था। यह व्यक्ति हैदराबाद में कच्चा माल उपलब्ध कराने और वितरण नेटवर्क संभालने वाले सहयोगी के साथ मिलकर काम कर रहा था। अधिकारियों के अनुसार, आरोपी ने अवैध अलप्राज़ोलम उत्पादन के लिए फैक्ट्री परिसर किराए पर लिया था। दोनों कथित मास्टरमाइंड को गिरफ्तार कर लिया गया है और आगे की जांच जारी है। अधिकारियों ने बताया कि वर्तमान वित्त वर्ष के दौरान डीआरआई ने खुफिया-आधारित अभियानों के माध्यम से आठ गुप्त दवा निर्माण इकाइयों को ध्वस्त किया, जो सरकार के नशामुक्त भारत अभियान और समाज व लोगों को नार्कोटिक और साइकोट्रॉपिक पदार्थों के खतरे से सुरक्षित रखने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

पानीपत में अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा का संघ प्रमुख ने किया औपचारिक उद्घाटन

एजेंसी

समालखा। आरएसएस के सह सरकार्यवाह सीआर मुकुंदा ने कहा कि आरएसएस सरसंघचालक मोहन भगवत और सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबले ने औपचारिक दीप प्रज्वलित करके अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा का औपचारिक उद्घाटन किया। संगठन की शताब्दी वर्षगांठ होने के कारण इस आयोजन का विशेष महत्व है। इस शताब्दी वर्ष में आरएसएस के स्वयंसेवक देशभर में संगठनात्मक विस्तार और सामाजिक गतिविधियों को मजबूत करने में लगे हुए हैं। सभी प्रतिनिधि बहुत उत्साह से यहां आए हुए हैं। सीआर मुकुंदा ने कहा कि महाराष्ट्र के पूर्व उपमुख्यमंत्री अजीत पवार को भी संगठन द्वारा याद किया गया और उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई। साथ ही, प्रसिद्ध अभिनेता धर्मेंद्र, तमिल सिनेमा के प्रमुख व्यक्तित्व एम. सरवनन और मुरुगप्पा समूह के पूर्व नेता एम. वेलायन सहित उद्योग और सिनेमा जगत की कई प्रतिष्ठित हस्तियों को याद किया गया। उन्होंने कहा कि संघ का शताब्दी वर्ष है और बीते दो-तीन साल से हमारे सभी कार्यकर्ता

अपने शाखा, कारिका विस्तार में लगे हुए हैं। सभी की मेहनत से शाखा की उपस्थिति में बढ़ोत्तरी हुई है। बता दें कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा इस वर्ष समालखा (पानीपत) में 13, 14 व 15 मार्च को आयोजित की जा रही है। आरएसएस के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर ने इसकी जानकारी दी।

सुनील आंबेकर की ओर से जारी बयान में बताया गया कि संघ की दृष्टि से यह सर्वोच्च निर्णायक इकाई की बैठक होती है। प्रतिवर्ष होने वाली बैठक का आयोजन इस वर्ष ग्राम विकास एवं सेवा साधना केन्द्र, पट्टीकल्याणा, समालखा में हो रहा है। यह वर्ष संघ का शताब्दी वर्ष होने के चलते आयोजित विजयादशमी उत्सव, गृहसंपर्क, हिन्दू सम्मेलन, युवा सम्मेलन, प्रमुख नागरिक गोष्ठी, सामाजिक सद्भाव बैठकें आदि कार्यक्रमों और अभियानों के वृत्तांत के साथ-साथ अनुभवों पर बैठक में विशेष चर्चा रहेगी। प्रतिनिधि सभा में गत वर्ष 2025-26 के संघ कार्य की समीक्षा और प्रांतों में हुए विशेष कार्यों का भी उल्लेख होगा।

पंजाब सरकार एलपीजी आपूर्ति पर नजर रख रही है: मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान

एजेंसी

चंडीगढ़। खाड़ी क्षेत्र में जारी युद्ध और एलपीजी सिलेंडरों की संभावित कमी की अफवाहों के मद्देनजर, पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने गुरुवार को कहा कि राज्य सरकार पूरी तरह सतर्क है और स्थिति पर कड़ी नजर रख रही है ताकि लोगों को आवश्यक वस्तुओं तक पहुंचने में कोई कठिनाई न हो। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि राज्य सरकार किसी भी परिस्थिति में घबराहट, जमाखोरी या उपभोक्ताओं के शोषण को बर्दाश्त नहीं करेगी। मुख्यमंत्री मान ने कहा कि खाड़ी देशों में तनाव के कारण पूरे भारत में एलपीजी की संभावित कमी की अफवाहें तेजी से फैल रही हैं, जिससे जनता में अनावश्यक चिंता पैदा हो रही है।उन्होंने कहा कि खाड़ी देशों में युद्ध के कारण एलपीजी सिलेंडरों की कमी की अफवाहें फैलाई जा रही हैं। पंजाब सरकार पूरी तरह सतर्क है और स्थिति पर कड़ी नजर रख रही है। सभी उपायुक्तों को निर्देश दिया गया है कि आवश्यक वस्तुओं की कोई कमी न हो और लोगों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। हालात का फायदा उठाने की कोशिशों के खिलाफ चेतावनी देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति में दहशत फैलाने या हेरफेर करने की कोशिश करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करेगी।

मुख्यमंत्री मान ने जोर देकर कहा कि यदि कोई भी आवश्यक वस्तुओं की जमाखोरी करके या कमी की अफवाहें फैलाकर लोगों को गुमराह करने की कोशिश करता है, तो उसके खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने यह भी स्पष्ट कर दिया कि एलपीजी सिलेंडरों की कालाबाजारी या अधिक कीमत वसूलना बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और अधिकारियों को बाजार पर कड़ी निगरानी रखने के निर्देश दिए गए हैं।

उन्होंने आगे कहा कि यदि कोई भी एलपीजी सिलेंडरों की कालाबाजारी में शामिल पाया जाता है या निर्धारित मूल्य से अधिक कीमत वसूलता है, तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि उन्होंने केंद्र सरकार से इस मामले को उठाया है ताकि एलपीजी सिलेंडरों की पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित की जा सके और आने वाले दिनों में आम लोगों को असुविधा न हो। उन्होंने दोहराया कि राज्य सरकार नागरिकों के हितों की रक्षा करने और यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि आवश्यक वस्तुएं जनता को आसानी से उपलब्ध रहें।

मानवाधिकार पर आधारित सात लघु फिल्मों के विजेताओं की घोषणा

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने मानवाधिकारों पर आधारित लघु फिल्मों की अपनी 11वीं वार्षिक प्रतियोगिता के 7 विजेताओं की घोषणा की। आयोग के अनुसार आयोग की जूरी ने देश के विभिन्न हिस्सों से लगभग 24 भाषाओं और बोलियों में प्राप्त 526 प्रविष्टियों में से पुरस्कार विजेता फिल्मों का चयन किया। उत्तर प्रदेश की सुश्री सारिका जैन द्वारा निर्मित लघु फिल्म 'रानी' ने प्रथम केरल के अमल एस. की फिल्म 'मीनवाइल शी ने द्वितीय और तमिलनाडु की साई शशांक ताती की फिल्म 'द डिलीवरी' ने तृतीय पुरस्कार जीता। 'रानी' फिल्म एक युवा महिला के परिवर्तनकारी दृष्टिकोण से घरेलू कामगार महिलाओं की ओर से सामना किए जाने वाले वर्ग विभाजन असमानता और चुनौतियों को दर्शाती है तथा उनके मानवाधिकारों को प्रभावित करती है। 'मीनवाइल शी...' फिल्म लैंगिक रूढ़ियों और

घरेलू हिंसा की चुनौतियों के बीच कामकाजी महिलाओं के मानवाधिकारों से संबंधित चिंताओं पर आधारित है। 'द डिलीवरी' फिल्म गिग कर्मचारियों के संघर्षों और उनके मानवाधिकारों से संबंधित चिंताओं को उजागर करती है।

रूस ने भारत को एलएनजी सप्लाई फिर शुरू करने की जताई इच्छा

नई दिल्ली। भारत में रूस के राजदूत डेनिस अलीपोव ने कहा है कि रूस भारत को लिक्विफाइड नेचुरल गैस (एलएनजी) की आपूर्ति देने के लिए तैयार है और दोनों देशों के बीच ऊर्जा सहयोग को फिर से आगे बढ़ाया जा सकता है। मीडिया को दिए एक इंटरव्यू में अलीपोव ने बताया कि कुछ वर्ष पहले भारत को एलएनजी सप्लाई के लिए कई व्यवस्थाएं और अनुबंध किए गए थे, लेकिन पश्चिमी देशों के प्रतिबंधों के कारण इन योजनाओं पर असर पड़ा और वे पूरी तरह लागू नहीं हो सके। राजदूत ने कहा कि रूस भारत के साथ ऊर्जा क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने का इच्छुक है और भविष्य में एलएनजी सप्लाई को दोबारा शुरू करने की संभावनाओं पर काम किया जा सकता है। उनका कहना था कि दोनों देशों के बीच ऊर्जा क्षेत्र में साझेदारी मजबूत करने से आपूर्ति की स्थिरता और आर्थिक सहयोग को भी बढ़ावा मिलेगा। माना जा रहा है कि अगर रूस से एलएनजी की आपूर्ति फिर शुरू होती है।

मध्य प्रदेश में घरेलू गैस की कोई कमी नहीं, निर्बाध आपूर्ति रहेगी जारीः मुख्यमंत्री डॉ. यादव

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि नागरिकों को रसोई गैस संबंधी परेशानी नहीं होगी। प्रदेश में घरेलू रसोई गैस सहित पीएनजी और सीएनजी की कोई कमी नहीं है और उपभोक्ताओं को निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गुरुवार देर शाम एक बयान में कहा कि वर्तमान में मिडिल ईस्ट-एशिया में युद्ध की स्थितियों के संदर्भ में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मंत्रीगण सजग हैं। नागरिकों को चिंतित होने की आवश्यकता नहीं है, केंद्र और राज्य सरकार के स्तर पर कालाबाजारी रोकने के लिए पूरे प्रबंधन किए गए हैं। उन्होंने कहा कि पश्चिम एशिया में भू-राजनीतिक गतिविधियों के कारण से पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस के संबंध में वर्तमान स्थितियों में अभी तक अधिकांश कच्चे तेल की आपूर्ति स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से होती थी, जिसे परिवर्तित कर अन्य स्थानों से भी कच्चे तेल की आपूर्ति सुनिश्चित की गई है। साथ ही देश की रिफाइनरी उच्च क्षमता पर कार्य कर रही है। प्राकृतिक गैस की आपूर्ति के लिये वैकल्पिक आपूर्तिकर्ता के माध्यम से खरीदी प्रक्रिया जारी है। मुख्यमंत्री ने बताया कि घरेलू पीएनजी और सीएनजी की आपूर्ति बिना कटौती के हो रही है। रिफाइनरी को एलपीजी उत्पादन अधिकतम करने के निर्देश दिए गए हैं, जिससे वर्तमान में एलपीजी उत्पादन में लगभग 25 प्रतिशत की वृद्धि भी हुई है। इसके अलावा एक विशेष उपलब्धि प्राप्त हुई है कि जिसमें स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से गुजरने वाले ऐसे जहाज एवं टेंकर जिनमें भारतीय फ्लेग लगे हैं उनको नहीं रोका जाएगा, यह एक राजनयिक विजय है, जिससे पेट्रोलियम सप्लाई में बाधा समाप्त होगी। उन्होंने बताया कि गैस आपूर्ति प्रबंधन के लिये प्राकृतिक गैस नियंत्रण आदेश जारी किया गया है, जिससे देश में किसी भी प्रकार की घरेलू गैस की आपूर्ति में कमी न हो। उपरोक्त के अनुक्रम में प्रदेश में पेट्रोल, डीजल, एटीएस, क्रूड ऑयल और घरेलू गैस की किसी प्रकार की कमी की स्थिति नहीं है तथा निरंतर आपूर्ति जारी है। पेट्रोलियम पदार्थों की कीमत में किसी प्रकार की वृद्धि नहीं हुई है। इसी के दृष्टिगत मुख्यमंत्री डॉ. यादव के निर्देशानुसार वरिष्ठ मंत्रियों की समिति का गठन भी किया गया है।

मुख्यमंत्री के निर्देश पर प्रदेश के मुख्य सचिव अनुराग जैन ने गुरुवार देर शाम वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से कमिश्नर-कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक के साथ पश्चिम-मध्य एशिया में युद्ध के कारण उत्पन्न हुई स्थिति के दृष्टिगत एलपीजी सहित अन्य ईंधन की उपलब्धता की समीक्षा की और आवश्यक निर्देश दिए। बैठक में डीजीपी कैलाश मकवाना और एसीएस शिवशेखर शुक्ला एवं रश्मि अरुण शमी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे। मुख्य सचिव जैन ने कलेक्टर्स से कहा कि घरेलू गैस वितरण की ऑनलाइन व्यवस्था को और मजबूत करें तथा इससे जुड़ी कंपनियां भी सर्वर आदि की क्षमता बढाएं जिससे रिफिल बुकिंग ओटीपी जनरेशन और वितरण बिना असुविधा के सुनिश्चित किया जा सके।

मोबाइल आई-केयर यूनिट द्वारा प्रदेश के दूरस्थ इलाकों में नेत्र जांच एवं उपचार हो रहा सुलभ : भजनलाल शर्मा

एजेंसी

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि ऑल इंडिया ऑफ्थल्मोलॉजिकल सोसाइटी की वार्षिक कॉन्फ्रेंस में नेत्र-चिकित्सा पर ज्ञान का आदान-प्रदान होगा। साथ ही, इसमें नई तकनीकों और नवाचारों पर चर्चा होगी, जिससे देश-विदेश के नेत्र चिकित्सकों एवं विशेषज्ञों के बीच आपसी सहयोग प्रगाढ़ बनेगा। उन्होंने कहा कि एआईओसी 2026 एक नई दृष्टि, नई सोच और नए भारत के निर्माण का संकल्प मंच है। इसके निष्कर्ष, विचार एवं संकल्प नेत्र चिकित्सा के क्षेत्र में नया अध्याय लिखेंगे। इससे आने वाली नई तकनीकों, दवाइयों एवं शल्य चिकित्सा पद्धतियों को प्रदेश के सरकारी अस्पतालों में अपनाने के लिए हमारी सरकार हर संभव सहयोग करेगी। शर्मा गुरुवार को जेईसीसी, सीतापुरा में ऑल इंडिया ऑफ्थल्मोलॉजिकल सोसाइटी की 84वीं वार्षिक कॉन्फ्रेंस को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य क्षेत्र में देश में अभूतपूर्व काम हुए हैं। मेडिकल कॉलेज खुले हैं तथा भविष्य में चिकित्सा क्षेत्र को और अधिक मजबूत बनाने के लिए भारत में करोडों लोग दृष्टिहीनता या दृष्टि दोष से प्रभावित हैं, जिनमें बड़ी संख्या ग्रामीण एवं गरीब वर्ग की है। इसलिए तकनीकी नवाचार, जन जागरूकता और नीतिगत इच्छाशक्ति से अंधता का उन्मूलन किया जा

काम किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि इस आयोजन में 'हेल्थी आईज-हैप्पी लाईव्स' का संदेश सामाजिक सोच की अद्भुत मिसाल है। मुख्यमंत्री ने कहा कि दृष्टि हमारे जीवन की गुणवत्ता, शिक्षा, रोजगार और सामाजिक भागीदारी से सीधे जुड़ी है। सकता है। उन्होंने कहा कि इस आयोजन की वैज्ञानिक चर्चाएं, शोध एवं नवाचार लाखों लोगों के जीवन में उजाला लाने का माध्यम बनेंगी।

शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना के तहत गरीब एवं मध्यम वर्ग के नागरिकों को नेत्र रोग संबंधी उपचार निशुल्क उपलब्ध कराया जा रहा है। साथ ही, स्कूल आई-स्क्रीनिंग कार्यक्रम के माध्यम से बच्चों में दृष्टि दोष की पहचान एवं उपचार भी सुनिश्चित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जीवन ज्योति प्रोजेक्ट के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में मोबाइल आई-केयर यूनिट द्वारा दूरस्थ इलाकों में नेत्र जांच एवं उपचार मिल रहा है। नेत्रदान जागरूकता अभियान को जन-आंदोलन का रूप देते हुए 'एक दान, दो जीवनों में रोशनी' का संदेश घर-घर पहुंच रहा है।

उन्होंने कहा कि मधुमेह जनित अंधेपन की रोकथाम के लिए विशेष स्क्रीनिंग कार्यक्रम शुरू किए हैं। राजस्थान आज तकनीकी नवाचार में भी तेजी से प्रगति कर रहा है। एआई आधारित रेटिनल स्क्रीनिंग, टेलीमेडिसिन एवं डिजिटल आई-केयर के माध्यम से दूरदराज के क्षेत्रों में विशेषज्ञ सेवाएं पहुंचाने की दिशा में हम काम कर रहे हैं।

टेम्पल टाउन डेवलपमेंट फ्रेमवर्क के तहत आलंदी को किया जाए शामिल- डॉ. मेधा कुलकर्णी

एजेंसी

नई दिल्ली। राज्य सभा सदस्य डॉ. मेधा विश्राम कुलकर्णी ने टेम्पल टाउन डेवलपमेंट फ्रेमवर्क के अंतर्गत आलंदी को शामिल करने की मांग की। सदन में विशेष उल्लेख के तहत हो रही चर्चा में भाग लेते हुए डॉ. मेधा विश्राम कुलकर्णी ने कहा कि महाराष्ट्र में स्थित मराठी संत ज्ञानेश्वर महाराज की पावन नगरी आलंदी को टेम्पल टाउन डेवलपमेंट फ्रेमवर्कमें शामिल किया जाए। उन्होंने कहा कि आलंदी देश के सबसे श्रद्धेय तीर्थ स्थलों में से एक है और इसका आध्यात्मिक, सांस्कृतिक तथा ऐतिहासिक महत्व अत्यंत विशिष्ट है। यहाँ प्रतिवर्ष लाखों श्रद्धालु आते हैं, विशेषकर आषाढ़ी और कार्तिकी वारी के दौरान, जिससे नागरिक बुनियादी ढांचे, स्वच्छता, यातायात प्रबंधन, सार्वजनिक सुविधाओं और पर्यावरणीय संसाधनों पर अत्यधिक दबाव पड़ता है। डॉ. मेधा विश्राम कुलकर्णी ने कहा कि राष्ट्रीय स्तर पर आध्यात्मिक महत्व होने के बावजूद, आलंदी आज भी अनियोजित शहरीकरण

और अपर्याप्त बुनियादी ढांचे के कारण गंभीर चुनौतियों का सामना कर रहा है। हाल ही में केंद्रीय बजट में मंदिर नगरों और टियर-II शहरों में बुनियादी ढांचे को सुदृढ़ करने पर दिया गया जोर इन लंबे समय से चली आ रही समस्याओं के समाधान के लिए एक समयोचित और उपयुक्त नीति अवसर प्रदान करता है। इस फ्रेमवर्क के अंतर्गत आलंदी को शामिल करने से तीर्थयात्रियों की सुविधाओं, स्वच्छता, सीवेज तथा ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, नदी तट विकास, बाढ़ नियंत्रण, सार्वजनिक परिवहन, पार्किंग, सड़क संपर्क और धरोहर संरक्षण में केंद्रित निवेश संभव होगा। इसके अलावा, आलंदी की पहचान इंद्रायणी नदी से गहराई से जुड़ी हुई है, जिसके लिए त्वरित पुनर्जीवन और प्रदूषण नियंत्रण आवश्यक है। उन्होंने कहा कि टेम्पल टाउन का दर्जा मिलने से नदी के पुनर्स्थापन और शहरी विकास के साथ समन्वित योजना बन सकेगी, जिससे पर्यावरणीय स्थिरता और जनस्वास्थ्य सुनिश्चित होगा।

हॉकी विश्वकप 2026: खिताब जीतने पर भारतीय महिला टीम का ध्यान, सेमीफाइनल में इटली की चुनौती

हैदराबाद (एजेंसी)। एफआईएच हॉकी महिला विश्वकप 2026 के लिए क्वालिफाई कर चुकी भारतीय टीम घरेलू दर्शकों के सामने इटली के खिलाफ शुक्रवार को सेमीफाइनल में जीत दर्ज कर टूर्नामेंट के खिताब की ओर कदम बढ़ाने उतरेगी। भारतीय टीम पूल बी में तीन मैचों में सात पॉइंट्स और स्कॉटलैंड पर बेहतर गोल डिफरेंस के साथ शीर्ष पर है। मेजबान टीम ने पूल स्टेज में दो जीत और एक ड्रॉ दर्ज किया।

भारत ने अपने अभियान की शुरुआत उरुग्वे के खिलाफ 4-0 की जबरदस्त जीत के साथ की। अपने दूसरे मैच में, उन्होंने स्कॉटलैंड के खिलाफ 2-2 से करीबी मुकाबला ड्रॉ खेला और फिर वेल्स पर 4-1 की आसान जीत के साथ ग्रुप स्टेज खत्म किया। पूल स्टेज में शानदार प्रदर्शन के साथ भारत ने टूर्नामेंट के नियम के तहत एफआईएच हॉकी वर्ल्ड कप 2026 के लिए अपना क्वालिफिकेशन पक्का कर लिया, जिसके तहत दो क्वालिफाइंग इवेंट्स में चौथे नंबर पर रहने वाली दुनिया की सबसे ऊंची रैंक वाली टीम को वर्ल्ड कप में जगह मिलती है।

क्वालिफायर्स का सैंटियागो लेग पहले खत्म हो गया था, जहां चिली, ऑस्ट्रेलिया और आयरलैंड ने तीन डायरेक्ट क्वालिफिकेशन स्पॉट हासिल किए थे। जापान सैंटियागो में चौथे नंबर पर रहा और अभी दुनिया में 15वें नंबर पर है। दुनिया भर नौवें नंबर की टीम मेजबान भारत ने कम से कम यह पक्का कर लिया है कि वे दोनों टूर्नामेंट्स में सबसे ऊंची रैंक वाली चौथी टीम के तौर पर खत्म करेंगे, जिससे विश्व कप के लिए उनका टिकट पक्का हो गया है। अब उसका मकसद अपनी लय बनाए रखते हुए फाइनल में जगह बनाने पर होगा।

फाइनल में भारत का मुकाबला इटली से होगा। इटली पूल ए में चार अंक के साथ दूसरे नंबर पर रहा है, जिसने एक जीत, एक ड्रॉ और एक हार दर्ज की है, जिससे मेजबान टीम को सेमीफाइनल से पहले थोड़ी साइकोलॉजिकल बढ़त मिली है। भारत की फॉरवर्ड नवनीत कौर के शानदार फॉर्म को भी आगे बढ़ाना चाहेगा, जो अभी चार गोल के साथ टूर्नामेंट की संयुक्त शीर्ष स्कोरर हैं। उन्होंने वेल्स के खिलाफ आखिरी पूल मैच में हैट्रिक बनाकर शानदार प्रदर्शन किया था।

वहीं इटली की बात की जाए तो वह फेडेरिका काटर पर निर्भर रहेगा, जो उनकी मुख्य अटैकिंग खिलाड़ी रही हैं और उन्होंने अब तक इस कॉम्पिटिशन में तीन गोल किए हैं। हेड-टू-हेड मुकाबलों की बात करें तो, भारत और इटली 2012 से सात बार एक-दूसरे से भिड़ चुके हैं। भारत ने उनमें से पांच मैच जीते हैं, जबकि इटली ने एक जीत दर्ज की है और एक गेम ड्रॉ रहा है, जिससे मेजबान टीम को सेमीफाइनल से पहले थोड़ी साइकोलॉजिकल बढ़त मिली है।

सेमीफाइनल से पहले भारतीय टीम के मुख्य कोच शोर्ड मारिन ने कहा, 'एफआईएच हॉकी विमेंस वर्ल्ड कप 2026 के लिए क्वालिपाई करना इस ग्रुप के लिए एक जरूरी माइलस्टोन है, और प्लेयर्स ने टूर्नामेंट में अब तक जिस तरह का प्रदर्शन किया है, उसके लिए वे बहुत क्रेडिट की हकदार हैं। उन्होंने पूरे

पूल स्टेज में अच्छा डिसिप्लिन, कॉम्पोजर और अटैकिंग इंटेंट दिखाया है।

इटली एक कॉम्पिटिटिव टीम है और उन्होंने इस टूर्नामेंट में दिखाया है कि वे मजबूत टीमों को परेशान कर सकते हैं। हमारे लिए, फोकस अपने प्लान को अच्छी तरह से एग्जिक्यूट करने, अपने स्ट्रक्चर को बनाए रखने और उसी ऊर्जा और विश्वास के साथ खेलते रहने पर होगा।' भारतीय महिला टीम शुक्रवार को शाम सात बजकर 30 मिनट पर सेमीफाइनल में इटली से भिड़ेगी।

वैभव को एशियाई खेलों के लिए मिल सकती है भारतीय टीम में जगह

इंडियन वेल्स (एजेंसी)। मुम्बई (ईएमएस)। उभरते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को इस भारतीय सीनियर क्रिकेट टीम से डेब्यू का अवसर मिल सकता है। इसका कारण है कि इस साल भारतीय टीम का काफी व्यस्त कार्यक्रम है और उसे अपनी धरती के साथ ही विदेशी मैदानों पर भी काफी क्रिकेट खेलना है। इसी को देखते हुए ये भी हो हो सकता है भारतीय बोर्ड दो टीमें उतारे जिस एक अनुभवी और दूसरी युवा क्रिकेटरों से भरी रहेगी। उसे जून से लेकर अक्टूबर तक लगाता कई टीमों से खेलना है। इसी दौरान उसे जिम्बाब्वे के अलावा नई टीम आयरलैंड से भी खेलना है। वैभव ने पिछले कुछ समय से भारतीय अंडर 19 के लिए काफी अच्छा प्रदर्शन किया है। इसी को देखते हुए उन्हें इस साल के अंत में एशियाई खेलों में उतरने का अवसर मिल सकता है।

वर्तमान कार्यक्रम के अनुसार भारतीय टीम को जून में अफगानिस्तान के खिलाफ एक टेस्ट और तीन एकदिवसीय मुकाबले खेलने हैं, जिसके बाद जुलाई में वह सीमित ओवरों के लिए इंग्लैंड का दौरा करेगी। भारतीय टीम इस दौरान 5 टी20 के साथ ही 3 एकदिवसीय मैच खेलेगी। इसके अलावा इस व्यस्त कार्यक्रम के बीच दो नए दौरे भी जुड़ सकते हैं। इंग्लैंड पहुंचने से पहले भारत डबलिन में आयरलैंड के खिलाफ तीन टी20 मैचों की छोटी सीरीज खेल सकता है। वहीं श्रीलंका क्रिकेट समुद्री तूफान 'दित्वह' से हुए नुकसान की कमी पूरी करने के लिए भारत के खिलाफ दो टेस्ट मैचों से पहले तीन टी20 मैच खेलने का अनुरोध कर सकती है।

आईसीसी ने टी20 विश्वकप विजेताओं पर की इनामों की बारिश, भारतीय टीम को मिले 24 करोड़

-उपविजेता न्यूजीलैंड को मिले 13 करोड़ रुपये

दुबई (एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने पुरुष टी20 विश्वकप 2026 के लिए इनामी राशि घोषित कर दी है। टूर्नामेंट में कुल 11.25 मिलियन अमेरिकी डॉलर करीब (1 अरब, 39 करोड़, 4 लाख, 43 हजार) की इनामी राशि दी गयी है। इस बार की इनामी राशि पिछली बार से अधिक है। इसमें विजेता भारतीय टीम को 2.63 मिलियन डॉलर करीब 24.3 करोड़ रुपये जबकि उपविजेता न्यूजीलैंड को 26,39,423 अमेरिकी करीब 13 करोड़ की इनामी राशि मिली है। वहीं सेमीफाइनल हारने वाली दक्षिण अफ्रीकी टीम को 10,05,577 डॉलर करीब 9 करोड़ रुपये और इंग्लैंड की टीम को 9,74,423 डॉलर करीब 8 करोड़ रुपये मिले हैं। वहीं सुपरआठ की चार टीमों, वेस्टइंडीज को 5,38,269 डॉलर करीब 4 करोड़ 95 लाख रुपये। वहीं पाकिस्तान 4,91,538 डॉलर करीब 4 करोड़ 80 लाख। जिम्बाब्वे को 4,91,538 डॉलर करीब 4 करोड़ 51 लाखा, श्रीलंका को 475,962 डॉलर करीब 4 करोड़ 37 लाख रुपये मिलेंगे।

इस बीच, जो टीमें सुपर 8 स्टेज तक पहुंचीं लेकिन आगे नहीं बढ़ पाईं, जिनमें अफगानिस्तान, ऑस्ट्रेलिया और यूएसए शामिल हैं, उनमें से प्रत्येक टीम को 3,09,808 डॉलर दिए जाएंगे। 2 करोड़ 85 लाख रुपये दिये जाएंगे।

शेष प्रतिभागियों में स्कॉटलैंड को 2,78,654 डॉलर करीब 2 करोड़ 56 लाख और आयरलैंड को 2,71,731 डॉलर करीब 2 करोड़ 49 लाख रुपये मिलेंगे। इस बीच, इटली, नीदरलैंड्स, यूनाइटेड अरब अमीरात और नेपाल को 2,56,154 डॉलर करीब 2 करोड़ 35 लाख रुपये देने की घोषणा की गई है

टी20 वर्ल्ड कप 2026 के पहले स्टेज में बाहर हो होने वाली कनाडा, नामीबिया और ओमान की टीमों को 2,25,000 डॉलर करीब 2 करोड़ 6 लाख का इनाम लाग लेने के लिए दिया गया है।

पिछले विश्वकप की तरह खेलते तो शायद ही जीत मिलती: सूर्यकुमार

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव का मानना है कि समय के साथ ही खेल की रफ्तार भी बदल रही है, ऐसे में आक्रामक अंदाज अपनाना सफल रहा। वहीं अगर अगर भारतीय टीम पिछले टी20 विश्व कप की तरह खेलती तो उसे इसबार शायद ही जीत मिलती। सूर्या का कहना है कि पिछली बार जब रोहित शर्मा और विराट कोहली के समय भारतीय टीम जीती थी तब हालात अलग थे। वहीं अब अलग हैं।

कप्तान रोहित और कोच राहुल द्रविड़ के नेतृत्व में भारतीय टीम का खेल बेहद संतुलित और अनुभव पर आधारित माना जाता था। यह रणनीति 2024 तक प्रभावी रही पर दो साल बाद टी20 क्रिकेट की बदलती मांगों के सामने यह थोड़ी धीमी और पारंपरिक लगने लगी। इसी कारण सूर्यकुमार और

मुख्य कोच गौतम गंभीर ने इस बार खिलाड़ियों को निडर होकर खेलने को कहा। इससे टीम में यह साफ संदेश दिया गया कि अब कोई भी खिलाड़ी निजी उपलब्धियों के पीछे न जाकर टीम की जीत के लिए खेलेगा। इसी कारण जरूरत के अनुसार किसी भी खिलाड़ी को किसी भी क्रम पर उतारा गया। सूर्यकुमार ने कहा, हमें पता था कि 2024 टी20 विश्व कप में जिस तरह का क्रिकेट हमने खेला था, वह आगे काम नहीं करेगा। इसलिए हमने तय किया कि अब व्यक्तिगत रिकॉर्ड पर ध्यान नहीं देंगे, हमारा ध्यान सिर्फ मैच जीतना होगा। इसी कारण सेमीफाइनल तक हमारे किसी भी खिलाड़ी का नाम सबसे ज्यादा रन बनाने वालों या सबसे ज्यादा विकेट लेने वालों की सूची में नहीं था पर इसके बाद भी हम जीत रहे थे। इस कारण है कि हर खिलाड़ी योगदान दे रहा था। उन्होंने आगे कहा कि इस सोच को टीम में शुरू से ही मजबूत करना जरूरी था।वहीं भारतीय टीम के बल्लेबाजी कोच सितांशु कोटक से भी माना है कि साल 2024 और 2026 की टीमों के बीच अंतर था। उनका मानना है कि 2024 की टीम अनुभव से भरी थी पर उसमें इतनी आक्रामकता नहीं थी। तब रोहित आक्रामक होकर खेलते थे जबकि विराट एक छोर संभाले रहते थे। वहीं अब टीम में कम अनुभव वाले खिलाड़ी हैं, लेकिन उनमें आक्रामकता और आत्मविश्वास भरा हुआ है। टीम में तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और हार्दिक पंड्या जैसे खिलाड़ी संतुलन लाते हैं, जबकि अभिषेक शर्मा जैसे युवा खिलाड़ी अपनी अलग शैली के साथ विरोधी टीम पर दबाव बना देते हैं।

ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड में खेला जाएगा टी20 विश्वकप का अगला सत्र

मुम्बई । आईसीसी टी20 विश्वकप का 11 वां सत्र अब साल 2028 में ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड में संयुक्त रुप से खेला जाएगा । यह टूर्नामेंट 21 अक्टूबर से 19 नवंबर, 2028 के बीच होगा । इस प्रकार साल 2022 के बाद ऑस्ट्रेलिया को दूसरी बार इस वैश्विक इवेंट की मेजबानी का अवसर मिलेगा । वहीं न्यूजीलैंड में पहली बार इस टूर्नामेंट का आयोजन होगा । टूर्नामेंट के आयोजन की जिम्मेदारी डेम थेरेसी वॉल्श के पास है । वाल्श के अनुसार ये मुकाबले ऑस्ट्रेलिया में मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (एमसीजी), सिडनी क्रिकेट ग्राउंड (एससीजी), एडिलेड ओवल और पर्थ का ऑप्टस स्टेडियम में खेले जाएंगे । वहीं न्यूजीलैंड में ऑकलैंड के ईडन पार्क, वेलिंगटन के स्काई स्टेडियम और क्राइस्टचर्च के हेगले ओवल में होंगे । . इसमें 20 टीमें भाग लेंगी । इस टूर्नामेंट में भी आईसीसी का साल 2024 का ही प्रारुप लागू रहेगा । इस टूर्नामेंट के लिए 12 टीमों को स्थान मिल गया है । ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड को मेजबान होने के कारण पहले ही जगह मिल गयी है । वहीं इस साल की विजेता भारतीय टीम के अलावा, इंग्लैंड, दक्षिण अफ्रीका, पाकिस्तान, वेस्टइंडीज, श्रीलंका और जिम्बाब्वे . को भी इसमें रैंकिंग के आधार पर जगह मिली है । इसके अलावा अफगानिस्तान, बांग्लादेश और आयरलैंड को भी शामिल किय गया हैं । वहीं बचे 8 स्थानों के लिए रीजनल क्वालीफिकेशन टूर्नामेंट इस साल के बीच में शुरू होंगे । अमेरिका और यूरोप में उप-रीजनल क्वालीफायर आयोजित किए जाएंगे, जिससे एसोसिएट देशों को भी 20 टीमों में शामिल होने का अवसर मिलेगा ।

शुभमन के लिए टी20 टीम में वापसी संभव नजर नहीं आती : आकाश चोपड़ा

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व बल्लेबाज आकाश चोपड़ा ने कहा है कि बल्लेबाज शुभमन गिल को टी20 टीम में जगह मिलने की कोई संभावना नहीं है । आकाश के अनुसार शुभमन की बल्लेबाज टी20 के अनुरुप नहीं है और ऐसे में उन्हें इसमें कप्तानी मिलने की उम्मीद तो करनी ही नहीं चाहिये । आकाश के अनुसार उनके लिए तो इस सबसे छोटे प्रारुप में जगह बनाना भी मुश्किल है । शुभमन अभी टेस्ट और एकदिवसीय टीम के कप्तान हैं । वह पिछले साल टी20 में वापसी में सफल रहे थे पर अच्छा प्रदर्शन नहीं करने के कारण अपनी जगह बरकरार नहीं रख पाये । एशिया कप में उन्हें उपकप्तान बनाया गया था पर वह टीम को आक्रामक शुरुआत नहीं दे पाये । वह वापसी के बाद 15 मैचों में एक बार भी पचास रन नहीं बना पाये । इसी कारण उन्हें टी20 विश्वकप के लिए जगह नहीं मिली थी । शुभमन ने भारतीय टीम की ओर से 36 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 869 रन बनाये हैं । इस दौरान उनका औसत 28.03 और स्ट्राइक रेट 138.59 का रहा । आकाश ने कहा,शुभमन के लिए वापसी बेहद कठिन है । भारतीय टीम की बड़ी सोच थी कि तीनों प्रारुपों का एक कप्तान होना चाहिए ताकि आसानी हो पर ये संभव नहीं दिखता । वह टेस्ट और एकदिवसीय के कप्तान हैं लेकिन टी20 की कप्तानी नहीं मिल सकती । इस समय तो भारत की टी20 टीम में जगह मिलना भी कठिन है । अभी भारतीय टीम जिस अंदाज में खेल रही है । उसको देखते हुए बड़े स्कोर के लिए आक्रामक बल्लेबाजों की जरुरत होती है । ऐसे में उन्हें इस प्रारुप के प्रयास में एकदिवसीय की लय नहीं खोनी चाहिये । वहीं टीम से बाहर किए जाने के बाद शुभमन ने कहा था कि वह चयनकर्ताओं के फैसले का सम्मान करते हैं और जब भी अवसर मिलेगा अपनी पूरी क्षमता के साथ योगदान देने की कोशिश करेंगे ।

धोनी का निचले क्रम पर उतरना सहित नहीं : पुजारा

चेन्नई । बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा ने कहा है कि पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी भले ही 44 साल के हो गये हैं पर इसके बाद भी उनके खेलने से चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) को लाभ ही होगा । पुजारा के अनुसार धोनी अगर 20 से 30 गेंदों का भी सामन करते हैं तो भी वह मैच बदल सकते हैं । गौरतलब है कि बढ़ती उम्र और फिटनेस की दिक्कतों के कारण धोनी पिछले कुछ समय से निचले क्रम पर ही उतर रहे हैं पर पुजारा का मानना है कि ये सही नहीं है । उनका कहना है कि धोनी का निचले क्रम पर खेलने का फैसला सही नहीं है । वह ऊपरी क्रम पर टीम के लिए अहम भूमिका निभा सकते हैं । पुजारा ने कहा, 'मुझे धोनी के नंबर 8 या 9 पर बल्लेबाजी करना सही नहीं दिखता क्योंकि आज भी उनकी बल्लेबाजी ऐसी है कि वह मैच का रुख मोड़ सकते हैं । निचले क्रम पर अगर वह सिर्फ 5 या 10 गेंद खेलकर ही प्रभावित कर सकते हैं तो 25 या 30 गेंदें खेलने पर तो तूफान ही मचा देंगे ।.' पुजारा का मानना है कि धोनी जिस प्रकार के हिटर हैं उसको देखते हुए उन्हें ऊपरी क्रम पर भेजा जाना चाहिये । पुजारा ने कहा कि सीएसके के ड्रेसिंग रूम का माहौर काफी अच्छा रहता है । इसी कारण टीम और खिलाड़ी एक दूसरे के प्रति समर्पित रहते हैं । खिलाड़ियों को मालूम होता है कि उनसे टीम किस प्रकार की उम्मीदें करती है । इसी कारण सीएसके में रहने वाला हमेशा उसके साथ बना रहता है । वहीं टीम के सीईओ काशी विश्वनाथन के अनुसार हमेशा ही आईपीएल से पहले धोनी की फिटनेस और उनके हर मैच खेलने को लेकर भी अटकलें रहती हैं पर ये तय है कि वह अंतिम ग्यारह में बने रहेंगे ।

कार्लोस अल्काराज लगातार पांचवीं बार इंडियन वेल्स के सेमीफाइनल में पहुंचे

इंडियन वेल्स (एजेंसी)। विश्व के नंबर एक खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज ने अपनी जीत का सिलसिला 16 मैचों तक बढ़ाया और गुरुवार को बीएनपी परीबा ओपन में लगातार पांचवें इंडियन वेल्स सेमीफाइनल में पहुंचे। टॉप सीड खिलाड़ी ने कैमरन नॉरी के खिलाफ 6-3, 6-4 से जीत हासिल की, जिससे उन्होंने ब्रिटेन के खिलाड़ी से बदला ले लिया, जिसने उन्हें पिछले नवंबर में पेरिस में हराया था।

अल्काराज ने कोर्ट पर अपने इंटरव्यू में नॉरी के बारे में कहा, 'मुझे उनके स्टाइल से बहुत दिक्कत होती है। हर बार जब मैं उनके खिलाफ खेलता हूं तो यह मेरे लिए हमेशा बहुत मुश्किल होता है। उनके स्टाइल, उनके (हैवी) टॉपस्पिन फोरहैंड, सुपर हाई के साथ यह थोड़ा कन्फ्यूजिंग है। और फिर बैकहैंड, बहुत फ्लैट और बहुत लो। कभी-कभी उनके खिलाफ खेलना मुश्किल होता है। मुझे सही शॉट मिल रहा है। मैंने अच्छा खेला। मैंने सॉलिड खेला। जब भी हो

सका, मैंने एग्रेसिव खेला। मैं इस लेवल पर खेलकर खुश हूं।'

अल्काराज और नॉरी ने पूरे मैच में मोमेंटम बदला, लेकिन स्पेन के खिलाड़ी ने ज़्यादातर अपना पलड़ा भारी रखा। पहला सेट आखिरी चार गेम में तीन बार सर्व ब्रेक के साथ खत्म हुआ। इसके बाद नॉरी ने दूसरे सेट में 2-0 की बढ़त बना ली, जिसके बाद अल्काराज ने लगातार चार गेम जीतकर जवाब दिया। 22 साल के खिलाड़ी ने 10 ब्रेक के मौके बनाए, जिनमें से चार को भुनाया। तेज बेसलाइन हिटिंग, हल्के ड्रॉप शॉट और शानदार नेट प्ले का मिक्स दिखाते हुए, दुनिया के नंबर 1 खिलाड़ी ने एक घंटे 33 मिनट में जीत हासिल की।

अल्काराज ने कहा, 'टेनिस लगभग आधे सेकंड में सही शॉट चुनने के बारे में है,' जिन्होंने 19 फोरहैंड विनर के साथ गेम खत्म किया। 'कभी-कभी मैं शॉट मिस कर देता हूँ क्योंकि मैंने सही वाला नहीं चुना होता। मेरे दिमाग में, मेरे पास सात, पाँच ऑप्शन होते हैं, कभी-कभी मेरे लिए सही वाला चुनना मुश्किल होता है।'

अपनी जीत के साथ, अल्काराज लगातार पांच इंडियन वेल्स सेमीफ़ाइनल में पहुंचने वाले तीसरे व्यक्ति बन गए, उनके हमवतन राफेल नडाल (2006-13) और विरोधी नोवाक जोकोविच (2011-16) ही उनसे आगे हैं। अल्काराज हेड2हेड सीरीज में नॉरी से 6-3 से आगे हैं। 26 बार के टूर-लेवल टाइटलिस्ट सेमीफाइनल में दानिल मेदवेदेव के खिलाफ अपने 6-2 के रिकॉर्ड को बेहतर करना चाहेंगे। अल्काराज ने मेदवेदेव के साथ अपने पिछले चार मुकाबले जीते हैं। अल्काराज ने 2023 और 2024 में इंडियन वेल्स का खिताब जीता, दोनों फाइनल में मेदवेदेव को हराया।

रंकीरेड्डी के कंधे में दर्द के कारण उनकी और चिराग की जोड़ी स्विस ओपन से हटी

बासेल । सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी के कंधे में दर्द के कारण उनकी और चिराग शेट्टी की शीर्ष भारतीय पुरुष जोड़ी ने शुक्रवार को स्विस ओपन के क्वार्टर फाइनल मुकाबले से पहले टूर्नामेंट से नाम वापस ले लिया । इस सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट के अंतिम आठ युगल मुकाबलों में रंकीरेड्डी और शेट्टी का मुकाबला डेनमार्क के क्रिश्चियन फॉस्ट कजेर और रासमस कजेर से होना था । बैडमिंटन में सबसे तेज स्मैश से सुर्खियां बटोरने वाले अमलापुरम के 25 वर्षीय रंकीरेड्डी अपने दाहिने कंधे की समस्या से जूझते रहे हैं । रंकीरेड्डी ने 2023 में बैडमिंटन में सबसे तेज स्मैश का गिनीज विश्व रिकॉर्ड बनाया था, जिसकी गति 565 किलोमीटर प्रति घंटा थी । भारतीय टीम के मलेशिया मूल के कोच टैन किम हर ने 'पीटीआई' को बताया, 'यह पुरानी चोट है । उम्मीद है कि वह जल्दी ठीक हो जाएंगे । इसमें कम से कम एक सप्ताह लगेगा ।' समझा जा रहा है कि यह चोट नयी नहीं है और शीर्ष स्तर पर खेलने वाले खिलाड़ियों में आम है । भारतीय जोड़ी ने बृहस्पतिवार को प्री-क्वार्टर फाइनल में जापान के हिरोकी ओकामूरा और क्योहेई यामाशिता के खिलाफ 74 मिनट के कड़े मुकाबले में 21-15, 15-21, 28-26 से जीत हासिल की । एशियाई खेलों के चैंपियन सात्विक और चिराग अब सात से 12 अप्रैल तक होने वाली बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप में हिस्सा लेंगे । भारतीय जोड़ी ने 2023 में खिताब जीता था ।

आईपीएल 2026 में गुजरात टाइटंस के सहायक कोच की भूमिका में नजर आयेंगे दहिया

अहमदाबाद । गुजरात टाइटंस ने आईपीएल 2026 में बेहतर प्रदर्शन के लिए पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज विजय दहिया को अपना नया सहायक कोच बनाया है । दहिया कोच के तौर पर काफी सफल रहे हैं । वह दो बार की खिताब विजेता कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) में भी सहायक कोच रहे है । इसके अलावा उनके कोच रहते ही दिल्ली ने रणजी ट्रॉफी खिताब भी जीता था । अब देखना है कि गुजरात को दहिया से कितना लाभ मिलता है । इससे पहले टीम ने ऑस्ट्रेलिया के पूर्व सलामी बल्लेबाज मैथ्यू हेडन को बल्लेबाजी कोच नियुक्त था । ऐसे में दहिया को उनके साथ मिलकर टीम की बल्लेबाजी को निखारना होगा । गुजरात टाइटंस को उम्मीद है कि दाहिया के होने से टीम का कोचिंग स्टाफ और बेहतर तरीके से खिलाड़ियों का मार्गदर्शन कर पायेगा । दहिया ने एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय के साथ ही दो टेस्ट मैच भारतीय टीम की ओर से खेले हैं । खेल से संन्यास के बाद वह कोच के तौर पर घरेलू क्रिकेट में दिल्ली के साथ जुड़े रहे हैं । दहिया के कोच रहते ही साल 2007-08 सत्र में दिल्ली ने रणजी ट्रॉफी खिताब जीता और उसके बाद से वह कई अन्य घरेलू और आईपीएल टीम के भी कोच रहे हैं । गुजरात की टीम आईपीएल में लगातार अच्छा प्रदर्शन करने वाली टीम में से एक हैं । वह अपने शुरुआती चार सत्र में से तीन में प्ले ऑफ में पहुंची और उसने एक बार खिताब भी जीता है ।

सैमसन के होने से राजस्थान के खिलाफ पहले ही मुकाबले में भारी पड़ेगी सीएसके : इरफान पठान

नई दिल्ली । पूर्व क्रिकेटर इरफान पठान के अनुसार आईपीएल में इस बार बल्लेबाज संजू सैमसन के आने का लाभ चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) को मिलेगा । आईपीएल नीलामी के पहले ही ट्रेड डील के तहतर ही सीएसके ने राजस्थान रॉयल्स से सैमसन को हासिल कर लिया था । पठान के अनुसार जिस प्रकार का जबरदस्त प्रदर्शन विश्वकप में सैमसन ने किया है । उससे वह काफी अच्छे फार्म में हैं । ऐसे में उनके होने भर से राजस्थान रॉयल्य के खिलाफ होने वाले शुरुआती मैच में सीएसके की टीम के पास जीत के अधिक अवसर रहेंगे । पठान के अनुसार, सैमसन लंबे समय तक रॉयल्स में शामिल रहे हैं । ऐसे में उन्हें टीम की रणनीति के अलावा, खिलाड़ियों के खेलने के तरीके का भी अंदाजा है । इसका लाभ भी सीएसके को मिलेगा । सीएसके ने सैमसन को लगभग 18 करोड़ रुपये में अपने साथ जोड़ा है । वहीं इसके बदले में सैम कुरम और अनुभवी ऑलराउंडर रविन्द्र जडेजा राजस्थान रॉयल्स की टीम में चले गए । पठान के अनुसार सैमसन के होने से टीम को रॉयल्स के खिलाफ मुकाबले में काफी लाभ होगा । इसका कारण है कि सैमसन लंबे समय तक राजस्थान में रहे है और जानते हैं कि टीम केपावरप्ले में किस प्रकार खेलती है, बीच के ओवरों में उनकी रणनीति क्या होती है और गेंदबाजी संयोजन कैसे काम करता है ।सीएसके अपना पहला मैच 30 मार्च को गुवाहाटी में खेलेगी । संजू सैमसन एक दशक से भी अधिक समय तक राजस्थान रॉयल्स का अहम हिस्सा रहे हैं । उन्होंने 2013 में टीम के साथ अपना सफर शुरू किया और जल्द ही टीम के प्रमुख बल्लेबाजों में शामिल हो गए । बाद में उन्हें टीम की कप्तानी भी सौंपी गई । आईपीएल में सैमसन का प्रदर्शन काफी अच्छा रहा है । उन्होंने राजस्थान रॉयल्स के लिए 150 से ज्यादा पारियां खेलते हुए 4,000 से अधिक रन बनाए हैं । उनके नाम दो शतक और कई अर्धशतक दर्ज हैं । उनका स्ट्राइक रेट भी 140 से अधिक रहा है । ऐसे में वह लीग के सबसे बेहतर बल्लेबाजों में से एक हैं ।

मैं सिर्फ टाइमिंग पर ध्यान देती हूं, मेडल्स पर नहीं : पैरालंपिक प्रीति पाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रीति पाल, जो पैरालंपिक खेलों में ट्रैक एंड फील्ड इवेंट्स में दो मेडल जीतने वाली पहली भारतीय महिला एथलीट हैं, ने अपनी सफलता का राज बताया है। उनका कहना है कि वह सिर्फ अपनी टाइमिंग बेहतर करने पर ध्यान देती हैं और मेडल जीतने के बारे में सोचकर खुद पर दबाव नहीं डालतीं।

प्रीति ने 2024 पेरिस पैरालंपिक्स में दो ब्रॉन्ज मेडल जीते थे - एक महिलाओं की 100मी रेस में और दूसरा 200मी टी35 रेस इवेंट में। बुधवार को चल रहे वर्ल्ड पैरा एथलेटिक्स ग्रां प्री में महिलाओं की 100मी टी35/टी37 रेस में गोल्ड मेडल जीतने के बाद यूनीवार्ता से बात करते हुए प्रीति ने कहा, 'यह वह मुकाबला है जहां हर कोई अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने की कोशिश करता है। यहां बात मेडल की नहीं, बल्कि टाइमिंग की होती है। यहां मुकाबला करने आए सभी एथलीटों ने अच्छा प्रदर्शन करने की कोशिश की है। मुझे तो यह भी लगता है कि मैं ठीक वैसा प्रदर्शन नहीं कर पाई जैसा मैं ट्रेनिंग के दौरान कर रही थी।'

वर्ल्ड पैरा एथलेटिक्स ग्रां प्री 11 से 13 मार्च तक जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में खेला जा रहा है जिसमें 8 देशों के एथलीट हिस्सा ले रहे हैं। प्रीति ने रेस में गोल्ड मेडल जीतने के लिए 14.46 सेकंड का समय लिया। रूस की मार्गरीटा माताएवा 16.25 सेकंड के समय के साथ दूसरे स्थान पर रहीं, जबकि करीना माचुलस्काया ने 17.38 सेकंड के समय के साथ ब्रॉन्ज मेडल जीता।

एक पैरा एथलीट के तौर पर उन्हें जिन चुनौतियों का सामना करना पड़ा, उन पर बात करते हुए इस स्प्रिंटर ने कहा कि चोटें एथलीटों के लिए सबसे बड़ी रुकावटों में से एक बनी रहती हैं, खासकर तेज रफ्तार वाले स्पीड सेशंस के दौरान। 'कई दिक्कतें आई हैं, खासकर चोटें। चोटें तो हर एथलीट को लगती हैं। जब हम स्पीड सेशंस शुरू करते हैं, तो चोट लगने का खतरा बढ़ जाता है। रिकवरी बहुत जरूरी हो जाती है। हमारे कोच हमें आइस बाथ (बर्फ के पानी में नहाना) दिलवाकर रिकवरी में मदद करते हैं, जिससे बहुत फ़ायदा होता है।'

उन्होंने यह भी जोड़ा कि चोट-मुक्त रहने से एथलीट ट्रेनिंग, खान-पान और आराम पर बेहतर तरीके से ध्यान दे पाते हैं। मुकाबले की अपनी तैयारियों के बारे में प्रीति ने बताया कि पिछले एक महीने से ट्रेनिंग के दौरान वह अपनी अब तक की सबसे अच्छी टाइमिंग हासिल कर रही थीं। 25 साल की इस एथलीट ने खिलाड़ियों को बेहतर बनाने में मदद करने के लिए नेशनल ट्रेनिंग ग्रुप को श्रेय दिया।

प्रीति ने कहा, 'हमारी तैयारी बहुत अच्छी रही है। नेशनल टीम में हम एक ग्रुप के तौर पर ट्रेनिंग करते हैं और एक-दूसरे से सीखते हैं। हमारे साथ सिमरन शर्मा जैसी एथलीट हैं, जो अर्जुन अवॉर्डविजेता और पैरालंपिक मेडलिस्ट हैं, और चिराग बरेठा हैं, जो पहले दुनिया में नंबर एक रैंक

पर थे। साथ में प्रैक्टिस करने से हम सभी को बेहतर बनने में मदद मिलती है।' आगे की ओर देखते हुए इस पैरा स्प्रिंटर ने कहा कि वह आने वाले इवेंट में और भी दमदार प्रदर्शन करने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं।

200मी का इवेंट तीसरे दिन है और मैं उसमें अच्छा करने की पूरी कोशिश करूंगी। मैं कोई बहाना नहीं बनाना चाहती, मैं बस अपने प्रदर्शन को और बेहतर बनाना चाहती हूं।' यूपी की रहने वाली इस एथलीट का मानना है कि असली मुकाबला खुद से ही होता है और अपने ही पिछले सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन को पीछे छोड़ना ही उनका मुख्य लक्ष्य है।

अब मैं अपने एक्टिंग करियर पर पूरा फोकस करना चाहती हूं

रियलिटी शो रियलिटी शो 'द 50' से बाहर होने के बाद अभिनेत्री दिव्या अग्रवाल ने इंटरव्यू में बड़ा बयान दिया। उन्होंने खुलकर बताया कि शो का अनुभव उनके लिए कैसा रहा और अब वह अपने करियर को किस दिशा में आगे बढ़ाना चाहती हैं। दिव्या अग्रवाल ने आईएएनएस से बात करते हुए कहा, ''मुझे इस बात की खुशी है कि मैं अब इस शो से बाहर आ चुकी हूं। यह शो काफी हद तक मेल डॉमिनेटेड था और इसमें बहुत ज्यादा फिजिकल एक्टिविटी शामिल थी। शो में हर कोई खुद को नोटिस करवाने की कोशिश कर रहा था। इसी वजह से कई बार कंटेस्टेंट्स एक-दूसरे के बारे में अजीब और अनचाही बातें भी कह देते थे। यह माहौल कई बार असहज कर देने वाला होता था।'' दिव्या ने आगे कहा, ''मैंने यह शो अपने फैंस की वजह से किया था। लंबे समय से मेरे फैंस मुझसे कह रहे थे कि मुझे एक और रियलिटी शो में हिस्सा लेना चाहिए। इसी वजह से मैंने 'द 50' में हिस्सा लेने का फैसला किया था।''

उन्होंने कहा, 'अब मैं किसी भी तरह का रियलिटी शो नहीं करूंगी। मेरा ध्यान सिर्फ और सिर्फ अभिनय पर रहेगा। मैं अपने एक्टिंग करियर पर पूरा फोकस करना चाहती हूं।'' दिव्या अग्रवाल के करियर की बात करें तो उन्होंने मनोरंजन की दुनिया में अपनी पहचान एक रियलिटी शो कंटेस्टेंट के तौर पर बनाई। साल 2017 में उन्होंने 'एमटीवी स्प्लिट्सविला 10' में हिस्सा लिया था। इस शो में वह अभिनेता प्रियांक शर्मा के साथ रनर-अप रहीं और यहीं से उन्हें बड़ी पहचान मिली। इसके बाद उन्होंने कई रियलिटी शोज और टीवी प्रोजेक्ट्स में काम किया और धीरे-धीरे दर्शकों के बीच लोकप्रिय होती चली गईं। 2018 में दिव्या ने 'एमटीवी ऐस ऑफ स्पेस' में हिस्सा लिया और इस शो की विजेता बनीं। इस जीत ने उन्हें टीवी इंडस्ट्री में और मजबूत पहचान दिलाई। इसके बाद उन्होंने एक्टिंग में डेब्यू किया और हॉरर वेब सीरीज 'रागिनी एमएमएस: रिटर्न्स' के दूसरे सीजन में नजर आईं। उनके करियर में बड़ा मोड़ तब आया वह 'बिग बॉस ओटीटी सीजन 1' की विजेता बनीं। इस जीत के बाद उनकी लोकप्रियता में जबरदस्त इजाफा हुआ और उन्हें कई वेब सीरीज, म्यूजिक वीडियो और अन्य प्रोजेक्ट्स के ऑफर मिलने लगे।

टीवी के बाद अब ओटीटी पर जादू बिखेरेंगी रूप दुर्गापाल

'स्वरागिनी,' 'कुछ रंग प्यार के ऐसे भी,' और 'बालवीर' जैसे कई धारावाहिकों में काम कर घर-घर में अपनी पहचान बना चुकी अभिनेत्री रूप दुर्गापाल अब ओटीटी डेब्यू करने जा रही हैं। दरअसल, अभिनेत्री जल्द ही आगामी वेब सीरीज 'संकल्प' में नजर आएंगी। इस सीरीज में वे अभिनेता मोहम्मद जीशान अय्यूब की पत्नी माधुरी के किरदार में हैं। रूप ने अपने को-स्टार जीशान के अभिनय की जमकर प्रशंसा की। उन्होंने कहा, 'जीशान बहुत ही शानदार अभिनेता है। एनएसडी से पढ़ाई करने और फिल्मों-वेब सीरीज में इतना अनुभव होने के कारण उनसे बहुत कुछ सीखने को मिला। उनके सीन्स को देखने का नजरिया, भाषा पर अच्छी पकड़ और एनर्जी ने मेरे साथ के सीन को बेहतर बनाया। मैं हर दिन सेट पर उनके आने का इंतजार करती थी।' अभिनेत्री ने आगे सीरीज की पूरी टीम की सराहना की। उन्होंने बताया कि शानदार कलाकारों के साथ काम करना ही उन्हें इस प्रोजेक्ट में शामिल होने के लिए उत्साहित कर रहा था। अभिनेत्री ने कहा, 'जब सबके पास अच्छा काम होता है, तो सेट पर और बाहर भी बहुत कुछ सीखने को मिलता है। नाना पाटेकर सर और प्रकाश सर के साथ काम करना एक्टिंग, फिल्म बनाने और जिंदगी के कई पहलुओं को समझने जैसा था। मेघना मलिक से भी बहुत कुछ सीखा। हम लंच और डिनर के दौरान भी खूब बातें करते थे। वे न सिर्फ बेहतरीन एक्टर हैं, बल्कि बहुत अच्छे इंसान भी हैं।' उन्होंने आगे बताया कि सीरीज के लिए उन्हें ऑफर कैसे मिला था। उन्होंने बताया, 'साल 2019 तक मैंने टेलीविजन से आगे जाने के बारे में ज्यादा नहीं सोचा था, लेकिन कोविड के दौरान सब कुछ बदल गया। लोगों को जाते देखकर मुझे एहसास हुआ कि जिंदगी बहुत छोटी है। कुछ भी कहा नहीं जा सकता। तब मैंने फैसला लिया कि अब उन चीजों को आजमाना है जिनसे पहले डर लगता था।'

उत्तराखंड के अल्मोड़ा की रहने वाली अभिनेत्री रूप ने सिल्वर स्क्रीन पर परफॉर्म करने के अलावा, थिएटर में भी काम किया, जो उनके लिए नया था। उन्होंने थिएटर को लेकर अपना एक्सपीरियंस शेयर करते हुए बताया, 'बिना कट, रीटेक के, महीनों रिहर्सल करके स्टेज पर परफॉर्म करना काफी अजीब था, लेकिन जिंदगी की अनिश्चितता ने मुझे हिम्मत दी। स्टेज पर खड़े होकर बिना किसी डर के परफॉर्म करना शानदार अनुभव था। इसी हिम्मत ने मुझे टीवी से आगे बढ़कर वेब सीरीज में आने की ताकत दी।' अभिनेत्री का मानना है कि हर किसी का सफर अलग होता है और सब कुछ अपने सही समय पर ही होता है। उन्होंने कहा, 'शायद मेरा सफर ऐसा ही होना था। सालों की संख्या मायने नहीं रखती। मैं बहुत खुश हूं कि यह सब अपने आप हुआ।' सीरीज का निर्देशन प्रकाश झा ने किया है। रूप ने निर्देशक की भी जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा, 'प्रकाश सर के साथ काम करना किसी बड़े संस्थान में पढ़ाई करने जैसा था। साथ ही काम में मजा भी आता था और यादगार पल भी बनते थे।'

फिल्मों में मिलने वाली फीस सिर्फ जेंडर पर निर्भर नहीं होती

बॉलीवुड में अक्सर यह चर्चा होती रहती है कि एक्टर्स और एक्ट्रेसेस की फीस में काफी फर्क होता है। इसी मुद्दे पर अब अभिनेता सैफ अली खान ने अपनी राय रखी है। हाल ही में यूट्यूब में एक पॉडकास्ट में बातचीत के दौरान सैफ ने कहा कि फिल्मों में मिलने वाली फीस सिर्फ जेंडर पर निर्भर नहीं होती। उनके मुताबिक किसी कलाकार को कितना पैसा मिलेगा, यह काफी हद तक उसकी स्टार पावर और बॉक्स ऑफिस पर दर्शकों को थिएटर तक लाने की क्षमता पर निर्भर करता है। सैफ का कहना है कि अगर दो कलाकार एक जैसी स्टार वैल्यू रखते हैं, तो उन्हें बराबर पैसा मिलना चाहिए। लेकिन फिल्म इंडस्ट्री का अपना एक आर्थिक गणित भी होता है। जो कलाकार ज्यादा दर्शक खींचता है, उसकी फीस भी उसी हिसाब से तय होती है।

इंडस्ट्री में चीजें बेहतर हो रही हैं

उन्होंने यह भी कहा कि सिर्फ इसलिए किसी को ज्यादा या कम पैसे नहीं मिलने चाहिए कि वह मेल है या फीमेल। असल में इंडस्ट्री में यह तय होता है कि कौन स्टार बॉक्स ऑफिस पर कितना असर डाल रहा है। सैफ के मुताबिक धीरे-धीरे इंडस्ट्री में चीजें बेहतर हो रही हैं और अब पे-पैरिटी पर पहले से ज्यादा खुलकर बात हो रही है। सैफ अली खान दिग्गज अभिनेत्री शर्मिला टैगोर के बेटे हैं। उनकी शादी अभिनेत्री करीना कपूर से हुई है।

वर्कफ्रंट

सैफ जल्द ही नेटफ्लिक्स की पीरियड ड्रामा फिल्म 'हम हिंदुस्तानी' में नजर आएंगे। यह फिल्म भारत के पहले लोकतांत्रिक चुनाव के पीछे की कहानी को दिखाती है। इस फिल्म में प्रतीक गांधी भी अहम भूमिका में हैं और इसका निर्देशन राहुल ढोलकिया ने किया है। हालांकि फिल्म की रिलीज डेट अभी घोषित नहीं की गई है। इसके अलावा सैफ के पास प्रियदर्शन की फिल्म 'हैवान' भी पाइपलाइन में है, जिसमें उनके साथ अक्षय कुमार भी नजर आएंगे। फिल्म की शूटिंग पूरी हो चुकी है, लेकिन इसकी रिलीज डेट का अभी इंतजार है। पिछले साल सैफ नेटफ्लिक्स की फिल्म 'ज्वेल थीफ: द हीस्ट बिगिन्स' में दिखाई दिए थे।

करीना कपूर ने फिल्मों में खून-खराबे के ट्रेंड पर जाहिर की चिंता

करीना कपूर खान ने हाल ही में फिल्मों में बढ़ती हिंसा और खून-खराबे के ट्रेंड पर अपनी चिंता जाहिर की है। उनका कहना है कि आजकल की कई फिल्मों में पहले जैसी मस्ती, रंग, गाने और रोमांस की कमी महसूस होती है। हाल ही में द हॉलीवुड रिपोर्टर इंडिया को दिए एक इंटरव्यू में करीना ने कहा कि मौजूदा समय में कई फिल्में ज्यादा 'क्राइम और खून' पर ज्यादा फोकस करती हैं। उनके मुताबिक, इस तरह की फिल्मों में पहले जैसा मनोरंजन, एनर्जी, रंग और रोमांस देखने को कम मिलता है, जो कभी बॉलीवुड की पहचान हुआ करता था। करीना ने यह भी माना कि सिनेमा में बढ़ती 'हाइपर-मस्कुलिनिटी' यानी अत्यधिक मर्दानगी दिखाने का चलन उन्हें थोड़ा डराता है। उनका मानना है कि फिल्में सिर्फ एक्शन और हिंसा तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि उनमें प्यार, म्यूजिक और भावनाएं भी उतनी ही जरूरी हैं। वर्क फ्रंट की बात करें तो करीना कपूर खान जल्द ही निर्देशक मेघना गुलजार की फिल्म 'दायरा' में नजर आएंगी। इस फिल्म में उनके साथ पृथ्वीराज सुकुमारन भी मुख्य भूमिका में दिखाई देंगे।

शानदार अभिनेता हैं नाना पाटेकर, अपने काम के प्रति पूरी तरह समर्पित रहते हैं

अभिनेत्री कुब्रा सैत, जो इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म संकल्प को लेकर चर्चाओं में हैं। इस फिल्म में उनके साथ नाना पाटेकर हैं। फिल्म संकल्प का निर्देशन प्रकाश झा कर रहे हैं। हाल ही में फिल्म का ट्रेलर रिलीज किया गया, जिसे लोग काफी पसंद कर रहे हैं। इस बीच क्रुब्रा सैत ने नाना पाटेकर के साथ काम करने के अनुभव को साझा किया। क्रुबा ने कहा कि उन्होंने नाना पाटेकर से अभिनय की बारीकियां सीखीं हैं, साथ ही उन्हें काम के प्रति समर्पण भी सीखने को मिला। नाना पाटेकर की तारीफ करते हुए कुब्रा सैत ने कहा, नाना पाटेकर शानदार अभिनेता हैं। वह अपने काम के प्रति पूरी तरह समर्पित रहते हैं। वह हर सीन को बहुत गंभीरता से लेते हैं और उसकी तैयारी भी उतनी ही मेहनत से करते हैं। वह अक्सर अगले दिन के सीन्स की कहानी खुद अपने हाथों से लिखते हैं और फिर उसकी हर लाइन को याद भी करते हैं। कुब्रा ने कहा, नाना पाटेकर की लिखने की शैली बहुत प्रभावशाली है और काम करने का तरीका भी बेहद अलग है। सेट पर उन्हें काम करते हुए देखना मेरे लिए किसी सीखने वाली क्लास की तरह है। सेट के बारे में बताते हुए कुब्रा ने कहा, संकल्प के सेट पर कलाकारों के बीच काफी सहयोग भरा माहौल था, जहां हर कोई एक-दूसरे से कुछ नया सीख रहा था। नाना पाटेकर जैसे कलाकार नई पीढ़ी के अभिनेताओं के लिए एक प्रेरणा हैं और उनके साथ काम करना किसी सौभाग्य से कम नहीं है।

अपनी पर्सनल लाइफ के मुद्दे मैं खुद संभाल लूंगा

एक्टर और राजनेता थलापति विजय इन दिनों लगातार सुर्खियों में बने हुए हैं। वजह है उनकी पर्सनल जिंदगी। विजय की पत्नी ने संगीता सोरनलिंगम ने 26 साल के वैवाहिक जीवन के बाद विजय से तलाक के लिए अर्जी डाली है। उन्होंने विजय के एक अभिनेत्री से अफेयर की बात कही है। इसके बाद विजय का नाम एक्ट्रेस तृषा कृष्णन के साथ जोड़ा जाने लगा। इस बीच हाल ही में विजय तृषा के साथ एक कार्यक्रम में भी शामिल हुए। वहीं विजय की फिल्म 'जन नायकन' को लेकर भी विवाद अभी तक थमा नहीं है। इस बीच अब विजय ने अपने आसपास की हाल ही की समस्याओं पर बात की है।

अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर चर्चाओं में बने थलापति विजय का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है। यह वीडियो चेन्नई में उनकी पार्टी 'तमिलगा वेट्री कजगम' (टीवीके) के महिला दिवस कार्यक्रम का है। इस कार्यक्रम में लोगों को संबोधित करते हुए विजय ने अपनी हालिया समस्याओं को लेकर बात की। वीडियो में विजय अपने प्रशंसकों से अपील करते हुए दिख रहे हैं कि वे उनकी समस्याओं के कारण दुखी या तनावग्रस्त न हों। उन्होंने कहा, 'कृपया मेरे आसपास की हाल की समस्याओं के बारे में चिंता न करें। ये मुद्दे आपके समय के लायक नहीं हैं। मैं इन्हें खुद संभाल लूंगा। मुझे सबसे ज्यादा दुख तब होता है, जब आप मेरी समस्याओं के कारण दुखी या तनावग्रस्त होते हैं। कृपया मेरे लिए यह बोझ न उठाएं। इसके बजाय, लोगों के कल्याण पर ध्यान दें।'

पत्नी ने दायर की विजय से तलाक की याचिका

विजय की ये टिप्पणी ऐसे समय में आई हैं, जब उनका निजी जीवन ऑनलाइन और मीडिया में व्यापक चर्चा का विषय बना हुआ है। कुछ समय पहले ही उनकी पत्नी संगीता सोरनलिंगम ने 26 साल के वैवाहिक जीवन के बाद विजय से तलाक के लिए याचिका दायर की थी। विजय और संगीता का विवाह अगस्त 1999 में हुआ था और उनके दो बच्चे हैं - जेसन संजय और दिव्या शशा। पत्नी ने याचिका में आरोप लगाया गया है कि विजय का एक महिला अभिनेत्री के साथ एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर था। याचिका के अनुसार, संगीता को इस कथित संबंध के बारे में 2021 में पता चला। संगीता ने बाद में निवास सुरक्षा और आर्थिक सहायता के लिए एक और याचिका दायर की।

तृषा के साथ कार्यक्रम में पहुंचे विजय

पत्नी के आरोपों के बाद विजय का नाम तृषा कृष्णन के साथ जोड़ा जाने लगा। तृषा और विजय का नाम इससे पहले भी जोड़ा गया था। हालांकि, बाद में दोनों का रिश्ता खत्म हो गया, लेकिन तृषा ने अभी तक शादी नहीं की है। ऐसे में जब पत्नी ने ये आरोप लगाए, तो सोशल मीडिया पर एक बार फिर तृषा का नाम विजय के साथ जोड़ा जाने लगा। इन आरोपों के बीच विजय तृषा के साथ फिल्म निर्माता कलपथी सुरेश और मीनाक्षी के बेटे के विवाह समारोह में पहुंचे। विजय और तृषा एक ही कार में समारोह में पहुंचे और साथ ही वहां से जाते हुए भी देखे गए। इसके बाद संगीता ने एक नई याचिका भी दायर की है।

गैजेट्स न बिगाड़ दें सेहत

इन दिनों हम हर वक्त किसी न किसी गैजेट से खुद को घिरा पाते हैं। ये गैजेट्स भले ही हमारी जिंदगी का हिस्सा बन चुके हैं, लेकिन हम इनकी वजह से कब बीमारियों से घिर जाते हैं, पता ही नहीं चलता। इनके प्रभाव से कैसे करें अपना बचाव, बता रहे हैं पंकज घिल्डियाल

कंप्यूटर/लैपटॉप

आज कंप्यूटर के सामने बैठ कर काम करना मजबूरी भी है और कहीं-कहीं लत भी। इसके अधिक इस्तेमाल के कारण कई बार सेहत पर इसके दुष्प्रभाव भी देखने को मिलते हैं, जैसे शारीरिक सक्रियता का कम होना, नींद में कमी या स्लीप पैटर्न का गड़बड़ा जाना आदि। वहीं लैपटॉप के कारण गर्दन में दर्द एक बड़ी बीमारी के रूप में उभर कर सामने आ रहा है। की-बोर्ड के नजदीक होने से झुकना पड़ता है। इससे गर्दन में खिंचाव होता है, जिससे दर्द होता है। कभी-कभी डिस्क भी खिसक जाती है।

टेलीविजन और लाइफ स्टाइल

क्या बच्चे, क्या बड़े, लोग घंटों टेलीविजन के सामने बैठ कर समय व्यतीत करते हैं। एक लेख के अनुसार लोगों द्वारा हर घंटे देखे गये टीवी से उनका जीवनकाल 22 सेकंड कम हो जाता है। हर भारतीय एक सप्ताह में औसतन 15-20 घंटे टीवी देखता है। कई शोधों में यह बात सामने आई है कि टीवी के सामने हर रोज दो घंटे बिताने से टाइप 2 डायबिटीज और दिल की बीमारियों का खतरा 20 प्रतिशत तक बढ़ जाता है।

वाईफाई/सेलफोन

अनेक अध्ययनों में यह बात सामने आई है कि वायरलेस उपकरणों से निकलने वाली इलेक्ट्रोमैग्नेटिक तरंगें कैंसर का कारण बनती हैं और मस्तिष्क को नुकसान पहुंचाती हैं। स्वीडन में हुए एक अध्ययन के अनुसार, जो लोग 20 वर्ष से कम उम्र में मोबाइल फोन का उपयोग शुरू कर देते हैं, उनमें ब्रेन कैंसर का खतरा बढ़ जाता है। युवा आमतौर पर मोबाइल फोन से संगीत का आनंद उठाते हैं, लेकिन 85 डेसिबल से अधिक तेज ध्वनि किसी की भी सुनने की क्षमता को हमेशा के लिए खत्म कर सकती है। स्टीरियो हेडफोन से निकलने वाली तरंगें 100 डेसिबल तक पहुंच जाती हैं।

वीडियो गेम

वीडियो गेम में बच्चों का जबरदस्त क्रेज है। घंटों वीडियो से चिपके रहना सामान्य बात है। अधिक समय तक वीडियो गेम खेलने से बच्चों पर कई नकारात्मक प्रभाव पड़ते हैं। बच्चे जहां अधिक आक्रामक हो रहे हैं, वहीं दोस्तों से झगड़ना, आंखों की रोशनी कम होना, मोटापा बढ़ना आदि बहुत से प्रभाव देखने को मिल रहे हैं।

गुस्सैल न हो जाए आपका स्वभाव

लंदन यूनिवर्सिटी की एक रिसर्च के मुताबिक, जो लोग कंप्यूटर पर 4 घंटे या उससे ज्यादा समय बिताते हैं, उन्हें अन्य लोगों के मुकाबले दिल की समस्या होने की आशंका 125 फीसदी अधिक रहती है। रिसर्च में यह भी पता चला है कि कंप्यूटर पर ज्यादा समय बिताने वालों को मृत्यु का खतरा अन्य लोगों के मुकाबले 45 फीसदी ज्यादा होता है। इसी तरह अगर आप रोजाना मोबाइल पर 4 घंटे से ज्यादा बात करते हैं तो आपका स्वभाव गुस्सैल हो जाता है। कैलिफोर्निया यूनिवर्सिटी बर्कले की एक स्टडी पर गौर करें तो 70 प्रतिशत से अधिक कंप्यूटर यूजर्स को कंप्यूटर चश्मे की जरूरत पड़ती है।

दुष्प्रभाव से कैसे बचें

कंप्यूटर या लैपटॉप पर काम करते हुए हर दो घंटे के बाद एक ब्रेक लें या हर आधे घंटे के बाद दो-तीन मिनट के लिए अपनी आंखों को कंप्यूटर से हटा लें।

वीडियो गेम खेलने का समय और अवधि निर्धारित करें। कंप्यूटर के सामने बैठते समय हमारी पीठ सीधी हो, खासकर रीढ़ की हड्डी।

कंप्यूटर की स्क्रीन आंखों से 15 डिग्री नीचे की तरफ होनी चाहिए।

स्क्रीन से आंखों की दूरी दो फुट होनी चाहिए।

टीवी कभी भी अंधेरे में न देखें, वहां हमेशा पर्याप्त रोशनी बनाए रखें।

विशेषज्ञों का मानना है कि करीब 1 घंटा मोबाइल फोन के इस्तेमाल से मस्तिष्क में ग्लूकोज का संतुलन बिगड़ सकता है।

हमेशा बड़ी स्क्रीन के लैपटॉप का इस्तेमाल करें। इसके उपयोग से पॉश्चर पर ज्यादा दबाव नहीं आता।

लैपटॉप की स्क्रीन आंखों के समान लेवल या एंगल पर होनी चाहिए, ताकि आपको अपनी आंखें स्क्रीन पर रखने के लिए गर्दन को घुमाना या मोड़ना न पड़े।

मोबाइल फोन में बैक्टीरिया!

एक रिसर्च में पाया गया है कि मोबाइल फोन में टॉयलेट के फ्लश हैंडल से औसतन 18 गुना ज्यादा हानिकारक बैक्टीरिया होते हैं। इनकी वजह से पेट में गंभीर बीमारियां होने की आशंका रहती है। रिपोर्ट में पाया गया है कि ब्रिटेन में इस्तेमाल किए जा रहे मोबाइल फोन्स के 6.3 करोड़ में से 1.47 करोड़ यूजर्स को स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं पाई गई हैं।

आर्थोस्कोपिक सर्जरी दूर होंगी कंधे से जुड़ी समस्याए

क्रिकेट, बैडमिंटन, बास्केट बॉल, कराटे जैसे खेलों में युवाओं की बढ़ती गतिविधियों के कारण देश के युवा वर्ग की जीवन-शैली भी तेजी से बदल रही है। इससे स्वास्थ्य समस्याओं की पहले से ही लंबी सूची में जोड़ों के लिगामेंट

टूटने, मांसपेशियों से संबंधित दिक्कतें, हड्डियों के कार्टिलेज खराब होने जैसी कई परेशानियां जुड़ गई है।

युवाओं में कंधे का डिसलोकेशन (कंधे का अपने नियत स्थान से खिसक जाना) और इससे जुड़ी दूसरी बीमारियां और मध्य आयु (मिडिल एज) के लोगों व बुजुर्गों में फ्रोजन शोल्डर (कंधा जाम होना या कंधा घुमाने में

दर्द होना) और शोल्डर रोटेटर कफ टीयर (सिर के ऊपर वस्तु उठाने में दिक्कत होना) नामक रोग अब तेजी से बढ़ रहे हैं। अतीत में लोग इन समस्याओं को बर्दाश्त कर लेते थे और जीवन-शैली से समझौता कर लेते थे।

ऐसा इसलिए, क्योंकि तब एक ही विकल्प उपलब्ध था- बड़ी ओपन सर्जरी। इस सर्जरी की सबसे बड़ी समस्या यह थी कि इससे कंधे का मूवमेंट सीमित हो जाता था, लेकिन वर्तमान दौर में लोगों की अपेक्षा रहती है कि

कंधे का मूवमेंट सीमित न रहे। वर्तमान दौर में आज एमआरआई जांच और आर्थोस्कोपिक

सर्जरी के जरिये कंधे से संबंधित उपर्युक्त रोगों का इलाज कारगर ढंग से संभव है।

'की होल' सर्जरी

अब 'की होल' सर्जरी द्वारा छोटे चीरे से ही इस समस्या का अच्छी तरह इलाज किया जा सकता है। इससे न सिर्फ जटिलताएं कम होती हैं बल्कि परिणाम भी अच्छा हासिल होता है। साथ ही, स्वास्थ्य-लाभ (रिकवरी) भी काफी तेज होता है। कंधों के इलाज के लिए अतीत में देश के क्रिकेटर विदेश जाते रहे हैं। अब यह सब कुछ भारत में किया जा रहा है।

युवाओं की समस्याएं

युवाओं में कंधे की जो समस्याएं सबसे आम हैं, उनमें एक है कंधे का बार-बार अपने नियत स्थान से हट जाना। इस स्थिति को शोल्डर डिसलोकोशन कहते हैं। यह समस्या कंधे की संरचना के कारण है, क्योंकि कंधे का जोड़ (ज्वाइंट) एक अस्थिर जोड़ है। इसमें बॉल बड़ी और सॉकेट छोटा है। इसलिए एक बार कंधा डिसलोकेट हो जाए तो 10 में से 7 मामलों में

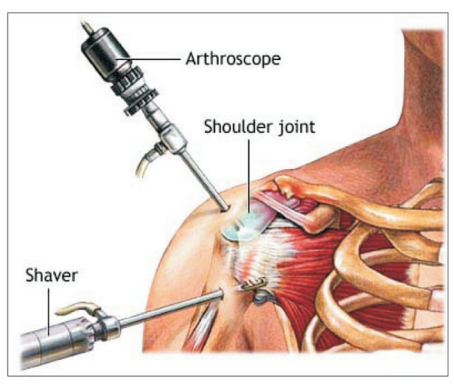

इसके फिर ऐसा होने की संभावना रहती है। पहले इस तरह की समस्याओं का कारण ही नहीं पता चलता था क्योंकि जांच के दौरान आमतौर पर कोई चिकित्सकीय संकेत नजर नहीं आता था। मरीज इनके साथ ही जीना सीख जाता था। आज एमआरआई और सी टी स्कैन से कंधे की संरचनात्मक जांच और आर्थोस्कोपिक सर्जरी से ज्यादातर मामलों में एनाटॉमिक रिपेयर या एनाटॉमिक रिकंस्ट्रक्शन द्वारा सफल निदान संभव है।

मिडिल एज की समस्याएं

मध्य आयु (मिडिल एज) के लोगों और खासकर डाइबिटीज के रोगियों में कंधा अक्सर सख्त या जाम हो जाता है। इसे फ्रोजन शोल्डर कहा जाता है। यह पीड़ित व्यक्ति के कार्यों को सीमित करने वाली बीमारी है और मरीज अक्सर करीब एक साल में पूरी तरह ठीक हो जाते हैं। कंधे के बीच कॉर्टिसोन (स्टेरॉयड) इंजेक्ट करके ठीक होने की अवधि को कम किया जा सकता है, लेकिन कंधे से संबंधित गंभीर मामलों में आर्थोस्कोपिक सर्जरी जरूरी हो जाती है।

मध्य आयु के और बुजुर्ग लोग कफ डिजीज से भी ग्रस्त होते हैं। कफ मांसपेशियों का एक समूह है, जो कंधे के मूवमेंट को नियंत्रित करता है। यह सिर से कंधे के ऊपर तक जाता है और अक्सर हड्डियों के बीच दब जाता है, जो कभी-कभी फट जाता है। इसे रोटेटर कफ टीयर कहते हैं। इस समस्या का सफल उपचार आर्थोस्कोपिक सर्जरी है।

सर्जरी के फायदे

आर्थोस्कोपिक सर्जरी कंधे की %की-होल% सर्जरी है, जहां जोड़ के अंदर के हिस्से को पेंसिल के आकार के एक पतले टेलीस्कोप से देखा जाता है। टेलीस्कोप से एक छोटा वीडियो कैमरा जुड़ा होता है और इस तरह जोड़ के अंदर का हिस्सा टीवी स्क्रीन पर देखा जा सकता है। यह सब एनेस्थेसिया देने के बाद दो या तीन छोटे सुराख के जरिए किया जाता है। चीरा या टांका लगाने की आवश्यकता नहीं होती। ऑपरेशन के बाद की अवधि में कम से कम असुविधा होती है और मरीज जल्दी ठीक हो जाता है। मरीज को सिर्फ एक दिन अस्पताल में रहना पड़ता है और वह हल्की पट्टी लगाकर घर आ सकता है।

सप्ताह भर के बाद कई पट्टियां हट जाती हैं और मरीज को प्रेरित किया जाता है कि वह कंधे को हिलाए। फिजियोथेरेपी से वापस हिलाने की ताकत और क्षमता हासिल करने में सहायता मिलती है।

ऐसे में न जाएं जिम

जिम में सभी फिट रहने के लिए जाते हैं, पर क्या आप जानते हैं कि जिम जाने से शरीर को नुकसान भी पहुंच सकता है? किन-किन स्थितियों में जिम जाने से बचना चाहिए, बता रही हैं।

जिम जाएं सेहत बनाने के लिए, न कि सेहत को नुकसान पहुंचाने के लिए। आपकी उम्र कम या अधिक है या आप गर्भवती हैं या फिर आप अक्सर दोपहर में जिम जाते हैं तो तुरंत सावधान हो जाएं।

अगर 14 साल से कम उम्र है

जिम 14 साल की उम्र के बाद ही जाना चाहिए। 14 वर्ष से कम उम्र में जिम में व्यायाम करने से बच्चों के शरीर को क्षति पहुंच सकती है, क्योंकि कम आयु में बच्चों की हड्डियां बहुत संवेदनशील होती हैं। उनकी मांसपेशियां और नसें भी नरम होती हैं। ऐसे में उन्हें जिम में हार्ड वर्कआउट करना नुकसानदायक होता है। यह शरीर के विकास पर भी बुरा असर डाल सकता है। इतना ही नहीं, यदि 15 से 20 वर्ष की उम्र में जिम जाना शुरू कर रहे हैं तो अपना बीएमआई (बॉडी मास इंडेक्स) जरूर जांच करवा लें और उसके बाद डॉक्टर से सलाह लेकर ही जिम में एक्सरसाइज की शुरुआत करें।

दोपहर के समय जिम नहीं

जिम जाने के लिए बेहतर समय तो सुबह का ही है, पर आज की व्यस्त जीवनशैली में लोग अपनी सहूलियत के मुताबिक जिम जाने लगे हैं। कोई सुबह जाता है तो कोई शाम को और कोई रात को। अगर आप सुबह वक्त नहीं निकाल पा रहे हैं तो शाम और रात का समय जिम में वर्कआउट के लिए फिर भी ठीक है, लेकिन दोपहर लगभग बारह बजे से चार बजे तक जिम जाने से बचें। इस समय आपका शरीर वर्कआउट के लिए पूरी तरह से तैयार नहीं होता। अगर रात को आप खाना देर से खाते हैं तो ही रात को जिम जाएं और खाना खाने के बाद जिम में एक्सरसाइज बिलकुल न करें।

गर्भवती या मासिक धर्म होने पर

फिटनेस फिएस्टा की कोच गीता चौधरी बताती हैं कि महिलाओं के लिए जिम जाना अच्छा होता है। इससे भविष्य में उनकी सेहत को फायदा होता है, लेकिन गर्भवती महिलाओं को जिम जाने से गुरेज करना चाहिए। इसकी अपेक्षा वह योग या अन्य हल्के व्यायाम डॉक्टर से सलाह ले कर करें। इसके अलावा डिलीवरी होने के बाद भी पांच महीने तक जिम न जाएं। उसके बाद अपनी डिलीवरी रिपोर्ट जिम इंस्ट्रक्टर को दिखा कर उनकी सलाह के अनुसार जिम में व्यायाम शुरू करें। महिलाओं को मासिक धर्म के समय भी जिम नहीं जाना चाहिए, बल्कि मासिक धर्म का दर्द शुरू होने पर भी जिम न जाएं। उस समय महिलाओं में रक्त संचार तेज होता है, जिसमें जिम की एक्सरसाइज से महिलाओं को काफी परेशानी होती है। उन्हें कमजोरी महसूस हो सकती है, चक्कर आ सकते हैं।

45 पार कर गए तो

लगभग 45 की उम्र के बाद शरीर की शक्ति कम हो जाती है, साथ ही हड्डियां भी कमजोर होने लगती हैं। इस अवस्था में जिम में व्यायाम करने पर कई तरह की परेशानियां शरीर को सताती हैं। ऐसे में जिम सोच-समझ कर ही जाएं। यदि आप पहले से जिम नियमित तौर पर जाते रहे हैं तो 60 वर्ष की आयु तक भी जिम जा सकते हैं, क्योंकि ऐसे में शरीर में पहले ही स्ट्रेंथ बन जाती है।

कमर या पैर की तकलीफ में

कमर या पैर संबंधी गंभीर रोग या परेशानी होने पर जिम से परहेज करें। यही नहीं, किसी भी तरह की अंदरूनी बीमारी जैसे अटैक्स, पथरी आदि में भी जिम का व्यायाम नुकसानदायक हो सकता है। हो सके तो ऐसी परिस्थितियों में जिम को नजरअंदाज ही करें या अपने डॉक्टर की सलाह के बाद ही जिम में वर्कआउट करें।